फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी
विक्रम संवत 2080

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

गुरुवार, 21 मार्च 2024
वर्ष 5, अंक 124, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

मोतियों की माला में घिरा नजर आया सुपरनोवा 16

कार्तिक आर्यन के साथ दिख सकतीं हैं माधुरी दीक्षित 15

रमज़ान मुबारक
दसवां रोज़ा इफ्तार - 21 मार्च 2024
सुन्नी - 06:28 बजे | शिया- 06:36 बजे
ग्यारहवां रोज़ा सहरी - 22 मार्च 2024
सुन्नी - 04:52 बजे | शिया- 04:44 बजे
नोटः- सहरी व इफ्तार में क्षेत्रवार समय में परिवर्तन हो सकता है।

माह-ए-रमज़ान की दिली मुबारकबाद
An ISO 9001:2015 Certified Company
NOOR GLASS FABRICATION
If U Can Dream We Can Build
Bajrang Dhaba, Opp. SBI Bank, Pilibhit Bypass Road, Bareilly
9761560515
e-mail : ahmadmuneer13@gmail.com
website : www.noorglassfabrication.com

पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
एम. के. बन्धानी हींग
हर समझदार गृहणी की पसन्द
51/71, नारायन प्लाजा, नयागंज, कानपुर
फोन: 9519456555, 9695416555

SELECTION POINT
The Complete Family Store
दूल्हे हम सजाते हैं।

डिज़ाइनर सूट | शेरवानी | जोधपुरी
कुर्ता पायजामा | डिज़ाइनर शर्ट
45, Civil Lines, Bareilly 8266800220
D.D. Puram, Bareilly 7088300050

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में न्यायिक सदस्य आवश्यक नहीं

केंद्र सरकार ने चयन समिति में सीजेआई को न रखने पर किया बचाव

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने 2023 के कानून के तहत दो नए निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति का बचाव करते हुए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता चयन समिति में न्यायिक सदस्य की उपस्थिति से उत्पन्न नहीं होती है। इस कानून के तहत चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर रखा गया है। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने शीर्ष अदालत में दाखिल एक हलफनामे में याचिकाकर्ता के दावे को खारिज कर दिया कि शीर्ष अदालत में सुनवाई से एक दिन पहले दो निर्वाचन आयुक्तों को 14 मार्च को जल्दबाजी में नियुक्त किया गया। न्यायालय में इस कानून को चुनौती दी गई जिसपर सुनवाई होने वाली थी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 को चुनौती देने वाली कांग्रेस नेता जया ठाकुर और 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' सहित कई अन्य द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में यह हलफनामा दाखिल किया गया है। हलफनामे में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं का मामला एक भ्रांति पर आधारित है कि किसी भी प्राधिकार में स्वतंत्रता केवल तभी बरकरार रखी जा सकती है जब चयन समिति एक विशेष संरचना की हो। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि निर्वाचन आयोग या किसी अन्य संस्था या प्राधिकार की स्वतंत्रता चयन समिति में न्यायिक सदस्य की उपस्थिति से उत्पन्न नहीं होती है।

● न्यायिक सदस्य की उपस्थिति पारदर्शिता का मापदंड नहीं : केंद्र

सूची विपक्ष के साथ साझा न करने का भी खंडन

केंद्र ने याचिकाकर्ताओं के इस दावे का खंडन किया कि नियुक्त किए जाने वालों की कोई सूची विपक्ष के साथ साझा नहीं की गई थी। केंद्र ने कहा कि खोज समिति द्वारा छह नाम की सिफारिश के बाद अंतिम सूची में नामित व्यक्तियों के नाम 13 मार्च, 2024 को लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी को उपलब्ध कराए गए थे। इसलिए, यह कहना पूरी तरह से गलत, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण है कि चयन समिति के तीसरे सदस्य को दो सदस्यों के विचार के तहत शॉर्टलिस्ट किए गए नाम दिए गए थे। सभी सदस्यों को एक साथ सूची प्राप्त हुई थी।

सीईसी को मिला है संविधान में संरक्षण, निष्पक्ष रूप से कार्य करने में सक्षम

हलफनामे में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं का यह कहना कि न्यायिक सदस्यों के बिना चयन समितियां हमेशा पक्षपातपूर्ण होंगी, पूरी तरह से गलत है। कहा गया कि नियुक्ति की शक्ति कार्यपालिका के पास होने के बावजूद निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) तटस्थ और प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम रहे हैं। उच्च संवैधानिक पद के नाते मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संविधान में अंतर्निहित संरक्षण प्राप्त है, जो उन्हें निष्पक्ष रूप से कार्य करने में सक्षम बनाता है। अनूप चंद्र पांडे की सेवानिवृत्ति और अरुण गोयल के इस्तीफे के बाद निर्वाचन आयोग में दो रिक्तियां हुई थीं। उनके स्थान पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को नियुक्त किया गया।

समाजवादी पार्टी से पीलीभीत सीट पर लड़ेंगे भगवत सरन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● सपा ने घोषित किए छह और प्रत्याशी, कुल संख्या 49 हुई

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी ने बुधवार को लोकसभा के छह और उम्मीदवारों की सूची जारी की। गठबंधन में गुटबंदी की चर्चा के बीच गौतमबुद्ध नगर सीट से प्रत्याशी भी बदल दिया। छठी सूची के बाद सपा उम्मीदवारों की कुल संख्या 49 हो गई है। सपा ने गौतमबुद्ध नगर में पहले डॉ. महेंद्र नागर को उम्मीदवार बनाया था। अब उनकी जगह राहुल अवाना को उम्मीदवार बनाया है। नई सूची में संभल से शफीकुर्रहमान बर्क के पोते जियाउर्रहमान बर्क को प्रत्याशी बनाया गया है। बागपत से मनोज चौधरी, पीलीभीत से भगवत सरन गंगवार, घोसी से राजीव राय और मिर्जापुर से राजेंद्र एस बिंद पर दांव लगाया गया है।

पल्लवी पटेल ने अपनी तीन सीटें घोषित कीं : सपा के सहयोगी दल अपना दल कमेरावादी ने भी तीन सीटों पर लड़ने का एलान किया है। अपना दल की नेता और सपा के सिंबल पर सिराथू (कौशांबी) से विधायक पल्लवी पटेल ने संकेत दिए हैं कि वे सपा से अलग होकर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। उनकी पार्टी ने प्रदेश की जिन तीन लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान किया है उनमें एक सीट मिर्जापुर भी है जिस पर सपा ने भी उम्मीदवार उतारा है। पार्टी अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने कहा कि फूलपुर, कौशांबी और मिर्जापुर सीट पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है।

लोस चुनाव के पहले चरण में 102 सीटों पर नामांकन शुरू

नई दिल्ली। देश में 18वीं लोकसभा के सात चरणों में कराए जाने वाले चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया बुधवार को प्रारम्भ हो गई। चुनाव आयोग ने आम चुनाव के पहले चरण में 17 राज्यों और चार केन्द्र शासित प्रदेशों की कुल मिलाकर लोकसभा की 102 सीटों के लिए बुधवार सुबह अधिसूचना जारी कर दी। पहले चरण के मतदान 19 अप्रैल को कराए जाएंगे। पहले चरण में तमिलनाडु की 33, राजस्थान की 12, उप्र की आठ, मप्र की छह, उत्तराखंड, असम और महाराष्ट्र की पांच-पांच, बिहार की चार, पश्चिम बंगाल की तीन सीटों सहित कुछ अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सीटें भी शामिल हैं।

प्रोन्नति पाने के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त हुए सहायक अध्यापकों को जूनियर हाई स्कूल में प्रोन्नति के लिए टीईटी अनिवार्य नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने शिवकुमार पांडेय व दर्जनों अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पारित किया है। प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत सहायक अध्यापकों ने याचिका दाखिल की थी कि राज्य सरकार ने उनकी प्राथमिक विद्यालयों से उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रोन्नति इस आधार पर रोक दी है कि वे सीनियर टीईटी उत्तीर्ण नहीं है जबकि ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं है। कोर्ट ने प्रोन्नति की प्रक्रिया 6 माह में पूरा करने का निर्देश दिया है।

प्रसार भारती का होगा कायाकल्प, नकारा पेशेवरों की होगी छंटनी

तीन माह बाद पीएम के 'मन की बात' का 111वां एपिसोड होगा कुछ अलग

ज्ञानेंद्र सिंह, नई दिल्ली

अमृत विचार : नरेंद्र मोदी यदि तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो उनके 'मन की बात' के 111वें एपिसोड की लोकप्रियता कुछ अलग नजर आएगी। इसके प्रसारण की नोडल एजेंसी 'प्रसार भारती' का तब तक काफी कुछ कायाकल्प हो चुका होगा। अपनी विशिष्ट कार्यशैली से नौकरशाही में खास पहचान बनाने वाले उत्तर प्रदेश कैडर के पूर्व नौकरशाह नवनीत सहगल को प्रसार भारती का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद उक्त आशय की संभावनाएं प्रबल हुई हैं।

खबरों की दुनिया में भारत के सरकारी जन संचार तंत्र को निष्पक्ष एवं स्वतंत्र करने के लिए 1997 में प्रसार भारती की स्थापना हुई थी और रेडियो, दूरदर्शन सहित कई सूचना माध्यमों को इसमें जोड़कर आजाद कर दिया गया था। लेकिन प्रसार भारती दिन पर दिन निजी जन संचार माध्यमों के मुकाबले पिटता चला गया। यही वजह है कि देश के कोने-कोने तक सबसे बड़ा नेटवर्क होने के बावजूद आम जनता तक पहुंच में अभी भी काफी पीछे है। प्रसार भारती को पेशेवर मजबूती देने के लिए सरकार ने हाई प्रोफाइल कहे जाने वाले चार पत्रकारों को इसका अध्यक्ष बनाया लेकिन नतीजा शून्य रहा। करंट अफेयर्स के पूर्व संपादक निखिल चक्रवर्ती पहले अध्यक्ष बने थे। उनके बाद 3 वर्ष तक यह पद खाली रहा और सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डा.यूएस राव को इसका अध्यक्ष बनाया। प्रसार भारती की कार्य संस्कृति देखकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। तीसरे अध्यक्ष के रूप में अमेरिका में तैनात टाइम्स आफ इंडिया के पत्रकार एमवी कामथ को नियुक्त किया गया। मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी अरुण भटनागर को चौथा अध्यक्ष बनाया, वह भी एक वर्ष बाद ही हट गए। उनके बाद एक हिंदी अखबार की संपादक मृणाल पांडे 2011 तक इस पद पर रहीं। पायनियर के सलाहकार संपादक के सूर्य प्रकाश 2020 तक इस पद पर रहे। तब से 4 वर्षों तक अध्यक्ष पद रिक्त था। उपराष्ट्रपति की अध्यक्षता में गठित समिति ने पिछले दिनों सहगल के नाम की सिफारिश की थी, इस समिति में सूचना एवं प्रसारण सचिव व भारतीय प्रेस परिषद की अध्यक्ष भी एक सदस्य हैं। राष्ट्रपति ने उनकी नियुक्ति कर दी है और मंगलवार को पहली बार उन्होंने प्रसार भारती मुख्यालय में प्रवेश किया। एक मुलाकात के दौरान सहगल ने काफी सुधार के संकेत दिए हैं।

● चार वर्ष से रिक्त अध्यक्ष पद पर नवनीत सहगल की हुई ताजपोशी

सियासी हलचल

लोगों को मतदान के लिए जागरूक करें समाजवादी युवजन सभा के पदाधिकारी

बरेली, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप ने समाजवादी युवजन सभा और समाजवादी यूथ बिग्रेड के पदाधिकारियों को मनोयन पत्र सौंपे। जिलाध्यक्ष ने लोकसभा चुनाव में पदाधिकारियों को घर-घर जाकर लोगों को मतदान कराने के प्रति जागरूक करने के लिए कहा। इस मौके पर शमीम खां सुल्तानी, एजाज अहमद, सुप्रिया ऐरन, मयंक शुक्ला, स्वाले चौधरी, शिव प्रताप यादव, रविंद्र यादव, प्रमोद बिष्ट, हैदर अली, रितेश यादव, रचित शर्मा, शिव सिंह यादव, गौरव यादव, देवेंद्र यादव, आरिफ खान, सोनू रनावत, प्रशांत यादव, अमन यादव आदि मौजूद रहे।

प्रशासन की तैयारी

मतदान कार्मिक मेडिकल बोर्ड की अनुमति पर ही ड्यूटी से मुक्त होंगे

बरेली, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में ड्यूटी के लिए मतदान कार्मिकों की बहानेबाजी नहीं चलेगी। गर्भवतियों को प्रसूति अवकाश और गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को ही चुनावी ड्यूटी से मुक्त रखा जाएगा। बीमारी की जांच और मतदान कार्मिक ड्यूटी करने की स्थिति में है या नहीं, इसके लिए सीएमओ की अध्यक्षता में मेडिकल बोर्ड का गठन कर दिया गया है। मेडिकल बोर्ड विकास भवन में बैठेगा। मतदान कार्मिक के नोडल अधिकारी जगप्रवेश ने बताया कि मतदान कार्मिकों की ड्यूटी चुनाव से कटने के लिए मेडिकल बोर्ड के स्तर से ही तय होगा। उन्होंने पीडी तेजवंत सिंह को प्रभारी नियुक्त किया है। पीडी ही छुट्टियों से संबंधित मामलों को देखेंगे। चुनाव में करीब 17500 मतदान कार्मिकों की जरूरत पड़ेगी। इसके अनुसार 18500 के करीब मतदान कार्मिक उपलब्ध हैं, जिसमें 11 हजार से ज्यादा बेसिक शिक्षा के शिक्षक हैं और कुछ माध्यमिक शिक्षा के भी हैं। मेडिकल बोर्ड में सभी बीमारी से संबंधित करीब 15 लोगों की टीम शामिल की गई है। बृहस्पतिवार की शाम से मतदान कार्मिकों को ड्यूटी बंटनी शुरू हो जाएंगी।

17वीं लोकसभा... पांच सांसदों के केवल 611 सवालों में सिमट गई बरेली मंडल की तकदीर

वरुण ने सबसे कम उपस्थिति के बाद भी पूछे सबसे ज्यादा सवाल, संतोष ने पूछे सबसे कम नौ प्रश्न

सुरेश पांडेय, बरेली

अमृत विचार : सांसदों की ओर से 17वीं लोकसभा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या के आधार पर अगर उनकी सक्रियता का आंकलन किया जाए तो धर्मेंद्र कश्यप का प्रदर्शन इस मामले में संतोष गंगवार से ज्यादा बेहतर रहा। धर्मेंद्र कश्यप की ओर से 138 सवाल पूछे गए जबकि संतोष गंगवार का यह आंकड़ा सिर्फ नौ सवालों पर आकर ठहर गया। बरेली मंडल में अगर सांसदों का यह रिपोर्ट कार्ड देखा जाए तो वरुण गांधी लोकसभा में सबसे कम उपस्थिति के बावजूद सबसे ज्यादा 206 प्रश्न पूछे।

17वीं लोकसभा में मंडल की पांचों सीटों पर भाजपा के ही सांसद रहे हैं। संसद में उपस्थिति के साथ, बहस में हिस्सा लेने और अपने क्षेत्र के विकास और समस्याओं से संबंधित प्रश्न पूछने के मामले में पांचों सांसदों का प्रदर्शन अलग-अलग रहा है। इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिसी रिसर्च स्टडीज की ओर से तैयार रिपोर्ट के अनुसार कुछ सांसदों ने अपने क्षेत्र के बजाय राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर संसद में ज्यादा सवाल पूछे तो कुछ का फोकस क्षेत्रीय मुद्दों पर रहा। लोकसभा में पूछे गए प्रश्नों को किसी भी सांसद ने अपने क्षेत्र में साझा नहीं किया।

जो मुद्दे उठाए, उन पर बात नहीं बढ़ी आगे : बरेली मंडल के सांसदों की ओर से 17वीं लोकसभा में की गईं ट्रेन के स्टॉपेज, स्टेशन पर एस्केलेटर और लिफ्ट लगाने, खेलो इंडिया सेंटर खोलने, आलू आधारित खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने जैसी मांगे पांच साल में पूरी नहीं हुई। एक सांसद की ओर से ने सेना में अपनी बिरादरी की अलग रेजिमेंट बनाने की भी मांग की गई। इसके अलावा मेंथा उद्योग को बढ़ावा देने, विश्वविद्यालय स्थापित करने, चीनी मिल, ट्रॉमा सेंटर खोलने और अपने संसदीय क्षेत्र के ऐतिहासिक स्थानों को पर्यटनस्थल के रूप में विकसित करने जैसी मांगें की भी की गईं। कुछ सांसदों ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के बजाय राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और विदेशी मामलों से संबंधित मुद्दे भी उठाए।

24 18वीं लोकसभा का चक्रव्यूह

- धर्मेंद्र कश्यप ने लिया नाममात्र की परिचर्चाओं में हिस्सा, संघमित्रा मौर्य रहीं सबसे आगे
- कुछ सांसदों ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के कम, अंतर्राष्ट्रीय मामलों पर पूछे ज्यादा प्रश्न

संतोष के साथ यह फैक्टर भी

संतोष गंगवार 17वीं लोकसभा में 30 मई 2019 से सात जुलाई 2021 तक मंत्री रहे। चूंकि मंत्री सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए वे प्रश्न पूछने वाली श्रेणी में नहीं आते हैं। एक जून 2019 से 10 फरवरी 2024 तक के उपलब्ध डेटा के अनुसार मंत्री पद से हटने के बाद संतोष ने नौ प्रश्न ही पूछे। दो साल में दूसरे सांसदों की तुलना में औसत के हिसाब से यह संख्या काफी कम है।

वरुण गांधी

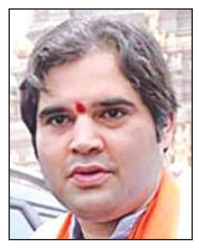

पीलीभीत के सांसद की लोकसभा में सबसे कम 79 प्रतिशत उपस्थिति रही और इस दौरान उन्होंने सिर्फ पांच परिचर्चाओं में ही हिस्सा लिया, लेकिन प्रश्न पूछने में वह सबसे आगे रहे। अपने कार्यकाल में उन्होंने 206 प्रश्न पूछे जो मंडल के बाकी सांसदों की तुलना में सबसे ज्यादा हैं।

संतोष गंगवार

बरेली के सांसद संतोष गंगवार केंद्र सरकार में करीब तीन साल तक मंत्री पद पर रहे। इसके बाद शेष दो साल में बतौर सांसद उन्होंने नौ प्रश्न पूछे और बहुराज्य सहकारी सोसायटी संशोधन विधेयक की बहस में भी सक्रिय भाग लिया। सदन में संतोष गंगवार की उपस्थिति 94 फीसदी रही।

धर्मेंद्र कश्यप

आंवला के सांसद पांच साल के कार्यकाल के दौरान कुल मिलाकर 138 प्रश्न पूछे और सदन में उनकी उपस्थिति 93 फीसदी रही है। हालांकि सदन में होने वाली चर्चाओं में भाग लेने में उन्होंने ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। पूरे कार्यकाल में सिर्फ आठ परिचर्चाओं में ही वह शामिल हुए।

अरुण सागर

शाहजहांपुर के सांसद अरुण सागर ने पांच साल के कार्यकाल में अलग-अलग मुद्दों पर लोकसभा में हुई 40 परिचर्चाओं में भाग लिया। इसके साथ अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास से संबंधित 172 प्रश्न भी पूछे। पूरे कार्यकाल के दौरान सदन में उनकी उपस्थिति 92 फीसदी रही है।

संघमित्रा

बदायूं की सांसद सदन में सबसे ज्यादा उपस्थिति के साथ सबसे ज्यादा परिचर्चाओं में भी हिस्सा लेने वाली मंडल की सांसद हैं। पूरे कार्यकाल के दौरान सदन में उनकी 98 फीसदी दर्ज है। इसके अलावा उन्होंने 57 परिचर्चाओं में भाग लिया और अपने क्षेत्र के विकास संबंधी 86 प्रश्न भी पूछे।

जनता का मंच

क्या लोग काम के बजाय वादों पर वोट देते हैं?

बरेली, अमृत विचार : वादे पूरे हों न हों, जनता के दिल में अपनी जगह बना लेते हैं। नेता चुनाव जीत जाते हैं और उन्हीं वादों को सहेजकर फिर अगले चुनाव के लिए रख लेते हैं। लोग मानते हैं कि चुनाव में नेताओं के काम पर उनकी नजर नहीं रहती। वह इतिहास के बजाय सपनों से सजे भविष्य के लिए वोट देते हैं और ये सपने अक्सर पूरे होने से रह जाते हैं। अमृत विचार से बातचीत में लोगों ने यह भी कहा कि अगर देश के नेता अपने वादे पूरे करते तो उनके लिए कोई समस्या ही नहीं रह जाती।

युवाओं को अच्छी पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति, गली-मोहल्ले में सफाई और रोजगार समेत न जाने कितने वादे हम एक के बाद एक चुनाव में सुनते आ रहे हैं लेकिन ये वादे पूरे नहीं होते, हर चुनाव में फिर दोहरा दिए जाते हैं। सरकारी सिस्टम में इन वादों की थाह तलाश करना मुश्किल है। – **अर्चना**, गुलाबनगर

हमारे इलाके में करोड़ों रुपये फूंककर विकास के नाम पर नाले के निर्माण के लिए खुदाई हुई। इस नाले का काम काफी समय से अधूरा पड़ा है। अब कोई सुनने को भी तैयार नहीं है। ऐसे ही अधिकतर वादे अधूरे ही रह गए हैं। हमारी प्राथमिकता तो काम पर ही वोट देने की है। – **लाखन सिंह**, कालीबाड़ी

वादे तो बस वादे हैं। डायल 112 और 108 का इतना प्रचार किया जाता है लेकिन कल की ही बात है, मैंने एक दुर्घटना होने के बाद फोन किया तो 112 पर घंटों तक कॉल रिसीव नहीं की गई। 108 पर भी टालमटोल कर दी गई। हर मामले में वादों की सच्चाई इससे अलग नहीं है। – **अवधेश कुमार**, आजाद नगर

गांव में मजदूरी से गुजारा नहीं है, राशन कार्ड से भी नाम कटने के बाद किसी ने नहीं सुनीं। जीवनयापन के लिए शीशगढ़ से शहर आना पड़ा। वादे तो पूरे किए जाते हैं, लेकिन हर किसी के लिए नहीं। हमारे गांव में कोई विकास नहीं हुआ। लोग चुनाव में वादे सुनकर वोट दे देते हैं। – **किशोरी देवी**, फाइक एन्क्लेव

नेताओं के काम पर ही वोट देना चाहिए। विकास का वादा तो सुभाषनगर को भी चाहिए। दस साल हो गए हैं, सुभाषनगर के लिए किए गए वादे पूरे नहीं हुए हैं। लोग दिक्कतें झेल रहे हैं लेकिन किसी को परवाह नहीं है। हो सकता है कि आने वाले समय में यहां विकास देखने को मिले। – **मनोज सक्सेना**, सुभाषनगर

राजनीतिक पार्टियां चुनाव आते ही लोगों को भ्रमित करना शुरू कर देती हैं। लोग अपनी समस्याएं भूल जाते हैं और झूठी बातों पर वोट दे देते हैं। जनता को चाहिए कि पार्टी कोई भी हो लेकिन शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसे अपने मुख्य मुद्दों पर वोट दे। वादों के चक्कर में न पड़े। – **इशान**, रामपुर बाग

जनता भोली होती है और नेता उसके भोलेपन का ही फायदा उठाते हैं। नेताओं के वादे इतने लुभावने होते हैं कि जनता यह आंकलन करना भूल जाती है कि उसने उसके लिए कोई काम किया है या नहीं। सकारात्मक बदलाव जनता भी चाहती है लेकिन चुनाव में भटक जाती है। अगर लोग बगैर पक्षपात के अपने इलाके के नेताओं को इस आधार पर परखें कि उन्होंने क्या काम किया है, तभी चुनाव में बेहतर नेता को चुना जा सकता है। – **डॉ. कुमुद**, कन्या महाविद्यालय भूड़

भाजपा: दिल्ली से नहीं आई कोई खबर, मायूसी में गुजरा एक और दिन

बरेली, बदायूं और पीलीभीत में बेचैनी बढ़ी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पार्टी सूत्रों का दावा, तय हो चुका है सबकुछ, एक-दो दिन में हो जाएगी घोषणा
- पीलीभीत में वरुण के लिए खरीदा नामांकन, अब तक सपा सबसे आगे, भाजपा पीछे

अमृत विचार : सपा की ओर से बुधवार को पीलीभीत सीट पर भगवत सरन गंगवार और बसपा की ओर से आंवला में सय्यद आबिद अली को उम्मीदवार घोषित किया गया लेकिन भाजपा की ओर से बरेली, बदायूं और पीलीभीत की सीटों पर घोषणा का इंतजार कर रहे दावेदारों के लिए यह दिन भी खाली चला गया। दो दिन से दावा किया जा रहा था कि भाजपा की तीसरी लिस्ट बुधवार को जारी होगी लेकिन बुधवार को सूचना आई कि इसमें अभी एक-दो दिन का वक्त और लग सकता है। यह भी दावा किया गया कि दिल्ली में सबकुछ तय हो चुका है।

बरेली, बदायूं और पीलीभीत समेत तीनों सीटों पर भाजपा के ही सांसद हैं। टिकट घोषित न होने का सीधा असर उनकी और उनके समर्थकों की उम्मीदों पर पड़ रहा है और बेचैनी भी बढ़ रही है। इस बीच बुधवार को पीलीभीत में नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के पहले ही दिन वरुण गांधी के लिए नामांकन पत्र खरीद लिया गया है। इसे वरुण गांधी की ओर से 2024 का भी चुनाव पीलीभीत से ही लड़ने का संकेत माना जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि अभी कोई अनुमान नहीं लगा पा रहा है कि इन तीन सीटों पर अगर कोई फेरबदल होता है तो नया चेहरा कौन होगा।

भाजपा के सूत्र यह जरूर दावा कर रहे हैं कि दिल्ली में हुई बैठक में तीनों सीटों के बारे में फैसला हो चुका है। पीलीभीत में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, इसलिए वहां जल्द से जल्द उम्मीदवार की घोषणा करने का भी दबाव है। 21 या 22 मार्च को काफी संभावना है कि पार्टी तीसरी सूची जारी कर देगी। बता दें कि सपा अब तक आंवला, बदायूं, बरेली और पीलीभीत समेत मंडल की पांच में चार और बसपा आंवला, शाहजहांपुर और पीलीभीत समेत मंडल की तीन सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। भाजपा ने सिर्फ आंवला और शाहजहांपुर में प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है।

अब जिला कोषाध्यक्ष ने दिया सपा से इस्तीफा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आंवला में बाहरी प्रत्याशी को उतारने और अनुशासनहीनता को बताया वजह
- सरकारी अफसर का मकान कब्जाने पर हुई थी रिपोर्ट, पार्टी ने नहीं दिया साथ

अमृत विचार : एक सरकारी अधिकारी का मकान कब्जाने के आरोप में पिछले दिनों चर्चा में आए सपा के जिला कोषाध्यक्ष गौरव जायसवाल ने भी बुधवार को पार्टी छोड़ने का एलान कर दिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भेजे त्यागपत्र में गौरव ने पार्टी में अनुशासनहीनता और आंवला में बाहरी प्रत्याशी को उतारे जाने को पार्टी छोड़ने का कारण बताया है।

गौरव जायसवाल ने अपने त्यागपत्र में कहा है कि पार्टी के लिए यह चुनाव महत्वपूर्ण है लेकिन आंवला में जिसे प्रत्याशी घोषित किया गया है. उसे संसदीय क्षेत्र की भौगौलिक स्थिति का ज्ञान तक नहीं है। इसके साथ पार्टी के जिला संगठन में अनुशासन भी निम्न स्तर का पहुंच गया है। हालत यह है कि छह मार्च को आंवला में कार्यकर्ता सम्मेलन में गालीगलौज और मारपीट के बाद भी किसी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। दो बार ऐसा होने के बाद भी शीर्ष नेतृत्व हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा। पार्टी में यह स्थिति उन्हें खिन्न कर रही है। वह सपा व्यापार सभा के प्रदेश सचिव और जिला कोषाध्यक्ष समेत दोनों पद छोड़ रहे हैं। बता दें कि दिसंबर 2023 में ही बिथरी चैनपुर पुलिस ने गौरव जायसवाल और उनकी पत्नी के खिलाफ इंटरनेशनल सिटी में एक सरकारी पशु चिकित्सक के मकान पर जबरन कब्जा करने, रंगदारी मांगने और लूट के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस मामले में सपा ने गौरव का साथ नहीं दिया। इससे वह नाराज थे। गौरव के जाने से कोई फर्क भी नहीं पड़ेगा क्योंकि उनका कोई जनाधार नहीं है। वैसे भी वह पार्टी से खिन्न होकर नहीं बल्कि आंवला चेयरमैन की दोस्ती में गए हैं। पार्टी कार्यक्रमों में वह पहले से शामिल नहीं होते थे।

आंवला : दो दिन पहले सपा छोड़कर आए आबिद अली बसपा के प्रत्याशी

बरेली, अमृत विचार : दो दिन पहले ही सपा छोड़कर आए नगर पालिका के चेयरमैन सय्यद आबिद अली को बसपा ने बुधवार को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। पीलीभीत और शाहजहांपुर के प्रत्याशी पहले ही घोषित किए जा चुके हैं। पार्टी पदाधिकारियों ने दावा किया है कि एक-दो दिन के अंदर बदायूं और बरेली में भी प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। बसपा की घोषणा के साथ आंवला संसदीय क्षेत्र की चुनावी तस्वीर फिलहाल स्पष्ट हो गई है। सपा ने यहां से नीरज मौर्य को उतारा है और भाजपा ने अपने सांसद धर्मेंद्र कश्यप पर ही भरोसा जताया है। आबिद अली के सपा छोड़कर बसपा में आने और उम्मीदवार घोषित कर दिए जाने का घटनाक्रम बेहद नाटकीय अंदाज में घटित हुआ। बसपा में शामिल होने से ऐन पहले तक वह सपा की चुनावी तैयारियों की बैठकों में हिस्सा ले रहे थे लेकिन अचानक उनका पार्टी से मोहभंग हो गया। अब सपा उनके आरोपों के निशाने पर आ गई है।

मॉडल बूथों पर कोविड प्रोटोकाल का कराया जाएगा पालन

बरेली : लोकसभा चुनाव में शहर के मॉडल बूथों पर कोविड प्रोटोकॉल का पालन कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें तैनात रहेंगी। इस संबंध में सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने निर्देश जारी किए हैं। सीएमओ के अनुसार मॉडल बूथों पर टीमों को इसलिए तैनात किया जाएगा, क्योंकि प्रदेश के अन्य जिलों में पिछले दिनों कोविड के नए मामले सामने आए थे। इसके अलावा शहर निवासी युवक में भी कोरोना की पुष्टि हुई थी। एहतियातन बूथों पर मास्क और हाथ सैनेटाइज कराने के लिए आशा-एएनएम की टीमें रहेंगी। इन सभी को मतदान से पहले प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

राजकीय इंटर कॉलेज में मास्टर ट्रेनरों को दिया गया प्रशिक्षण

बरेली, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के तहत राजकीय इंटर कालेज में बुधवार को मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण शुरू हुआ। इसमें कार्मिक एवं प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी जग प्रवेश ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में 120 मास्टर ट्रेनर को ईवीएम की कंट्रोल व बैलेट यूनिट को एक दूसरे से जोड़कर सिखाया गया। उन्हें बताया गया कि माक पोल कैसे किया जाता है। जग प्रवेश ने बताया कि इस प्रशिक्षण के बाद पोलिंग पार्टियों का प्रशिक्षण होगा। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त व राजस्व, संयुक्त मजिस्ट्रेट समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

पुलिस का वाहनों की चेकिंग पर जोर

बरेली, अमृत विचार : आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद पुलिस जगह-जगह वाहनों की चेकिंग कर रही है। बुधवार को सीओ फर्स्ट पंकज श्रीवास्तव ने थाना प्रभारी कोतवाली दिनेश शर्मा और 12 दरोगा की टीम के साथ वाहनों की चेकिंग की। इस दौरान कई वाहनों की तलाशी ली गई और उन पर लगे झंडे पोस्टर भी हटवाए गए। पटेल चौक, सेटेलाइट तिराहा, सौ फुटा तिराहा, डेलापीर तिराहा आदि स्थानों पर भी पुलिस टीमों ने चेकिंग की।

ईवीएम का पहले चरण का रेंडमाइजेशन हुआ

बरेली, अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में दोपहर जिला निर्वाचन अधिकारी की मौजूदगी में राजनीतिक दलों के सामने ईवीएम के प्रथम चरण का रेंडमाइजेशन किया गया। इसके बाद ईवीएम को लोकसभा क्षेत्रों के लिए आवंटित कर दिया गया। जिले में 3492 पोलिंग बूथ हैं। बूथों के सापेक्ष 37 फीसदी अधिक ईवीएम को यहां पर रखा गया। इस दौरान साफ्टवेयर की मदद से ईवीएम को लोकसभा क्षेत्रों के लिए आवंटित कर दिया गया। अब ईवीएम का दूसरे चरण का रेंडमाइजेशन होगा, इसमें संबंधित आरओ तय करेंगे कि कौन सी मशीन किस बूथ पर जाएगी। वोटिंग से ठीक पहले दूसरे चरण का रेंडमाइजेशन होगा।

इतने मस्त सोशल मीडिया में, तीन बार ट्रेनिंग देने के बाद भी कुछ नहीं सीख सके मजिस्ट्रेट

- चुनाव ट्रेनिंग के दौरान सोशल मीडिया में उलझे रहने के आरोप में रिपोर्ट

बिशारतगंज, अमृत विचार : सोशल मीडिया की लत इतनी ज्यादा निकली कि लोकसभा चुनाव में मजिस्ट्रेट का ओहदा देकर उड़नदस्ते के प्रभारी बनाए गए उप दुग्धशाला प्रभारी विवेक वर्मा तीन बार ट्रेनिंग दिए जाने के बाद भी कुछ नहीं सीख सके। इसके साथ संभवतः पहले ऐसे सरकारी अफसर बन गए जिनके खिलाफ सोशल मीडिया की लत की वजह से सरकारी काम की अनदेखी के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

डीएम के आदेश पर निर्वाचन व्यय के सहायक नोडल अधिकारी विकास खंडेलवाल की ओर से थाना बिशारतगंज में दर्ज कराई गई इस एफआईआर में कहा गया है कि लोकसभा चुनाव के लिए विवेक वर्मा को एफएसटी मजिस्ट्रेट (उड़नदस्ता प्रभारी) बनाकर बिशारतगंज क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई थी। मंगलवार को सभी मजिस्ट्रेट को संजय कम्युनिटी हॉल में ई-एसएमएस सॉफ्टवेयर के जरिए ट्रेनिंग दी गई थी, इसमें जिले के सभी अधिकारी मौजूद थे। विवेक वर्मा भी ट्रेनिंग लेने पहुंचे लेकिन लगातार अपना मोबाइल फोन चलाते रहे। उन्हें ऐसा करने से मना किया गया, लेकिन वह बाज नहीं आए।

इसका नतीजा यह हुआ कि ट्रेनिंग के बाद सॉफ्टवेयर को ऑपरेट करने के तरीके और एप पर सूचना भेजने के बारे में सवाल पूछने पर वह कुछ नहीं बता सके। उन्हें कुल मिलाकर तीन बार ट्रेनिंग दिलाई गई लेकिन उन्होंने उसे गंभीरता से नहीं लिया। ट्रेनिंग में दिलचस्पी न लेने और अपने मोबाइल पर सोशल मीडिया और व्हाट्सएप चलाने में व्यस्त रहने के कारण वह कुछ नहीं सीख सके। अब कोई शिकायत आने पर न मौके पर जाकर उसका निस्तारण कर पाते हैं और न ही एप पर रिपोर्ट अपलोड कर पाते हैं। इससे आचार संहिता के उल्लंघन पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है। निर्वाचन आयोग के आदेशों की अवहेलना और लापरवाही बरतने के आरोप में विवेक वर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

The Ano Rectal Clinic
अत्याधुनिक विधि द्वारा
गुदाद्वार में होने वाली बीमारियों का परीक्षण
Dr. Sanjay Kumar Yadav
M.S. (Ano-Rectal Surgeon)

Video Recto Scope
लेज़र विधि एवं DGHAL विधि द्वारा
बवासीर (Piles) भगन्दर (Fistula)
एवं गुदाद्वार में होने वाली
अन्य बीमारियों का उचित* इलाज

क्लीनिक का पता
एस-80, गोल चौराहा, महानगर कोतवाली के सामने, महानगर, लखनऊ
7388913338
8005423919
www.anorectalclinic.com

शिव इन्टरप्राईजेज फोम एण्ड प्लाई
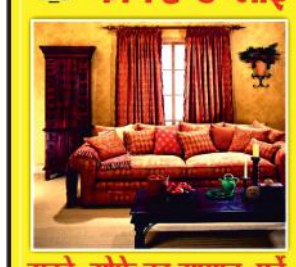
गद्दे, सोफे का सामान, पर्दे, प्लाई बोर्ड, दरवाजे, सनमाइका हार्डवेयर, फर्नीचर
सिकलापुर, बरेली
9897245877

शहर में आज

- बड़ी बमनपुरी में रामलीला का मंचन रात 8 बजे।
- महंत बाबा सागर दास की पुण्यतिथि पर दो दिवसीय संत समागम धर्मकांटा स्थित वाल्मीकि आश्रम में सुबह 11 बजे।
- श्री अग्रवाल सभा कल्याण समिति द्वारा होली फाग महोत्सव श्री कृष्ण लीला स्थल में शाम 7 बजे।
- बरेली इलेक्ट्रिकल्स कॉन्ट्रैक्टर मर्चेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा होली महोत्सव पीलीभीत बाईपास रोड स्थित गोल्डन फार्म में शाम 7:30 बजे।
- होटेरियल वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा होली मिलन समारोह पीलीभीत बाईपास रोड स्थित होटल कासा डिवाइन में शाम 6 बजे।
- श्रीजन्स क्लब द्वारा होली मिलन समारोह बरेली क्लब में दोपहर 3:30 बजे

गति शक्ति कार्यालय में गाड़ी किराये पर लगाने के बाद नहीं किया भुगतान

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर में दबंगों ने दो महीने तक कार रखने के बाद किराया नहीं दिया। जब पीड़ित ने रुपये मांगे तो कार से कुचलने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बदायूं रोड जागृतिनगर निवासी तेजपाल ने बताया कि वह कृष्णा इंटरप्राइजेज के मालिक कुलदीप सिंह तोमर की कार चलाते हैं। कमीशन एजेंट रोहित चंद्रा और योगेश ने परियोजना प्रबंधक गति शक्ति कार्यालय इज्जतनगर में 35 हजार रुपये प्रतिमाह किराये पर कार लगवाई थी। दो महीने में 70 हजार रुपये किराये और 60 हजार रुपये टोल टैक्स के हुए लेकिन आरोपियों ने 1.30 लाख रुपये नहीं दिए। मांगने पर रोहित और योगेश ने कुलदीप और उन्हें कार से कुचलने की धमकी दी है। आरोपियों ने मोबाइल भी बंद कर लिए हैं। शिकायत पर इज्जतनगर पुलिस ने योगेश व रोहित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

शहर में भीषण जाम... ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टरों को पसंद है झुमका तिराहे पर वाहन चेकिंग करना

अप्रशिक्षित सब इंस्पेक्टरों को इंस्पेक्टर का चार्ज, उन्हें अपनी तैनाती वाले इलाकों की परवाह नहीं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- यातायात निदेशालय की गाइड लाइन नजरंदाज करके दे दिया गया है चार्ज
- शहर का ट्रैफिक व्यवस्थित करने के बजाय बाहरी इलाकों में चेकिंग में है ज्यादा दिलचस्पी
- एसएसपी के आदेश के बाद भी अप्रशिक्षित सब इंस्पेक्टरों से नहीं लिया गया चार्ज

अमृत विचार : आप शहर में जाम की समस्या पर रोते रहिए लेकिन ट्रैफिक पुलिस पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ट्रैफिक पुलिस का फोकस कहां पर है, इसका अंदाजा शहर में जाम न लगने देने पर ड्यूटी पर लगाए गए उसके इंस्पेक्टरों को झुमका तिराहे पर वाहनों की चेकिंग करते देखकर आसानी से लगाया जा सकता है। एसपी ट्रैफिक भी उनके काम से इतने खुश हैं कि निदेशालय की गाइड लाइन की अनदेखी कर अप्रशिक्षित होने के बावजूद दोनों को इंस्पेक्टर का चार्ज दे रखा है।

होली आने से पहले शहर की प्रमुख सड़कें, चौराहे और बाजार भीषण जाम से जूझ रहे हैं लेकिन ट्रैफिक पुलिस के जवान गाहे-बगाहे ही इन इलाकों में दिखते हैं। सबसे बड़ी मुसीबत 110 करोड़ से बना कुतुबखाना पुल बन गया है, जिसके दोनों सिरों के साथ आसपास के इलाकों में भी लोगों को जाम से जूझना पड़ रहा है। जाम से मुक्ति के लिए पिछले दिनों ट्रैफिक पुलिस की ओर से कुछ प्रयोग किए गए लेकिन उनका नतीजा कुछ नहीं निकला। बुधवार को भी कुतुबखाना पुल के आसपास कई बार जाम की स्थिति बनी और उसमें खरीदारी करने आए लोग फंस गए।

इसके बावजूद ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टरों के साथ तमाम सिपाही भी शहर के बाहरी इलाकों में वाहनों की चेकिंग में जुटे हुए हैं। हेड कांस्टेबल से प्रमोट हुए टीएसआई नंद किशोर की ड्यूटी डेलापीर और बालेंदर की ड्यूटी सेटेलाइट चौराहे पर है लेकिन दोनों की मौजूदगी झुमका तिराहे पर रहती है। दोनों की निदेशालय से नियुक्ति नहीं है, फिर भी उन्हें ट्रैफिक इंस्पेक्टर का चार्ज दे दिया गया है। पिछले दिनों एसएसपी ने एसपी ट्रैफिक को वरिष्ठता और निदेशालय के निर्देशों के अनुसार ही इंस्पेक्टर का चार्ज देने को कहा था लेकिन इसके बावजूद कोई बदलाव नहीं हुआ। एसपी ट्रैफिक शिवराज का कहना है कि उनके पास जो टीएसआई उपलब्ध हैं, उन्हीं से काम चलाया जा रहा है। निदेशालय से इंस्पेक्टर की नियुक्ति होगी तो उसे चार्ज दे दिया जाएगा।

बुधवार को भी कुतुबखाना पुल पर ट्रैफिक अस्तव्यस्त रहा, इस वजह से नावल्टी चौराहे पर भीषण जाम लगा रहा। ● अमृत विचार

नगर निगम को भी सड़कों पर कब्जों की कोई परवाह नहीं

बरेली, अमृत विचार : शहर में जाम की समस्या खत्म करने के लिए नए-नए उपाय तो ढूंढे जा रहे हैं लेकिन बाजारों में अतिक्रमण को नजरंदाज किया जा रहा है। कुतुबखाना, कोहाड़पीर, नावल्टी चौराहा, बानखाना रोड, जिला अस्पताल रोड जैसी तंग सड़कों पर भीषण अतिक्रमण है। इसी वजह से यहां जाम लगता है। लाखों लोग इसकी वजह से रोज दिक्कत झेलते हैं लेकिन नगर निगम अवैध कब्जे हटाने को तैयार नहीं है।

कुतुबखाना पुल बनने के दौरान जब सड़क चौड़ी होने लगी तो उम्मीद थी कि कोतवाली से कोहाड़पीर तक जाम से राहत मिलेगी लेकिन इसके बाद हालात और ज्यादा बिगड़ गए हैं। फुटपाथ से पुल के बीचोबीच फड़ और ठेलों वालों के कब्जे हर समय जाम की वजह बने रहते हैं। होली की खरीदारी के लिए पहुंच रहे लोगों के वाहनों के बेतरतीब खड़े होने से भी जाम लग रहा है। दुकानदारों का कहना है कि त्योहार के दौरान बाजार में कारों और ई-रिक्शा के आने पर रोक लगनी चाहिए वर्ना समस्या और बढ़ जाएगी।

जिला अस्पताल रोड पर एंबुलेंस निकलना तक मुश्किल

जिला अस्पताल रोड पर शायद ही कोई दिन ऐसा होता हो जिस दिन कोई एंबुलेंस न फंसती हो। इसका मुख्य कारण फुटपाथ पर फड़ वालों का कब्जा कर लिया जाना है। व्यापारियों से नोकझोंक होने पर पुलिस और नगर निगम की टीम कई बार फड़ वालों को खदेड़ चुकी है, लेकिन हर बार वे जहां के तहां आकर जम जाते हैं। व्यापारियों का आरोप है कि पुलिस वालों की शह पर फड़ वालों ने फुटपाथ पर कब्जा कर रखा है।

दावा था तीन मिनट का, अब लग रहा है आधा घंटा

अफसर दावा कर रहे थे कुतुबखाना पुल बनने के बाद वाहन तीन मिनट में नावल्टी चौराहे से कोहाड़ापीर पहुंच जाएंगे मगर इस दावे की अब धज्जियां उड़ गईहैं। सुबह 10 बजे से देर शाम तक कोतवाली से जाने और कोहाड़ापीर से आने के दौरान लोगों को अक्सर जाम में जूझना पड़ता है। यहां तक कई बार नावल्टी पर जाम लगने की वजह से आधा घंटा लग जाता है। यहां नहीं कई बार तो जिला पंचायत की तरफ से आने वाले पुल की तरफ न आकर घंटाघर चौराहे होते हुए कोहाड़ापीर निकल जाते हैं। उनको पहुंचने में आधा से पौन घंटे तक का समय लगता है।

पार्किंग की कमी भी सबसे बड़ी समस्या

मुख्य बाजारों में पार्किंग न होने से भी स्थिति खराब हो रही है। सबसे अधिक परेशानी त्योहार के सीजन में होती है। दुकानों के आगे ग्राहक अपने दोपहिया वाहन खड़ा कर सामान लेने के निकल जाते हैं। कई बार तो दुकानदारों की इस बात को लेकर कहासुनी तक हो जाती है। दुकानदार कहते हैं कि ग्राहक दोपहिया वाहन से खरीदारी करने आते हैं। यह ठीक है, लेकिन भीड़-भाड़ वाले बाजार में ई- रिक्शा पर कोई पाबंदी नहीं हैं। इस वजह से आए दिन जाम लगा रहता है।

जगतपुर और सिविल लाइंस में घंटों बिजली रही गुल

बरेली, अमृत विचार : बिजली कटौती का यही हाल रहा तो गर्मी में लोगों को अधिक परेशानी उठानी पड़ सकती है। बुधवार को भी सिविल लाइंस, जगतपुर और आवास विकास क्षेत्र में केबल बदलने की वजह से बिजली कटौती की गई। इसकी वजह से करीब 20 हजार घरों में दिक्कत हुई।

- मरम्मत कार्य के नाम पर रोज बिजली कटौती से लोग हो रहे परेशान

रामपुर बाग उपकेंद्र के रोडवेज फीडर और नगर निगम के आसपास क्षेत्र में मरम्मत कार्य की वजह से सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक बिजली कटौती की गई। इसके अलावा आरडीएसएस योजना के तहत सिविल लाइंस उपकेंद्र प्रथम के फीडर आवास विकास पर मरम्मत कार्य की वजह से सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक सप्लाई बंद रही। इसके अलावा हरुनगला विद्युत उपकेंद्र के पवन विहार फीडर पर मरम्मत कार्य की वजह से पवन विहार, फाईक एन्क्लेव, खुशबू एन्क्लेव, संसार एन्क्लेव समेत अन्य क्षेत्रों में सुबह 11 से लेकर शाम 4 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

इसके अलावा जगतपुर उपकेंद्र के आकाशपुरम और सतीपुर फीडर पर मरम्मत कार्य और पेड़ों की छंटाई की वजह से एजाज नगर गौटिया, पानी की टंकी जगतपुर, सतीपुर, पंचशील नगर, नवादा शेखन, आजाद नगर, मां वैष्णोपुरम, आनंद विहार कॉलोनी, आकाशगंगा कॉलोनी, राज नगर, गार्डन सिटी, कटरा चांद खान, आकाश पुरम, पीलीभीत बाईपास रोड आदि क्षेत्र में सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक बिजली गुल रही। इसके अलावा नकटिया में भी दिन में कई बार बिजली कटौती हुई। इसकी वजह से पानी का भी संकट हो गया।

तीन सौ बेड अस्पताल में बॉयो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण की महीनों बाद ली सुध

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : तीन सौ बेड अस्पताल में कई महीने से बॉयो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण नहीं हो रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने मेडिकल वेस्ट उठाने वाली कंपनी से वार्ता की है। ऐसे में अब जल्द ही वेस्ट के निस्तारण की उम्मीद है।

कोरोना महामारी के दौरान शासन के आदेश पर तीन सौ बेड अस्पताल को कोविड अस्पताल बनाया गया था। इस दौरान मेडिकल कचरा उठाने वाली कंपनी से अनुबंध हुआ था। इसके बाद से तीन साल तक कचरा उठाया गया लेकिन इसके बाद अनुबंध समाप्त होने से कंपनी ने कचरा उठाना बंद कर दिया। कोराना महामारी समाप्त होने के बाद अस्पताल में करीब डेढ़ साल से ओपीडी चल रही है। इसके अलावा पैथोलॉजी लैब और सीटी स्कैन यूनिट भी संचालित हो रही है। ऐसे में यहां रोजाना तीन सौ से चार सौ मरीज इलाज के लिए आते हैं। यहां एआरवी केंद्र में भी मरीजों को वैक्सीन लगाई जाती है लेकिन बॉयो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण कई महीने से नहीं होने से परेशानी हो रही है। अमृत विचार ने इस मामले को प्रमुखता से उठाया तो सीएमओ ने संज्ञान लिया और मेडिकल वेस्ट के लिए निस्तारण के लिए कंपनी से वार्ता की।

फाग महोत्सव
महाराजा अग्रसेन पार्क में अग्रवाल सेवा समिति की ओर से आयोजित फाग महोत्सव में राधा-कृष्ण के रूप में सजे कलाकारों ने फूलों की होली खेली। ● अमृत विचार

कविता के ऑडियो प्रकरण में तीनों बीएमएम के बयान दर्ज

बरेली, अमृत विचार : बीडीओ के नाम पर वसूली के आरोप में घिरीं बीएमएम पूनम राजपूत और जांच में फंसे बीएमएम जीशान और हिमांशु के जांच अधिकारी डीसीओ यशपाल सिंह ने बयान दर्ज कर लिए हैं। इस मामले में तीनों बीएमएम ने एक तरफा जांच की बात कहते हुए आपत्ति लगाई है। डीसीओ जल्द ही जांच पूरी कर रिपोर्ट सीडीओ को सौंपेंगे।

दरअसल, स्वयं सहायता समूह से कमीशन वसूली से जुड़े ऑडियो में घिरने के बाद बीडीओ ने कविता गंगवार के खिलाफ धोखाधड़ी और गबन के आरोपों में रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। कविता ने मुख्यमंत्री से शिकायत की जिसके बाद कमिश्नर ने जांच के निर्देश दिए। सीडीओ जग प्रवेश ने डीसीओ को जांच सौंपी। करीब एक महीने चली जांच में पता चला कि कविता के खिलाफ पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर बीडीओ ने कार्रवाई थी। पूनम के वसूली से जुड़े वायरल ऑडियो को लेकर भी डीसीओ ने अपनी जांच में पुष्टि की, जबकि बीएमएम जीशान और हिमांशु पर आरोप तय हुए कि उन्होंने भी कविता की किसी महिला के नाम से फर्जी शिकायत की थी। डीसीओ ने सीडीओ को अपनी जांच रिपोर्ट भेजी तो इस पर तीनों बीएमएम ने आपत्ति लगा दी कि एक तरफा कार्रवाई की गई और उनका पक्ष नहीं सुना गया है। इसलिए पिछले दिनों डीसीओ को फिर जांच सौंपी गई। डीसीओ यशपाल सिंह का कहना है कि पिछले दिनों पूनम के कार्यालय में बयान दर्ज किए। इसके अलावा दोनों बीएमएम जीशान और हिमांशु का पक्ष जाना गया है। जल्द ही जांच रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

प्लॉट में स्थाई कनेक्शन को छोटा मामला बताने वाले अधिशासी अभियंता को सौंपी जांच

बरेली, अमृत विचार : किला में खाली प्लॉट में स्थाई कनेक्शन देने के मामले में भी लीपापोती की जा रही है। मामले को छोटा बताने वाले अधिशासी अभियंता से ही पूरे मामले की जांच रिपोर्ट मांगी गई है। ऐसे में निष्पक्ष जांच पर संदेह खड़ा हो रहा है। किला उपकेंद्र के अंतर्गत एक खाली प्लॉट में स्थाई कनेक्शन देने के मामले में अवर अभियंता और एक कर्मचारी की मिलीभगत सामने आई है। इस मामले में अधिशासी अभियंता ने कहा कि यह छोटा मामला है। इसका समाधान एसडीओ स्तर से ही कराएं। इस मामले में मुख्य अभियंता अधीक्षण अभियंता से पूरे मामले की रिपोर्ट तलब की तो उन्होंने अधिशासी अभियंता सत्येन्द्र चौहान से रिपोर्ट मांगी है। ऐसे में निष्पक्ष जांच की उम्मीद कम लग रही है। मुख्य अभियंता रणविजय सिंह ने बताया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने को कहा गया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद अगर कोई दोषी पाया गया तो कार्रवाई की जाएगी।

पिंक जोन से दुकानें हटवाने के बाद दूसरी जगह के लिए भटक रहे हैं स्ट्रीट वेंडर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बरेली कॉलेज के पूर्वी गेट पर पिंक जोन से 34 पथ विक्रेताओं को आवंटित दुकानें हटाई गईं
- नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर दुकानदारों ने समस्या के समाधान की मांग की

अमृत विचार : बरेली कॉलेज के पूर्वी गेट के पिंक वेन्डिंग जोन से दुकानें हटने से पथ विक्रेता परेशान हैं। अब पथ विक्रेता कहीं और जगह आवंटन की मांग कर रहे हैं। बुधवार को पथ विक्रेताओं ने नगर आयुक्त निधि गुप्ता वत्स को ज्ञापन देकर मांग की नगर निगम और डूडा कहीं दूसरी जगह आवंटित समस्या का समाधान करे।

दुकानदारों का कहना है कि दो साल पहले खुद दुकानें आवंटित करने के बाद भले ही नगर निगम के अफसर इन्हें अवैध बताए, लेकिन उनके रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए। शासन के आदेश पर दो साल पहले तत्कालीन नगर आयुक्त अभिषेक आनंद ने विकास भवन रोड पर बरेली कॉलेज गेट के बाहर स्ट्रीट फूड हब बनाने के लिए वेन्डिंग जोन बसाया था। यहां 34 पथ विक्रेताओं को रोजगार के लिए जगह आवंटित की गई और उन्हें आईकार्ड भी जारी किए थे।

पथ विक्रेताओं ने सामान चोरी के डर से अपनी आवंटित जगह को प्लाई और लोहे की चादर से बंद कर लिया। इसकी शिकायत मिलने पर नगर निगम ने इसे अतिक्रमण बताते हुए हटाने का आदेश दिया। इसके बाद अधिकांश पथ विक्रेता कार्रवाई के डर से दुकानें समेट चुके हैं। पथ विक्रेता जगदीश, सलीम, सलमा, जयपाल का कहना है कि दुकान से कई बार सामान चोरी होने की वजह से टीन की दुकानें बनवाई थी। अगर यह अतिक्रमण था तो वह खुद इसे हटाने को राजी थी लेकिन बुलडोजर का डर दिखाकर दुकानें खत्म करा दीं। ऐसे में रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। नगर आयुक्त से मांग की निगम और डूडा के अफसर कहीं और सशर्त उनको जगह आवंटित कराए या फिर सशर्त पिंक वेन्डिंग जोन में ही दुकानें आवंटित कर रोजगार देने की अनुमति प्रदान करें।

कोर्ट के आदेश पर केबल ऑपरेटर पर जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : केबल कनेक्शन फील्ड पर कब्जा करने का विरोध करने पर आरोपियों ने ऑपरेटर पर जानलेवा हमला कर दिया और लाखों रुपये भी हड़प लिए। कोर्ट के आदेश पर प्रेमनगर पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मॉडल टाउन निवासी मनप्रीत सिंह ने बताया कि वह डेन कंपनी केबल एवं इंटरनेट का कार्य करते हैं। वह कैंट, राजेन्द्रनगर, जनकपुरी, नैनीताल रोड गांधीनगर, डीडीपुरम और स्टेडियम रोड पर आने वाले अस्पतालों, घरों और कॉलोनियों में केबल सर्विस देते हैं। मई 2023 में पूनम शर्मा निवासी गुरुग्राम हरियाणा ने कहा कि वह और उनके साथी सर्विस देंगे। 13 मई को उनकी सर्विस के दिल्ली से सिग्नल बंद कर दिए गए। उन्होंने कंपनी के एरिया मैनेजर दीपक शर्मा से कहा कि तो उसने बदसलूकी की। शहर के सभी कनेक्शन बलविंदर कौर, कवलजीत सिंह, कुलदीप सिंह, निवासी राजेन्द्रनगर, अवतार सिंह उर्फ सोनू कालरा निवासी तिलक कॉलोनी अनमोल को दे दिए हैं। यह सब एसएन शर्मा और पूनम शर्मा के कहने पर किया है। जब वह पुलिस से शिकायत करने गए तो आरोपियों ने तमंचे और कृपाण से हमला कर दिया। पुलिस में शिकायत की लेकिन सुनवाई नहीं हुई तो उन्होंने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर प्रेमनगर पुलिस ने बलविंदर कौर, कवलजीत सिंह, कुलदीप सिंह, अवतार सिंह उर्फ सोनू कालरा, शैलेन्द्र नाथ शर्मा, पूनम व अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

15 घंटे बाद बरेली से बदायूं के लिए चलीं बसें

बरेली, अमृत विचार : बदायूं में मंगलवार रात में दो बच्चों की हत्या के बाद तनाव की स्थिति के बाद बदायूं और बरेली के बीच चलने वाली रोडवेज सेवा बंद कर दी गई थी। इससे लोगों को परेशानी हुई।

हालात सामान्य होने के बाद बुधवार की दोपहर से फिर से बसें चालू कर दी गईं। हालांकि इस दौरान बदायूं जाने वाले और आने वाले यात्रियों की संख्या काफी कम रही।

भमोरा इलाके में किसान संतोष के हत्या के आरोपी पांच पुलिसकर्मियों की 46 दिन बाद जमानत मंजूर

विधि संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: भमोरा थाना क्षेत्र में किसान संतोष की हत्या मामले में पांच पुलिसकर्मियों दरोगा टिंकू कुमार, सिपाही अंकित, दीपक, पुष्पेंद्र राणा, मनोज और एम्बुलेंस चालक विजय की जमानत अर्जी त्वरित न्यायालय ने सशर्त मंजूर कर ली। सभी आरोपियों को एक-एक लाख के निजी बंधपत्र और इतनी ही रकम के दो-दो जमानती पेश करने पर रिहा किया जाएगा।

संतोष।

वादी मुकदमा कृष्ण कुमार शर्मा ने 10 नवम्बर 2023 को थाना भमोरा में एम्बुलेंस चालक विजय, एसआई टिंकू कुमार, एसआई नेपाल सिंह, सिपाही दीपक, पुष्पेंद्र राणा, मनोज और अंकित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 8 नवम्बर 2023 की रात 9:30 बजे उनके भाई संतोष शर्मा खेत से वापस आ रहे थे। रास्ते में कुछ लोग जुआ खेल रहे थे। पुलिस चौकी सरदारनगर, थाना भमोरा के पुलिसकर्मी चाढ़पुर निवासी एम्बुलेंस चालक विजय के साथ जुआरियों को पकड़ने के लिए आये थे। इस दौरान जुआरी भाग गए लेकिन पुलिसकर्मियों ने उनके भाइयों को पकड़ लिया। जुआरियों के नाम न बताने पर दरोगा टिंकू कुमार और नेपाल सिंह ने अन्य पुलिसकर्मियों और विजय ने भाई की लात-घूंसों और राइफल की बट से पिटाई की थी। अस्पताल में इलाज के दौरान उनके भाई संतोष की मौत हो गई थी। वहीं बचाव पक्ष के अधिवक्ता भूपेंद्र भड़ाना ने तर्क दिया कि मृतक की मौत पुरानी बीमारी के कारण हुई है। सभी आरोपी तीन फरवरी से जिला कारागार में बंद हैं। सभी ने एनबीडब्ल्यू जारी होने पर सीजेएम कोर्ट में सरेंडर किया था।

बिना ऑपरेशन गुर्दे की पथरी का इलाज होम्योपैथी द्वारा
सिन्कोना होम्योपैथिक सेन्टर

डा. ब्रजेश कुमार
होम्योपैथिक फिजीशियन
बी.एच.एम.एस.
(आगरा)
सम्पर्क करें :
9058575790
8077383286
● चर्म रोग (सोराइसिस, दाद, एक्जीमा, मस्से इत्यादि)
● बच्चों का रात में बिस्तर गीला कर देना
● बालों का झड़ना, गंजापन, बालों की सफेदी
● महिलाओं की माहवारी सम्बन्धित समस्याऐं ल्यूकोरिया आदि
● बवासीर, फिशर
● मानसिक रोग (डिप्रेशन)
● चेहरे के कील, मुहांसे
● मिर्गी
● माइग्रेन (आधे सिर का दर्द)
● ब्लड प्रेशर, शुगर
● सियाटिका का दर्द
● मानसिक दुर्बलता
● मोटापा
● पेट संबंधी रोग, जिगर के रोग
● साइनस
● टॉसिल का बढ़ जाना
● थायराइड
● जोड़ों का दर्द
● गुप्त रोग
पता :
116 बी-1, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, (निकट संजय नगर पेट्रोल पम्प) बरेली
समय :
सोमवार से शनिवार
प्रातः 11 बजे से 4 बजे तक, शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक
रविवार
12 बजे से 2 बजे तक

ओम शान्ति हॉस्पिटल

डॉ. पुलकित अग्रवाल
M.B.B.S., D.L.O., D.N.B. (ENT)
(नाक, कान, गला, थायराइड व कैंसर रोग विशेषज्ञ)
रिसर्च इंस्टीट्यूट से नवीनतम टेक्नोलॉजी की विशेष ट्रेनिंग प्राप्त दूरबीन विधि द्वारा नाक, कान, गले के सभी ऑपरेशन में माहिर
● कान का बहना, कम सुनाई देना ● चक्कर आना ● सिर में दर्द ● नाक, कान, गले में चुभन या दर्द होना ● नाक बंद होना, सायनस की समस्या, नाक से खून आना, अत्याधिक छींक आना ● सोते समय खर्राटे आना ● आवाज का बैठ जाना ● मुंह न खुलना ● चेहरे पे दाग या दाने होना, आंखें व चेहरे का भारीपन होना ● खाना निगलने में दिक्कत, मुँह में छाले ● गले में गाँठें
नाक, कान व गले के ऑपरेशन जैसे:-
● कान के पर्दे में छेद ● नाक में टेढ़ी या बढ़ी हुई हड्डी ● गले में टांसिल ● मुँह में कैंसर ● गले में घेंघा या अन्य किसी तरह की गांठ ● लार ग्रंथि में पथरी से आई सूजन ● नाक अथवा जबड़े की टूटी हड्डी ● गले में मांस के कारण बैठी आवाज ● आँख में नासूर का बिना चीरे के ऑपरेशन
दूरबीन द्वारा आधुनिक विधि से कान के पर्दे का चीरा व टाँका रहित ऑपरेशन
मुंह से आंतों तक की दूरबीन विधि की आधुनिक जाँच (ENDOSCOPY CENTRE)
दिल्ली के डॉक्टरों द्वारा एलर्जी का जड़ से इलाज (Immunotherapy)

डॉ. प्रियांशी अग्रवाल
BDS, FDIP, MIDA
(दन्त रोग विशेषज्ञ व इम्प्लांटोलॉजिस्ट)
उपलब्ध सुविधायें
● दाँतों का डिजिटल X-Ray ● दाँतों की नस का इलाज (RCT) ● अत्याधुनिक मशीनों द्वारा दाँतों की सफाई (Ultrasonic Scaling) ● दाँतों के कलर की फिलिंग व चाँदी भरना ● फिक्स दाँत (Bridges) ● बत्तीसी बनाना (Complete Denture) ● बिना दर्द के दाँत निकालना ● लेजर द्वारा दाँत के कलर का मसाला भरना (Composite Filing) ● हड्डी में फिक्स दाँत लगाना (Dental Implant) ● टेढ़े-मंढ़े दाँतों का इलाज (Orthodontic Treatment) ● बच्चों के दाँतों की सभी बीमारियों का इलाज
विभाग :- ● नाक, कान, गला रोग ● दन्त रोग ● हड्डी व जोड़ रोग ● चर्म रोग ● जनरल फिजीशियन
24 घण्टे भर्ती एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध
ओम शान्ति हॉस्पिटल
निकट बरेली कॉलेज मेन गेट, काली बाड़ी, बरेली
7500692860

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 7464943582

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. रजनीकांत साहू
MBBS, MS, MCh. (SGPGI, Lucknow)
Ex-Consultant-MAX Hospital, Delhi
वरिष्ठ न्यूरो सर्जन
मो. 7417389433
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सेन्टर
पता:- सी 427 डिवाइन हॉस्पिटल के सामने, के.के. हॉस्पिटल रोड, राजेन्द्रनगर, बरेली
मिलने का समय प्रातः 10 से 12, सायं 6 से 8
7017678157
सुविधायें:- सिर की चोट का इलाज व ऑपरेशन, ब्रेन ट्यूमर, दिमागी गांठ तथा ब्रेन हैमरेज का ऑपरेशन, गर्दन व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिप डिस्क, स्पाइनल ट्यूमर का इलाज व ऑपरेशन, सिर दर्द व मिर्गी के दौरे का इलाज।

डा. सतेन्द्र शर्मा
M.D. (Ayu.)
बवासीर, भगन्दर रोग विशेषज्ञ
क्या आपकी हर सुबह परेशानी लेकर आती है
जैसे : शौच के समय जलन, दर्द एवं खून, मल द्वार के पास से मवाद व कपड़े खराब होते रहना।
क्षार सूत्र विधि द्वारा इन सभी बीमारियों से सम्पूर्ण निदान पायें।
श्रद्धा केयर अस्पताल
मिनी बाईपास, प्रेम नर्सरी के सामने, कर्मचारी नगर, नैनीताल रोड बरेली सम्पर्क सूत्र : 9758284825, 8077550393

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
आयुष्मान योजना अन्तर्गत स्वास्थ्य लाभ मुफ्त
MIZAN E.N.T. & URO Care Centre
निकट आयरिश लॉन पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
सुबह 10.30 से 11.30 तक शाम 7 से 8 बजे तक
8394838281, 9897838286
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर
स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री मोतियाबिन्द व नाखूना के ऑपरेशन
TPA कैशलेस की सुविधा,
ECHS द्वारा मोतियाबिन्द की सुविधा
नेत्र सर्जन

डॉ. आफताब आलम
एम.बी.बी.एस., डी.ओ.एम.एस. (ए.एम.यू.)
रोहिलखंड रत्न व अचीवर अवार्ड से सम्मानित
मोतियाबिन्द के ऑपरेशन की शुरूआत
मात्र 2000/- रु. से
मिलने का समय-प्रातः 10 से 3 बजे तक, शाम : 6 से 8 बजे तक
डॉ. आफताब आई केयर मो. 9758934778
ऑर्थोडेन्ट क्लीनिक, निकट आकाश पुरम गेट, जगतपुर रोड, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
ECG + ECHO + TMT + HOLTER
हृदय रोग के लक्षण:- ◆ घबराहट ◆ छाती में दर्द या भारीपन ◆ सांस फूलना ◆ पैरों में सूजन ◆ हाई ब्लडप्रेशर ◆ हाई कोलेस्ट्रोल ◆ डाइबिटीज (शुगर) ◆ सीने या पेट में जलन या दर्द ◆ हार्ट अटैक ◆ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. गयास अहमद
MBBS, DCH, DNB (Paediatric) NEW DELHI
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
भू.पू. चिकित्सक सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली
NEW BORN AND CHILD CARE CLINIC
1. मुंशी नगर गेट, डेलापीर मण्डी, पीलीभीत रोड, बरेली
समय – प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक, शाम 4 बजे से 8 बजे तक
सुविधायें :- ♦ वेन्टीलेटर/BIPAP/CPAP युक्त NICU/PICU की सुविधा, ♦ प्रीमेच्योर बच्चों के लिए सफेक्टेन्ट एवं विशेष देखभाल की सुविधा, ♦ नवजात निमोनिया व जन्मजात दौरे पड़ने का इलाज, ♦ पीलिया का इलाज, ♦ दिमागी बुखार, ♦ मलेरिया, डेंगू, टायफाइड का इलाज
HELP LINE - 7017920279, 8920198518

प्राइम हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर
नरियावल बाजार के सामने, बिथरीचैनपुर रोड, नरियावल, बरेली
● मेडिसिन विभाग ● सर्जरी विभाग ● स्त्री एवं प्रसूति विभाग ● मानसिक रोग विभाग ● हड्डी रोग विभाग ● न्यूरो विभाग ● बाल रोग विभाग
आयुष्मान योजना के तहत फ्री ऑपरेशन व इलाज
24 घण्टे इमरजेन्सी सुविधा उपलब्ध

डॉ. मिनहाज अली खान एम.डी.
7302532226, 9758044442

डा० आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS DNB MINAMS
CATARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
Trust your eyes with us
भूतपूर्व चिकित्सक-
शहीद भगत सिंह आई हॉस्पिटल, बरेली
TIME : 10:00 AM TO 5:00 PM
8077344353
50000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव

अब इस पते पर उपलब्ध हैं :- आँखों का अस्पताल
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, रेड टेप शोरूम के बराबर में, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

डायरिया : जिला अस्पताल में आठ घंटे के अंदर नौ बच्चे भर्ती

गर्मी शुरू होते ही बढ़ने लगा प्रकोप, कई की हालत गंभीर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : गर्मी का असर दिखने लगा है। दिन में तेज धूप की वजह से बच्चे डायरिया की चपेट में आ रहे हैं। बुधवार को जिला अस्पताल के बच्चा वार्ड में आठ घंटे में नौ बच्चे भर्ती हुए, इनमें सात में डायरिया की पुष्टि हुई है और दो बच्चे बुखार से ग्रसित मिले हैं। वहीं सोमवार देर शाम तक वार्ड में 14 बच्चे भर्ती थे, जिनमें 11 डायरिया से ग्रसित थे।

जिला अस्पताल के बच्चा वार्ड प्रभारी डॉ. करमेंद्र के अनुसार मौसम में लगातार बदलाव होने के चलते बच्चे डायरिया की चपेट में आ रहे हैं। इसलिए परिजनों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इससे बचाव के लिए पानी ज्यादा पीएं और तरल पदार्थों का सेवन ज्यादा करें। बाहर की चीजों का सेवन कम से कम करें और घर में बना हुआ ताजा भोजन ही खाएं। तेज धूप में जान से बचें और दही और लस्सी का सेवन करें।

जिला अस्पताल स्थित बच्चा वार्ड में भर्ती डायरिया से ग्रसित बच्चे।

एक अप्रैल से चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

बरेली, अमृत विचार : संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए जिले में 1 से 30 अप्रैल तक विशेष संचारी रोग अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान टीमें घर-घर दस्तक देंगी। बुधवार को विकास भवन सभागार में सीडीओ जग प्रवेश की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक में अभियान के संबंध में जरूरी निर्देश दिए गए। सीडीओ ने बताया कि इस बार तापमान रहने की वजह से वेक्टर और जल जनित रोगों के अधिक होने की संभावना है। इसके लिए अभियान के दौरान संबंधित रोगों से बचाव के लिए सार्वजनिक स्थानों पर शुद्ध पेयजल, शेल्टर होम, मौसम पूर्वानुमान का डिस्पले, हीट वेब से बचाव आदि की लोगों को जानकारी देनी होगी। सीएमओ डॉ विश्राम सिंह ने कहा कि इस बार अभियान में पहली बार डिजिटल इंटरवेंशन किया जा रहा है। दस्तक अभियान में आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बुखार, फाइलेरिया, काला जार आदि लक्षण वाले मरीजों का नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित पूरा विवरण ई-कवच पोर्टल पर अपलोड करेंगी। इसके अलावा मच्छरों के प्रजनन वाले घरों की सूची भी अपलोड करेंगी। वहीं टीमें प्रत्येक परिवार के सभी सदस्यों का हेल्थ अकाउंट बनाएंगी। बैठक में नोडल अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन, एडीएसआईसी डॉ. अलका शर्मा, जिला मलेरिया अधिकारी सत्येंद्र सिंह समस्त अधिकारी मौजूद रहे।

गेहूं रिजेक्ट करने पर रजिस्टर में दर्ज करना होगा कारण

बरेली, अमृत विचार : केंद्र प्रभारी छिटपुट कमी मिलने पर गेहूं खरीदने से मना नहीं कर सकेंगे। वह तौल से मना करेंगे तो इसका कारण भी रजिस्टर में दर्ज करना होगा। जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी कमलेश पांडेय ने इस संबंध में सभी केंद्र प्रभारियों को आदेश जारी किया है। उन्होंने बताया कि जिले में पांच एजेंसियों के 131 केंद्र बनाए गए हैं। यहां केवल ऑनलाइन पंजीकरण कराने वाले किसानों का गेहूं खरीदा जा रहा है। कहा अक्सर शिकायत रहती है कि गेहूं बेचने आने वाले किसानों को केंद्र प्रभारी नमी समेत अन्य बहाने बताकर लौटा देते हैं। किसानों से कहा जाता है कि गेहूं सरकार के मानक अनुसार नहीं है। नई व्यवस्था में केंद्र प्रभारियों को शासन से जारी गाइडलाइन के अनुसार खरीद से मना करने पर रिजेक्शन रजिस्टर में गेहूं विक्रेता का नाम, उसका पूरा पता, मोबाइल नंबर, गेहूं की मात्रा और तौल से मना करने का कारण दर्ज करना होगा। इसे ऑनलाइन भी दर्ज करना होगा। यही नहीं रिजेक्ट होने की दशा में नमूना भी केंद्र पर रखा जाएगा।

गौरैया दिवस : सभी लोग छतों पर रखें दाना-पानी

बरेली, अमृत विचार : सिविल लाइंस स्थित नौमहला मस्जिद में गौरेया दिवस पर चिड़ियों के लिए प्यालों में दाना-पानी रखा गया। इस दौरान लोगों ने अपने घरों की छतों पर भी चिड़ियों के लिए दाना पानी रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर जनसेवा टीम के अध्यक्ष पम्मी खान वारसी, हाजी साकिब रजा खां, मौलाना मुजाहिद हुसैन, अली हसन, शाने अली, कमाल मियां, अली खान, महफूज खान आदि मौजूद रहे।

स्वयं सहायता समूह ने तैयार किये गोकाष्ठ

बरेली, अमृत विचार : होली पर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए लकड़ी के बजाए गोकाष्ठ की होलिका दहन का इंतजाम किया गया है। एलन क्लब मंडी में स्वयं सहायता समूह के आरआर सेंटर में गोकाष्ठ की बिक्री की जा रही है। यह गोकाष्ठ नगर निगम की कान्हा गोशाला में तैयार कर लाए जा रहे हैं। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. आदित्य तिवारी ने बताया कि गोकाष्ठ बनाने और बिक्री का काम स्वयं सहायता समूह को दिया गया है। समूह की प्रमुख डॉ. नीतू गुप्ता ने बताया कि समूह ने अभी तक दो टन गोकाष्ट तैयार कर लिया है।

छमाही उर्स में दरगाह शराफत मियां पर उमड़े जायरीन

बरेली, अमृत विचार : दरगाह शराफत मियां पर बुधवार से छमाही उर्स कुरान ख्वानी के बाद शुरू हो गया। इसमें शामिल होने के लिए दूर-दराज से जायरीन पहुंचने शुरू हो गए हैं। शाह मौलाना शराफत अली मियां का इस साल 57 वां छमाही उर्स मनाया जा रहा है। इसके साथ ही पीरो मुरशिद मोहम्मद सकलैन मियां का पहला छमाही उर्स भी मनाया जा रहा है। बुधवार को उर्स के पहले दिन ही बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान, दिल्ली, छत्तीसगढ़ आदि से जायरीन पहुंचे। खानकाह सकलैनिया शराफतिया के सज्जादानशीन शाह मोहम्मद गाजी मियां से जायरीन मुलाकात कर रहे हैं। शाम को असर की नमाज के बाद फातिहा हुई। उसके बाद दरगाह पर सामूहिक रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया।

रंगोली प्रतियोगिता से मतदान के प्रति किया जागरूक

बरेली, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए बुधवार को खंडेलवाल कॉलेज में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें मुख्य अतिथि डीडीओ दिनेश यादव ने छात्राओं से कहा कि अपने वोट की ताकत से लोकतंत्र को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग कर देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं। इस दौरान मतदान प्रतिशत बढ़ाने की सभी को शपथ भी दिलाई गई। प्रतियोगिता में 27 टीमों ने प्रतिभाग किया। रंगोली प्रतियोगिता में हामिद, निशिकांत पहले, निहारिका, प्रतिष्ठा गंगवार दूसरे और कौशिकी, आकांक्षा तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं, प्रियंका गंगवार, श्वेता गुप्ता, आरती प्रभा, कल्पना और कशिश को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। निर्णायक मंडल में डॉ. कल्पना कटियार, प्रवक्ता फरहा हुसैन रहीं। इस दौरान नृपेंद्र प्रताप सिंह, सविता सक्सेना आदि मौजूद रहे।

सुरेंद्र शर्मा की कविताओं पर कहकहे

कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करते कवि। ● अमृत विचार

संवाददाता, सीबीगंज

- सेंट्रल यूपी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री सोसायटी ने कवि सम्मेलन आयोजित किया

अमृत विचार : होली पर सेंट्रल यूपी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री सोसायटी की ओर से एक होटल में होली समारोह में कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें कवि सुरेंद्र शर्मा, मीरा दीक्षित, व्याख्या मिश्रा, कमल सक्सेना, रोहित राकेश आदि ने अपनी कविताओं से समा बांध दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मेयर डॉ. उमेश गौतम ने की। इसमें विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ. डीसी वर्मा, डॉ. राघवेंद्र शर्मा, संजीव अग्रवाल ने विचार रखे। कार्यक्रम के आयोजन में राजेश गुप्ता, डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, विनय खंडेलवाल, केपी अग्रवाल, संजय कुमार, वरुण गुप्ता, इंजीनियर नवीन प्रसाद माथुर, आशीष सहगल, शुभ नारायण मल्होत्रा, प्रमोद खंडेलवाल, पंकज अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, डॉ. विनोद पगरानी आदि का योगदान रहा।

कंट्रोल रूम में वोटर बनने की जानकारी कर रहे लोग

बरेली, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की समस्या के समाधान के लिए कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसमें लोग फोन करके वोटर बनने समेत अन्य जानकारी ले रहे हैं। बुधवार दोपहर दो बजे बसंत बिहार निवासी महेश ने कंट्रोल रूम में पूछा कि वोटर कार्ड कितने दिन में अपडेट होगा तो उन्हें पांच दिन में अपडेट होने की जानकारी दी गई। इसके अलावा मो. इमरान ने नया वोटर कार्ड बनवाने की जानकारी मांगी तो उन्हें ऑनलाइन फार्म 6 भरने के बारे में बताया गया। इसके अलावा कई लोगों ने वोटर कार्ड में संशोधन के बारे में भी जानकारी मांगी। कंट्रोल रूम में जिम्मेदारी संभाल रहे तहसीलदार विशाल शर्मा ने बताया कि अब तक 12 लोगों ने ही फोन कर जानकारी जुटाई है। उन्होंने बताया कि अभी तक जिले के किसी भी क्षेत्र से किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं आई है।

सार-संक्षेप

सनराइज कॉलोनी से निकाली बाबा श्याम की यात्रा

बरेली, अमृत विचार : फाल्गुन एकादशी पर बुधवार को डेंटल कॉलेज रोड स्थित मां मनोकामना वैष्णो धाम मंदिर की ओर से श्याम बाबा की निशाना यात्रा निकाली गई। यात्रा की शुरुआत सनराइज कॉलोनी के हनुमान मंदिर से हुई, जिसका समापन मनोकामना मंदिर पर हुआ। इसके बाद मंदिर परिसर में एकादशी भजन कीर्तन के साथ फूलों की होली खेली गई। इस दौरान भजन गायक सौरभ अग्रवाल के भजनों पर भक्तों ने नृत्य किया। इस दौरान राजेश अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, विकास अग्रवाल, कमल प्रकाश अग्रवाल, प्रवीन अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

अग्रसेन पार्क में चिकित्सा शिविर में मरीजों का इलाज

बरेली, अमृत विचार : मैक्स अस्पताल, वैशाली की ओर से रामपुर गार्डन के अग्रसेन पार्क में बुधवार को स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमेंद्र माहेश्वरी समेत अन्य डॉक्टरों ने मरीजों को निशुल्क उपचार दिया। शिविर में 110 लोगों का परीक्षण किया गया। शिविर का उद्घाटन माहेश्वरी सभा के जिला अध्यक्ष केके माहेश्वरी ने किया। शिविर के आयोजक पार्षद राजेश अग्रवाल ने कहा कि शिविर में चेकअप कराने आए मरीजों को खाद्य पदार्थ भी दिये गये। इस मौके पर डॉ. अमित सिंह, डॉ. अरुण अबी घोषाल, जेके श्रीवास्तव, अमल दीपक भटनागर, सुरजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

हथकरघा वस्त्र प्रदर्शनी में उमड़े खरीददार

बरेली, अमृत विचार : एमबी इंटर कालेज में श्री कृष्णा आर्ट्स एंड क्राफ्ट की ओर से हस्तशिल्प और हथकरघा प्रदर्शन में बनारसी, सिल्क, कॉटन साड़ियां, हैंडीक्रॉफ्ट के आकर्षक आइटम समेत कई तरह के परिधान लोगों को लुभा रहे हैं। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शनी में खरीदारी करने पहुंचे रहे हैं। मेला संचालक योगेन्द्र सिंह ने बताया कि देश के कई प्रान्तों के प्रसिद्ध आइटम की पचास से अधिक दुकानें प्रदर्शनी में लगी हैं, जो सुबह 10 से रात 10 बजे तक खुली रहती हैं।

डोहरा रोड पर खुली नैनीताल बैंक की नई शाखा

बरेली, अमृत विचार : नैनीताल बैंक की डोहरा रोड पर नई शाखा की बुधवार को मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी निखिल मोहन ने शुरुआत की। प्रबंध निदेशक ने कहा कि बैंक ने कई योजनाओं के माध्यम से औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सरल और सस्ती दरों पर ऋण सुविधाएं प्रदान करने के लिए संकल्प लिया है। इस प्रक्रिया में भारतीय रिजर्व बैंक, बैंक के संचालक मंडल और बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध तंत्र के मार्गदर्शन में पिछले कुछ वर्षों में बैंक ने अपना नया आयाम एवं मील का पत्थर स्थापित किया है। उन्हें विश्वास है कि अनेक नए ग्राहक भी बैंक से जुड़ेंगे और बैंक व्यवसाय के नए कीर्तिमान स्थापित करने में सफल होगा। इस अवसर पर चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर डॉ. दीपक पंत, क्षेत्रीय प्रबंधक सनी मेहरा, शाखा प्रबंधक विष्णु शर्मा आदि मौजूद रहे।

स्मार्ट क्लास के लिए सीयूजीएल ने दिए 25 लाख

बरेली, अमृत विचार : आरएन टैगोर इंटर कॉलेज में स्मार्ट क्लास के विकास के लिए सीयूजीएल ने सीएसआर पहल के तहत 25 लाख रुपये का डिमांड ड्राफ्ट दिया है। सीयूजीएल बरेली के जीए हेड आलोक वर्मा ने बरेली छावनी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र कुमार को डिमांड ड्राफ्ट सौंपा।

अवंतीबाई में पर्यावरण संरक्षण पर दिया व्याख्यान

बरेली, अमृत विचार : रानी अवंतीबाई महिला महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण के तहत कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बरेली कॉलेज की डॉ. आशा रानी ने कहा कि पर्यावरण को चारों तरफ छोटे-छोटे प्रयासों से संरक्षण किया जा सकता है। घर से लेकर कार्यस्थल तक कई संसाधनों से जल को संरक्षित किया जा सकता है। कार्यक्रम के बाद सभी ने पौधरोपण किया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. मनीषा राव, डॉ. विकास, डॉ. निशा आदि मौजूद रहे।

स्मार्ट क्लास के दावों का सच... दरी पर बैठाकर बेसिक स्कूलों में कराई परीक्षा

जिले में 2482 स्कूलों में तीन लाख बच्चे, 60 प्रतिशत ही परीक्षा में हुए सम्मिलित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सरकारी स्कूलों को स्मार्ट बनाने के दावे किए जा रहे हैं लेकिन हकीकत कुछ और है। बुधवार से बेसिक स्कूलों में वार्षिक परीक्षा शुरू हुई तो कई केंद्रों पर फर्नीचर न होने से बच्चों ने दरी पर बैठकर परीक्षा दी। इसके अलावा जिन विद्यालयों में सिर्फ एक शिक्षक थे, वहां प्रश्नपत्र लेने के चक्कर में देरी से परीक्षा शुरू हो सकी। बेसिक शिक्षा विभाग के अधीन संचालित 2482 विद्यालयों में वार्षिक परीक्षा के पहले दिन सातवीं कक्षा के गणित के प्रश्न पत्र में एक सवाल मिस प्रिंट होने से परीक्षार्थी परेशान हुए।

जिले में तीन लाख से अधिक अध्ययनरत विद्यार्थियों में से सिर्फ 60 प्रतिशत ही उपस्थित रहे। इनमें 60 प्रतिशत से अधिक परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और चालीस प्रतशित अनुपस्थित रहे।

मझगवां ब्लाक के कुछ विद्यालयों में प्रश्न पत्र वितरण में देरी हुई। यहां कक्षा दो का पेपर गुम हो गया, जिससे शिक्षकों के हाथ पैर फूल गए, हालांकि कुछ देर बाद बंडल में पेपर मिल गया। कई स्कूलों में कक्ष निरीक्षकों की कमी महसूस की गई। एक कक्ष निरीक्षक को कई कक्षाओं की परीक्षा दिलानी पड़ी। देर शाम तक तमाम संकलन केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं के बंडल जमा होते रहे।

पहली पाली में सातवीं कक्षा के गणित के पेपर में प्रश्न संख्या दो के ग प्रश्न की मिस प्रिंटिंग होने से परीक्षार्थियों को परेशानी हुई। इस पर शिक्षकों ने प्रश्न छोड़कर दूसरा प्रश्न हल करने की सलाह दी। कई स्कूलों में परीक्षार्थियों की संख्या से कम पेपर मिले, जिस पर आनन-फानन में संकुल प्रभारी ने पेपरों की व्यवस्था कराई। वहीं फर्नीचर नहीं होने से परीक्षार्थियों को दरी बिछाकर परीक्षाएं संचालित की गईं। बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय सिंह ने बताया कि जिले में परीक्षाएं सकुशल संचालित की गईं। कॉपी पर लिखने की कोई जानकारी नहीं है। कई केंद्रों पर छोटी समस्याएं रहने की जानकारी मिली है। जहां भी गड़बड़ी की सूचना थी वहां खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है।

प्राथमिक विद्यालय में बनीं स्मार्ट क्लास में दरी पर बैठकर परीक्षा देते परिक्षार्थी। ● अमृत विचार

ग्रामीण क्षेत्रों में कम पड़ीं उत्तर पुस्तिकाएं

ग्रामीण क्षेत्रों में बजट नहीं मिलने पर उत्तर पुस्तिकाएं नहीं उपलब्ध हो सकीं। इसकी वजह से बच्चों ने स्वयं की कॉपियों पर परीक्षा दी। कुछ विद्यालयों में शिक्षकों ने अपने निजी वहन से उत्तर पुस्तिकाओं का वितरण कराया। दूसरी पाली में कक्षा तीन से आठ तक कला की परीक्षा में बच्चों को प्रश्न पत्र ही वितरित नहीं किया गया। इसके विकल्प के रूप में शिक्षकों की ओर से बोर्ड पर एक पेंसिल स्कैच और एक कलर पेंटिंग बनाकर परीक्षाएं संचालित की गईं।

प्राथमिक विद्यालय में कायाकल्प के तहत पुताई न होने से परीक्षार्थियों ने प्लास्टर वाले कमरे में ही बैठकर दी परीक्षाएं। ● अमृत विचार

गैर हाजिर बच्चों को लेकर संशय

शिक्षकों के अनुसार परीक्षा में गैरहाजिर बच्चों की संख्या अधिक होने से परेशानी बढ़ गई है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों के सामने गैरहाजिर बच्चों को पास करने को लेकर संशय बना हुआ है, क्योंकि जो बच्चे लगातार अनुपस्थित चल रहे हैं और वह परीक्षा में भी शामिल नहीं हैं। इस सवाल का जवाब विभागीय अधिकारियों के पास भी नहीं है।

पूर्व सैनिकों के बच्चों के शिक्षा अनुदान में बढ़ोतरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● बढ़ी अनुदान राशि को इसी सत्र से लागू किया जाएगा

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सैनिक पुनर्वास निधि के जरिए पूर्व सैनिकों के बच्चों को दी जाने वाली शैक्षिक सहायता की राशि बढ़ा दी गई है। इस संबंध में प्रदेश सरकार ने पत्र जारी कर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कार्यालय को निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के मुताबिक योजना के तहत अनुदान को 20 मार्च से ही लागू किया गया है। इसे इसी सत्र से ही शुरू किया जाएगा। जिले में वर्तमान में करीब आठ सौ से अधिक पूर्व सैनिकों के आश्रित इस योजना का लाभ ले रहे हैं।

पूर्व सैनिकों के बच्चों को कक्षा नौ से परास्नातक तक शिक्षा के लिए अनुदान दिया जाता है। पांच फरवरी को राज भवन में वार्षिक शैक्षिक सहायता योजना के तहत हुई समीक्षा बैठक में अनुदान राशि में बढ़ोतरी की गई। अब इसका आदेश जारी किया गया है। इसके तहत कक्षा नौ और दस में सहायता राशि को 6500 से बढ़ाकर नौ हजार रुपये, 11 और 12वीं में 7500 की जगह 10 हजार रुपये, स्नातक स्तर पर 85 सौ की जगह 12 हजार रुपये और पीजी स्तर पर 11 हजार की जगह 15 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा तकनीकी शिक्षा जैसे आईटीआई और अन्य प्रमाण पत्र कोर्स के लिए 13 हजार से बढ़ाकर 17500 रुपये कर दिया गया है।इसके अलावा एमबीबीएस, बीडीएस, बीएएमएस, बीटेक, एमबीए कोर्स में 30 हजार से बढ़ाकर 40 हजार रुपये अनुदान दिया जाएगा। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल राघवेंद्र सिंह राघव ने बताया कि राज्य सरकार ने पूर्व सैनिकों के हित में निर्णय लिया है। ये अनुदान इसी सत्र से लागू कर दिया गया है।

कोरोना के दौरान लिया शुल्क नहीं लौटाने पर स्कूलों को नोटिस जारी

बरेली, अमृत विचार: कोरोना काल के दौरान लिया शुल्क न लौटाने पर बुधवार को डीआईओएस ने निजी स्कूलों को नोटिस जारी किया है।

नोटिस में बताया गया है कि स्कूल कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन कर रहे हैं। विभाग में अभिभावकों की ओर से निजी स्कूलों की ओर से शुल्क का सिर्फ 15 प्रतिशत वापस करने और समायोजित करने की तमाम शिकायत आ रही हैं। ऐसी स्थिति में अगर निजी स्कूलों की ओर से शुल्क वापस और समायोजित नहीं किया गया तो संबंधित विद्यालय के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डीआईओएस देवकी सिंह ने बताया कि निजी विद्यालय जल्द शुल्क वापस करें। ऐसा नहीं करने की स्थिति में अर्थ दंड और अनापत्ति प्रमाण पत्र निरस्त करने की संस्तुति की जाएगी।

बीएड, एमएड और बीयूएमएस का भी परीक्षा कार्यक्रम बदला

बरेली, अमृत विचार : चुनाव की वजह से रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने बीएड, एमएड समेत अन्य पाठ्यक्रमों के परीक्षा कार्यक्रम भी बदल दिया है। इसके अलावा बुधवार को स्नातक वार्षिक परीक्षा के तहत तीनों पालियों में अलग-अलग विषयों के प्रश्नपत्रों की परीक्षा हुई। होली तक कम संख्या वाले विषयों की ही परीक्षा हो रही हैं। विश्वविद्यालय ने जिन भी प्रश्नपत्रों की परीक्षा में बदलाव किया है, उनकी परीक्षा सबसे बाद में होगी।

नए परीक्षा कार्यक्रम के तहत बीएड प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा 5 अप्रैल से 9 मई, बीएलएड प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष की परीक्षा 8 से 29 अप्रैल, बीपीएड की 8 अप्रैल से 4 मई, एमएड की 5 से 30 अप्रैल, बीडीएस की 5 से 15 अप्रैल, बीयूएमएस की 6 अप्रैल से 5 मई तक परीक्षा होगी। छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर नया परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं।

बीएड और एमएड के फार्म के लिए 15 सौ रुपये देना होगा विलंब शुल्क

रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने बीएड, एमएड और बीपीएड के परीक्षा फार्म भरने की तिथि बढ़ा दी है। अब छात्र 22 मार्च तक 15 सौ रुपये विलंब शुल्क के साथ फार्म भर सकेंगे। महाविद्यालयों को 23 मार्च तक भरे हुए फार्म कॉलेज में जमा करने होंगे।

अब तक करीब साढ़े चार लाख उत्तर पुस्तिकाओं की जांच

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● बुधवार को एक लाख 20 हजार 968 उत्तर पुस्तिकाओं का हुआ मूल्यांकन

अमृत विचार : यूपी बोर्ड का मूल्यांकन तेज हो गया है। अब तक साढ़े चार लाख से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जा चुका है। बुधवार को चारों केंद्रों पर एक लाख 20 हजार 968 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन हुआ। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही मूल्यांकन पूरा हो जाएगा।

बुधवार को जीआईसी में 29 हजार 800, इस्लामिया इंटर कालेज में 29 हजार 158, एसवी इंटर कालेज में 31 हजार 397 और जीजीआईसी में 30 हजार 613 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया। अब तक चार लाख 51 हजार 854 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जा चुका है। डीआईओएस देवकी सिंह ने बताया कि जल्द ही मूल्यांकन पूरा कर लिया जाएगा।

बुधवार को पहुंचे 2178 परीक्षक

बुधवार को 3111 परीक्षकों को मूल्यांकन में तैनात किया गया, इनमें 2178 मूल्यांकन केंद्रों पर पहुंचे। जीआईसी में 664 परीक्षकों में 490, इस्लामिया इंटर कालेज में 721 में 498, एसवी इंटर कालेज में 870 में 629 और जीजीआईसी में 856 में 561 परीक्षक उपस्थित रहे। डीआईओएस देवकी सिंह ने बताया कि सभी अनुपस्थित परीक्षकों को नोटिस दिया गया है।

आईवीआरआई में शुरू होगा ऑनलाइन डिप्लोमा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) जल्द ही एजुकेशन हब के रूप में विकास करेगा। इसके लिए संस्थान केन्द्रीय भैंस अनुसंधान और राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान संस्थान का सहयोग लेगा। इसके साथ ही नए सत्र से ऑनलाइन डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। ये निर्णय बुधवार को हुई शैक्षणिक परिषद की 69वीं बैठक में लिया गया। बैठक में नई शिक्षा नीति को लागू करने सहित विभिन्न प्रस्ताव रखे गए।

संस्थान के निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त ने बताया कि वर्ष 2023-24 में 368 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है और बीवीएससी-एएच की सीटों को बढ़ाया है।

आईवीआरआई में शैक्षणिक परिषद की बैठक लेते निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त।

वहीं, मानव संसाधन विकास-कौशल निर्माण के तहत 1061 प्रशिक्षणार्थियों को कई वोकेशनल और सर्टिफिकेट कोर्स का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति-2020 और यूजीसी के दिशा निर्देशों को लागू करना संस्थान की प्राथमिकता है। इसके लिए दो एकेडमिक हब बैंगलुरू और हैदराबाद में बनाए गए हैं, जहां एमवीएसी के 31 और पीएचडी के 14 छात्रों ने प्रवेश लिया है। बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व सहायक महानिदेशक डॉ. ओपी ढांडा, गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. अमरीश कुमार, कामधेनु विश्वविद्यालय दुर्ग छत्तीसगढ़ के कुलपति डॉ. आरआरवी सिंह, दुवाशु मथुरा के पूर्व डीन डॉ. पीके शुक्ला, केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. अशोक कुमार तिवारी अतिथि रहे। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक डॉ. ज्ञानेन्द्र सिंह, सम-विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पीके जैन, डॉ. एसके सिंह, डॉ. रूपसी तिवारी, सुबोध नीरज आदि मौजूद रहे।

आंवला के वृक्ष की सामूहिक रूप से पूजा करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

महिलाओं ने की आंवला एकादशी पर पूजा

बरेली, अमृत विचार : हिंदू जागरण मंच की ओर से बुधवार को आंवला एकादशी पर सामूहिक रूप से पूजा की गई। इस दौरान नीति गुप्ता ने महिलाओं के साथ आंवला वृक्ष की पूजा की। इस दौरान महिलाओं एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली महोत्सव मनाया। विमला शुक्ला ने होली के भजन सुनाए। इस दौरान गुंजन गुप्ता, पूजा शुक्ला, सुमन शुक्ला, नेहा मिश्रा, कामनी, भावना मिश्रा, अनीता गुप्ता, सरोज, पूनम गुप्ता आदि मौजूद रहे।

शिविर में 114 बच्चों को पिलाई स्वर्ण प्राशन की ड्रॉप

बरेली, अमृत विचार : एसआरएम राजकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं चिकित्सालय में बुधवार को कौमारभृत्य विभाग ने स्वर्ण प्राशन शिविर लगाया गया।

इसमें पांच से 16 साल तक के 114 बच्चों को स्वर्ण प्राशन की दवा पिलाई गयी। चिकित्सकों ने बताया कि स्वर्ण प्राशन से बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और बुद्धि व स्मरणशक्ति तेज रहती है। कार्यक्रम में डॉ. देवकी नंदन ,प्रो. प्रीति शर्मा, डॉ. नितिन और अन्य उपस्थित रहे।

ब्रह्मपुरी में रामलीला में सीता जन्म का मंचन किया

बरेली, अमृत विचार : ब्रह्मपुरी में श्रीरामलीला सभा की ओर से आयोजित रामलीला में बुधवार को मां सीता जन्म का मंचन किया गया। इसके अलावा राम-लक्ष्मण की दी गुरु मुनेश्वर दास ने सीता जन्म का वर्णन काव्य रूप में किया। अध्यक्ष सर्वेश रस्तोगी ने बताया कि रामलीला में सीता जन्म पर फूलों की होली खेली गई। विशाल मेहरोत्रा ने बताया कि गुरुवार को ताड़का वध की कथा का मंचन किया जाएगा।

बाबा सागर दास की पुण्य तिथि पर समागम आज से

बरेली, अमृत विचार : वाल्मीकि समाज के धर्मगुरु महंत बाबा सागर दास की पुण्यतिथि पर गुरुवार से दो दिवसीय संत समागम शुरू होगा। इसमें वाल्मीकि तीर्थ पीठाधीश्वर उज्जैन के उमेश नाथ (सांसद राज्यसभा) मुख्य अतिथि रहेंगे। अखिल भारतीय वाल्मीकि साधु समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी किशन दास (कुरुक्षेत्र) साधु संतों का परिचय कराएंगे। शुक्रवार को स्वामी किशन दास के नेतृत्व में ध्वजारोहण किया जाएगा। सेवादार बलबीर सिंह सोंधी संतों को सम्मानित करेंगे। वाल्मीकि आश्रम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज थपलियाल, सचिव योगेश कुमार, उपाध्यक्ष दिनेश सत्संगी, स्वामी बनवारी दास, उदासी पंथ के स्वामी शंकर दास, धनी दास, नत्थू लाल सहगल, मुन्ना लाल, महेश चंद्र, संजीव आदि ने बरेली की सभी संगत से कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया।

बचपन में अंगूठा चूसने और नाखून चबाने पर नहीं दिया ध्यान तो हो सकते हैं टेढ़े-मेढ़े दांत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज में ओरल हेल्थ माह के तहत बच्चों के मुख स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज की ओर से ओरल हेल्थ माह के तहत बच्चों के मुख स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है। प्रधानाचार्य प्रो. सत्यजीत ने बताया कि बच्चों की कुछ आदतें जैसे बार-बार मुंह में हाथ डालना, अंगूठा या उंगली चूसना, नाखून चबाना, जीभ को जोर से दबाना, मुंह से सांस लेना बच्चों के विकासात्मक स्तर यानी बचपन में पाई जाती हैं, लेकिन इस बात का एहसास न तो मां-बाप को होता है और न ही बच्चे इस बारे में कुछ समझते हैं। दांत खूबसूरती की निशानी होती है और हमारे व्यक्तित्व को निखारती है इससे मुस्कान भी काफी खूबसूरत लगती है और अगर बचपन में ही इन बातों में ध्यान नहीं दिया जाए तो बच्चों के दांत टेढ़े-मेढ़े हो जाते हैं।

लंबे समय तक बच्चों को बोतल से दूध पिलाना भी दांत के आकार को परिवर्तित कर सकता है। लंबे समय तक अंगूठा चूसने से बच्चों के जबड़े में परिवर्तन आ जाता है और इससे भविष्य में उसको दांत से संबंधित समस्या होती हैं।

यह उपाय करें

बच्चों के टेढ़े-मेढ़े दांत निकलने से बचने के लिए उन्हें अंगूठा या उंगली चूसने से रोकना चाहिए। इसके अलावा उनको दिन में काम से कम दो बार ब्रश करने की आदत डालनी चाहिए। परिजन ध्यान रखें कि बच्चा लंबे समय तक बोतल से दूध न पिये और मन में कोई भी संदेह हो तो तुरंत दंत चिकित्सक से राय लेनी चाहिए।

फाग महोत्सव : राधा-कृष्ण के स्वरूपों के संग खेली होली

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : अग्रवाल सेवा समिति की ओर से महाराजा अग्रसेन पार्क में बुधवार को होली उत्सव के तहत फाग महोत्सव आयोजित किया गया। महोत्सव की शुरुआत सांसद संतोष गंगवार, वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल और पीलीभीत नगर पालिका अध्यक्ष आस्था अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलन कर की।

संस्था अध्यक्ष अशोक गोयल ने बताया कि फाग महोत्सव में अग्र बंधुओं ने हिस्सा लिया। महामंत्री राजीव बूबना ने बताया कि इसमें दिल्ली की हरि सूद की नाट्य मंडली ने राधा कृष्ण की होली उत्सव का मंचन किया। इसमें राधा कृष्ण स्वरूपों ने फूलों की होली खेली। महोत्सव में लोगों को लोकसभा चुनाव में मतदान के प्रति जागरूक किया गया। मीडिया प्रभारी राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि लकी ड्रा प्रतियोगिता भी हुई। इस दौरान कोषाध्यक्ष संजय गर्ग, संजीव अग्रवाल संजू, रिशुल अग्रवाल, सुदेश अग्रवाल, मुकुल अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, अंजय अग्रवाल, नीलेश अग्रवाल पार्षद, प्रांजल गर्ग, पार्षद राजेश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, प्रमोद मित्तल, राजेश जोली, दिनेश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

महाराजा अग्रसेन पार्क में आयोजित फाग महोत्सव में राधा-कृष्ण के स्वरूपों के साथ महिलाओं ने खेली होली। ● अमृत विचार

सैक्स रोगी मिलें

सैक्स रोगों का एकमात्र स्थायी समाधान

डॉ. रफीक

समय-रोजाना प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक (रविवार अवकाश)

बड़ी बिहार, निकट डेलापीर मण्डी, बरेली। मो. 9319929913

नामर्दों Impotance, नसों की कमजोरी, संभोग से घबराहट, उत्तेजना की कमी, स्त्रियों में सैक्स की इच्छा न होना, मानसिक तनाव आदि के लिए निःसंकोच मिलें।

ताकत, जोश, रुकावट और वैवाहिक जीवन का आनन्द उठाएं।

- शीघ्र पतन (Premature Ejaculation)
- धात रोग (Spermatorrhoea)
- स्वप्न दोष (Night Fall)
- वीर्य का पतलापन बगैरा का इलाज विशेष प्रकार की भस्मों, माजून, तिलों द्वारा किया जाता है।
- निल शुक्राणु (Azoospermia)
- शुक्राणुओं की कमी (Oligospermia)
- बांझपन (Sterility)
- सफेद पानी (Leucorrhoea)
- पेट में दर्द (Pelvic Pain)
- बार-बार गर्भपात होना

35 वर्षों का अनुभवी आयुर्वेदिका, यूनानी इलाज कराएं, जीवन में खुशियां लाएं।

ALA Herbal

ताकत, जोश, रुकावट का स्थायी समाधान

कैप्सूल मैनसूल (काम्बो पैक)

धात, शीघ्रपतन, नपुंसकता के सम्पूर्ण समाधान के लिए इस पैक में तीन प्रकार के कैप्सूल है। तीनों तरह के एक-एक कैप्सूल दूध के साथ खाने से हर प्रकार की कमजोरी ठीक हो जाती है। यह शुक्राणुओं की कमी को दूर करता है। इम्युनिटी पावर को बढ़ाता है। Streess, Depression में लाभ करता है।

यह पूर्णतयः हर्बल है, इसका कोई साइड इफैक्ट नहीं है

Flipkart, Amazon पर उपलब्ध है।

Helpline No. 8439818102 7451039913

स्टॉकिस्ट आरोग्य सदन बरेली 9837007202

एसएसपी कार्यालय में सोते पुलिसकर्मी का वीडियो वायरल

बरेली, अमृत विचार : एसएसपी कार्यालय में स्थित एसपी दक्षिणी के कार्यालय के सामने स्थित पार्क में एक मुख्य आरक्षी कुर्सी पर सो रहा था। पूछने पर दूसरे सिपाही ने बताया कि लगातार ड्यूटी के कारण पुलिस कर्मियों को दिक्कत हो रही है। वहीं नींद भी पूरी नहीं हो पा रही है। यही वजह है कि इन्हें नींद आ गई होगी।

अब घर बैठे आपके जीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान

फ्री सलाह

अभी फोन करें :

GURU AADIL JI 9717810465

1% विश्वास आप करें 99% विश्वास हम बनाएंगे

स्पेशलिस्ट – प्रेम विवाह, पति–पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

किराएदार ने मकान मालकिन से की छेड़छाड़

बरेली, अमृत विचार : प्रेमनगर थाना क्षेत्र में किराएदार ने मकान मालिक की पत्नी और बेटी से छेड़छाड़ की। पीड़ित ने बुधवार को एसएसपी कार्यालय में शिकायत की है। युवक ने बताया कि उन्होंने मकान में एक किराएदार रखा था। आरोप है कि मंगलवार को किराएदार ने उनकी पत्नी और बेटी के साथ छेड़छाड़ और मारपीट की। उसने विरोध पर जान से मारने की धमकी दी।

गुप्त रोगी मिलें

डा. मौर्य

जोश मर्दाना, कमजोरी, ताकत, शुक्राणु की कमी, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन

बरेली कृष्णा नगर मो. 7534002651

डॉ. अमन रस्तोगी

BAMS, MD Consultant Physician

- शुगर से पूर्णतः निजात एवं परहेज से निजात
- पाइल्स का सम्पूर्ण आयुर्वेद द्वारा उपलब्ध है।
- पथरी एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
- घुटने एवं गठिया का पूर्ण उपचार।
- सफेद दाग का गारंटिड इलाज।
- पित्त की थैली एवं किडनी की पथरी का बिना आपरेशन द्वारा इलाज।

लाईफ लाइन क्लीनिक

कर्मचारी नगर, गांधीपुरम, भारत गैस गोदाम के सामने, बरेली मो. 6398965384

जड़ से इलाज तुरन्त आराम

नाइस चिकित्सालय

बच्चेदानी में गांठ, रसौली, फाइब्राइड, ब्रेस्ट में गांठ का इलाज मात्र 40 दिनों में

जोड़ों में दर्द, जोड़ ज्वाइन्ट का जाम होना, कमर दर्द, सर्वाइकल, साइटिका का जड़ से इलाज मात्र 10 मिनट में आराम पायें

इलैक्ट्रो होम्योपैथी द्वारा जड़ से इलाज किया जाता है।

परामर्श निःशुल्क

डायबिटीज पित्त की पथरी गुर्दे की पथरी को जड़ से खत्म किया जाता है।

मिलने का समय : सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक

पीलीभीत बाईपास डोहरा रोड जे.पी. नगर कॉलोनी निकट चंद्रपुर गांव बरेली।

डॉ. प्रवीन कुमार (BEMS, MD.EH)

सम्पर्क करें : 8630450312, 8979543136

नशे में धुत होने के बाद गोली मारकर कर ली आत्महत्या

पत्नी के छोड़ जाने और बच्चे की मौत से परेशान था कारपेंटर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र के जोगीनवादा में कारपेंटर ने कनपटी में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। युवक लंबे समय से पत्नी के छोड़कर जाने और बच्चे की मौत से अवसाद में था। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

लक्ष्मी नारायण (30) के पिता नत्थू लाल की काफी पहले मौत हो चुकी है। उसके दो भाई हरिशंकर और प्रेमपाल साथ रहते हैं और वह अकेले रहता था। हरिशंकर ने पुलिस को बताया कि मां नत्थो देवी और उनकी पत्नी छत पर पापड़ बना रही थीं। बुधवार शाम चार बजे के करीब लक्ष्मी ने पहले शराब पी और फिर खुद की कनपटी पर गोली मार ली। फायरिंग की आवाज सुनते ही परिवार के लोग कमरे में पहुंचे तो वह खून से लथपथ जमीन पर पड़ा था और पास में तमंचा भी पड़ा था। सूचना पर सीओ प्रथम अनिता चौहान और थाना प्रभारी अमित पांडे पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे।

थाना प्रभारी अमित पांडे ने बताया कि लक्ष्मी नारायण 10 साल पहले बंगाल से एक युवती को लाकर उससे शादी की थी। उससे उसे एक बच्चा भी हुआ था, रोजाना शराब पीने और घरेलू क्लेश के चलते पत्नी छोड़कर चली गई थी। इसकी वजह से वह अवसाद में रहता था। थोड़े दिन बाद बच्चे की भी मौत हो गई थी। परिजनों ने मामले में कोई तहरीर नहीं दी है।

आत्महत्या के बाद मौके पर जांच करती पुलिस। ● अमृत विचार

शराब के पैसे मांगने पर सेल्समैन पर चला दी गोली

बरेली, अमृत विचार : बारादरी में शराब के पैसे मांगने पर शाहजहांपुर के किसान ने सेल्समैन पर पिस्तौल से फायर कर दिया। गनीमत रही कि कारतूस मिस हो गया। आरोपी ने पुलिस से भी बदसलूकी की। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से पिस्तौल, पांच जिंदा कारतूस और एक मिस कारतूस बरामद किया है।

बानखाना, किला निवासी विष्णु मौर्या ने बताया कि वह जगतपुर मोड़ पर देसी शराब की दुकान पर काम करते हैं। मंगलवार रात करीब आठ बजे वह शराब बेच रहे थे। इसी दौरान बंडा, शाहजहांपुर निवासी अवतार सिंह ठेके पर आया और दो क्वार्टर लिए। पैसे मांगने पर अवतार भड़क गया और गालीगलौज की। जब उन्होंने विरोध किया तो उसने पिस्तौल से फायर किया लेकिन मिस हो गया। इस दौरान भगदड़ मच गई।

लेनदेन के विवाद में वार्ड ब्वॉय को मारी थी गोली

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बारादरी में डेढ़ लाख रुपयों के लेनदेन में युवक को गोली मारी गई थी। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया है लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

हाफिजगंज के काशी धर्मपुर गांव निवासी विकास शर्मा मीरा की पैठ स्थित एक दंत चिकित्सक के यहां वार्ड ब्वॉय हैं। जानकारी के मुताबिक विकास शर्मा ने कटरा चांद खां निवासी शीबू गुप्ता से 1.58 लाख रुपये किसी व्यक्ति को उधार दिलाए थे और वादा किया था कि पांच दिन में वापस कर देंगे। 19 मार्च को रुपये देने का वादा करते हुए विकास ने चेक दिया था, लेकिन विकास ने बैंक में चेक लगाने से मना कर दिया। इसी बात पर विकास शर्मा और शीबू के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद विकास शर्मा को लेकर शीबू और विकास मौर्या चौधरी के खेत में पहुंचे और वहीं पर गोली मार दी। गोली लगने के बाद विकास शर्मा भागता हुआ विजय पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा और गिर गया। पुलिस ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया जाता है कि आरोपी शीबू ने कटरा चांद खां निवासी एक युवक से 10 हजार रुपये में ढाई वर्ष पहले तमंचा और कारतूस लिया था। पुलिस तमंचा बेचने वाले की भी तलाश कर रही है।

> अभी कोई आरोपी गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस तलाश कर रही है। लेनदेन में गोली मारने की बात सामने आई है। पुलिस आरोपियों को तलाश कर रही है। –**अमित कुमार पांडेय**, इंस्पेक्टर बारादरी

महिला अधिवक्ता का लुटेरों ने मोबाइल छीना

बरेली, अमृत विचार : किला में कटघर के पास मंगलवार सुबह दो बदमाशों ने पैदल जा रहीं अधिवक्ता का मोबाइल छीन लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने धक्का दे दिया। किला पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हुसैन बाग निवासी अधिवक्ता शबाना परवीन ने बताया कि वह मंगलवार सुबह 10 .30 बजे कचहरी जा रहीं थी। कटघर क्रॉसिंग के पास दो युवक आए और मोबाइल छीन लिया। दूसरे युवक ने पर्स छीनने की कोशिश की, जब उन्होंने विरोध किया तो बदमाश ने धक्का दे दिय, जिससे वह गिरकर घायल हो गईं।

प्लॉट बेचने के बाद नहीं करने दिया कब्जा

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर थाना में नवादा जोगिनयान निवासी हसरत अली ने प्लॉट पर कब्जा न करने देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। हसरत अली के मुताबिक साल 2015 में उन्होंने इज्जतनगर के कलारी गांव निवासी जाकिर अली से दो सौ वर्ग गज का प्लॉट चार लाख रुपये में खरीदा था।

सार-संक्षेप

दिव्यांग समेत तीन पर बंधक बनाकर दुष्कर्म का आरोप

फरीदपुर, अमृत विचार : फरीदपुर क्षेत्र में रहने वाली नवविवाहिता ने अपने सास समेत चार लोगों के खिलाफ तीन दिन से घर में बंधक बनाकर दुष्कर्म कराने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उसका मायका बिहार में है। उसकी शादी छह महीने पहले थाना फरीदपुर के एक गांव में हुई है। उसके पति हरियाणा में रहकर मजदूरी करते हैं। वह अपनी सास के साथ गांव में रहती है। महिला का आरोप है उसकी सास ने एक दिव्यांग समेत तीन लोगों के साथ तीन दिन तक बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म कराया। किसी तरह वह चुंगल से छूटकर कोतवाली पहुंची और जान का खतरा बताते हुए शिकायत की। प्रभारी निरीक्षक रामसेवक ने बताया कि महिला का आरोप गलत है, जिस पर आरोप लगा रही है उसको रास्ता भी चलना मुश्किल है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

कार में तमंचे के साथ दो युवकों का वीडियो वायरल

बरेली, अमृत विचार : म्हारी बात मान ले छोरी गाने पर दो युवकों का कार में तमंचे के साथ वीडियो वायरल हो रहा है। एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने एक्स पर पोस्ट के बाद इज्जतनगर थाना पुलिस को कार्रवाई का आदेश दिया है। 24 सेकेंड के वीडियो में कार में एक युवक दूसरे के सिर पर बार-बार तमंचा लगा रहा है। जबकि दूसरा युवक कैमरे के सामने तमंचा दिखा रहा है। एक्स पर पोस्ट कर शिकायत करने वाले ने इसे परतापुर का बताया है। उसने वीडियो बनाने वाले का नाम भी बताया है। थाना प्रभारी जयशंकर सिंह ने बताया कि वीडियो की जांच कर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

आरटीओ के बाबू और प्राइवेट कर्मी को जमानत नहीं

विधि संवाददाता, बरेली : आरसी जारी करने के बदले में ट्रैक्टर मालिक से 20 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोपी आरटीओ अमरोहा के बाबू अमिया कुमार उर्फ अभय कुमार और प्राइवेट व्यक्ति शाने अली उर्फ शाने की जमानत अर्जी स्पेशल जज एंटी करप्शन कोर्ट प्रण विजय सिंह ने खारिज कर दी। सरकारी वकील अवधेश कुमार शर्मा ने बताया कि शिकायतकर्ता राजेन्द्र सिंह ने प्रभारी निरीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुरादाबाद को तहरीर देकर बताया था कि उसने पुत्र ग्रिपेन्द्र सिंह के नाम एक ट्रैक्टर खरीदा था। उन्होंने 21 फरवरी को सभी औपचारिकताएं पूरी कर निर्धारित फीस ऑनलाइन जमा कर दी थी। आरटीओ अमरोहा में बने कमरे में बाबू अभय कुमार से मिला तो कहा कि सरकारी फीस के अलावा 20 हजार रुपये और देने होंगे और यह रकम कमरा नंबर सात में बैठे बैठे शाने आलम जो आरसी प्रिंट करता है उसे दे देना। शिकायत पर ट्रैप टीम ने शाने आलम को रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोचा था।

रिश्वत के आरोपी पेशकार की जमानत अर्जी खारिज

बरेली : खेती की जमीन को आवासीय में दर्ज कराने के बदले में किसान से 20 हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोपी रामपुर मिलक एसडीएम कोर्ट के पेशकार मो. जुनैद खान की जमानत अर्जी स्पेशल जज एंटी करप्शन प्रण विजय सिंह ने खारिज कर दी। सरकारी वकील संतोष सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता भगवत सरन ने शिकायती पत्र 26 फरवरी को प्रभारी निरीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुरादाबाद को देकर बताया कि उसने अपनी कृषि भूमि को आवासीय भूमि में दर्ज कराने के लिए 28 दिसम्बर 2023 को ऑनलाइन आवेदन किया था जो अभी तक पेंडिंग है। 23 फरवरी को वह एसडीएम कोर्ट के पेशकार जुनैद खान से मिला तो उसने कहा कि यदि तुम्हें अपने पक्ष में निर्णय कराना है तो उसके लिए कुछ खर्च करना होगा। उसने 20 हजार रुपये रिश्वत मांगी। जांच के बाद ट्रैप टीम ने एक मार्च को मिलक तहसील में शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते पेशकार को रंगे हाथ दबोचा था।

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

पीलीभीत वाईपास रोड, बरेली

विशाल एण्डोस्कोपी शिविर

सहयोग से : बरेली ओब्स्टेट्रिक गाइनकालजी सोसाइटी

दूरबीन विधि द्वारा बच्चेदानी के आपॅरेशन

दिल्ली, मुम्बई, अहमदाबाद, चेन्नई, बैंगलौर एवं विदेश के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ द्वारा दूरबीन विधि से स्त्री रोग सम्बन्धित समस्त ऑपरेशन

जल्द से जल्द पंजीकरण कराकर इस सुविधा का लाभ उठायें।

ऑपरेशन दिनांक 19 अप्रैल 2024

पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) 31 मार्च 2024 तक ही किये जायेंगे। प्रथम 10 पंजीकृत मरीजों को प्राथमिकता दी जायेगी।

लैप्रोस्कोपी द्वारा दूरबीन विधि से ऑपरेशन	हिस्ट्रोस्कोपी का दूरबीन द्वारा ऑपरेशन
1) बच्चेदानी निकालने का ऑप्रेशन (हिस्ट्रेक्टमी)	1) ऐशरमैन का इलाज
2) रसौली निकालने का ऑप्रेशन (मायोमेक्टमी)	2) बच्चेदानी के अन्दर की रसौली (हिस्ट्रोस्कोपिक मायोमेक्टोमी)
3) अण्डेदानी की रसौली निकालने का ऑप्रेशन (ओवेरियन सिस्टैक्टॉमी)	3) ट्यूब खोलना (हिस्टेरोस्कोपी कम्युलेशन)
4) बांझपन की दूरबीन विधि द्वारा जांच	4) बच्चेदानी के अन्दर जन्मजात विकृति ठीक करना
5) बन्द ट्यूब खोलने का ऑप्रेशन	5) बच्चेदानी के अन्दर का पॉलिप निकालना (हिस्टेरोस्कोपिक पॉलीएटोनी)
6) बच्चेदानी की बनावट सम्बन्धी जन्मजात बीमारियों का इलाज ऑप्रेशन	

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 9997015620, 9081800900

कमरा नं. 1178, स्त्री रोग विभाग, रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली

एन.ए.बी.एच.*'राष्ट्रीय स्तर' द्वारा प्रमाणित संस्था

प्रवेश प्रारम्भ प्रवेश प्रारम्भ

वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय

वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग

उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त

बी.एस.सी. नर्सिंग

(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)

शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ

पोस्ट बेसिक नर्सिंग

(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)

जी.एन.एम.

(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)

ए.एन.एम.

(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)

प्रवेश हेतु संपर्क करें :-

मो. 9412151327, 7521001992

पता

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल

NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को जमानत नहीं

विधि संवाददाता, बरेली : शादी का झांसा देकर नाबालिग लड़की (15) को बहला फुसलाकर ले जाने के बाद दुष्कर्म करने के आरोपी शाहजहांपुर थाना निगोही भटूरा पृथ्वीपुर निवासी सुरजीत की जमानत अर्जी स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट रामदयाल ने खारिज कर दी। सरकारी वकील सुभव कुमार मिश्रा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना फरीदपुर में तहरीर देकर बताया था कि 16 अगस्त 2022 की दोपहर में सुरजीत पुत्री को भगा ले गया है। पीड़िता ने अपने बयान में आरोपी द्वारा दुष्कर्म करने की बात कबूली थी।

नौचंदी एक्सप्रेस में शराबी ने किया हंगामा

बरेली, अमृत विचार : नौचंदी एक्सप्रेस में एक यात्री ने शराब के नशे में हंगामा किया। आरपीएफ ने उसे हिरासत में लेकर रेलवे मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया।

नौचंदी एक्सप्रेस के स्लीपर कोच एस-10 में सैयद हुसैन के साथ यात्री ने दुर्व्यवहार किया। इसके बाद मुरादाबाद से बरेली जंक्शन को सूचना दी गई। आरपीएफ की टीम ने शराब के नशे में ट्रेन में हंगामा करने वाले आरोपी को हिरासत में ले लिया। आरपीएफ इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर रेलवे मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया।

एक नजर

दामाद पर बेटी को कमरे में बंद कर पीटने का आरोप

नवाबगंज, अमृत विचार : गांव डोहरिया की एक महिला ने दामाद पर बेटी को कमरे में बंद कर पीटने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस को तहरीर दी है। महिला के अनुसार दामाद कोई काम नहीं करता है। बेटी मजदूरी कर किसी तरह तीन बच्चों को पाल रही है। उसने दामाद, पुत्री और बच्चों को अपने घर में रख लिया। आरोप है कि दामाद ने बेटी को राशन लेने के लिए आने गांव भेज दिया। वह भी वहां पहुंच गया। आरोप है कि दामाद ने घर में बेटी को कमरे में बंद कर पीटा। सूचना पर वह वहां पहुंची तो उसके साथ भी मारपीट की। उन्होंने बेटी के साथ अनहोनी होने की आशंका जताई है।

चुरई दलपतपुर में पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीण

मीरगंज, अमृत विचार : गांव चुरई दलपतपुर में टंकी की मोटर फुंकने से गांव की पेयजल आपूर्ति ठप हो गई है। इससे ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों ने बताया कि मोटर एक सप्ताह से खराब है। इसके चलते लोगों को पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है, मगर अफसरों का ध्यान इस ओर नहीं है। गांव में लगभग 400 घरों में गांव के ओवरहेड टैंक से जलापूर्ति होती है। ग्रामीणों ने ब्लाक प्रशासन से मोटर ठीक कराने की मांग की है।

सड़क न बनवाने पर चुनाव के बहिष्कार का एलान करने वालों को समझाने पहुंचे डीएम

गांव रम्पुरा में अफसरों के साथ संवेदनशील मतदेय स्थलों का भी निरीक्षण किया

बहेड़ी, अमृत विचार : डीएम रविंद्र कुमार बुधवार को गांव रम्पुरा पहुंचे। उन्होंने चुनाव बहिष्कार का एलान करने वाले ग्रामीणों को समझाया। उन्हें लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान का हिस्सा बनने के लिए रजामंद किया। ग्रामीणों की समस्या का निदान कराने का आश्वासन दिया।

दरअसल, रम्पुरा के लोग जर्जर सड़क का निर्माण कराने की मांग कर रहे थे। उन्होंने सुनवाई न होने पर चुनाव बहिष्कान कर एलान किया था। वहीं, डीएम ने बर्नेबल, क्रिटिकल और महिला बूथों का निरीक्षण कर व्यवस्था परखी। जहां कुछ सुधार की जरूरत महसूस की, उसे ठीक कराने के निर्देश दिए। वह एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान, एडीएम(प्रशासन) दिनेश, एसडीएम अजय कुमार उपाध्याय व सीओ अरुण कुमार सिंह के साथ सबसे पहले कताई मिल मार्ग स्थित गांव करीमगंज और टांडाछंगा पहुंचे। उन्होंने व्यवस्थाओं के साथ पोलिंग पार्टियों के ठहरने की जगह का जायजा लिया। इसके बाद उत्तराखंड सीमा से लगे टोल प्लाजा पर पहुंचे और बार्डर से होकर गुजरने वाले वाहनों की चेकिंग के संबंध में जानकारी ली। फिर केसर इंटर कॉलेज तथा नगरपालिका परिषद में बनाए गए बूथों का निरीक्षण किया। अंत में उन्होंने बंद कमरे में चुनाव संबंधी तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक ली, जो दो घंटे से ज्यादा समय तक चली।

बहेड़ी में चुनावी तैयारियों को लेकर अफसरों के साथ बैठक करते डीएम रविंद्र कुमार।

किसी ने खुराफात की तो होगी सख्त कार्रवाई

डीएम ने होली चौराहे पर दोनों समुदाय से जुड़े लोगों के साथ बैठक की और सौहार्द से पर्व मनाने की अपील की। डीएम ने कहा कि चुनाव का माहौल है, इसलिए कोई भी खुराफाती समाज में जहर घोलने का प्रयास कर सकता है। ऐसे में सभी को सजग रहने की जरूरत है। एसएसपी ने कहा कि अगर किसी ने खुराफात की तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पूर्व पालिकाध्यक्ष पति नसीम अहमद, सभासद ताहिर पप्पू, दिनेश कुमार, राजाराम, त्रिलोक सिंह, विवेक कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रशासनिक अफसरों ने बूथों का किया निरीक्षण

आंवला/ मीरगंज, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव को लेकर आंवला एसडीएम एन राम ने बुधवार को कस्बे के कृष्ण गोपाल स्कूल, दिनेश तिवारी इंटर कॉलेज, सुभाष इंटर कॉलेज, आसपुर, बहजुईया, राजपुर खुर्द समेत कई पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सभी बूथों पर पेयजल, बिजली आदि व्यवस्थाओं को पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं मीरगंज में तहसीलदार आशीष कुमार सिंह और नायब तहसीलदार ने हाईवे किनारे वाहनों की चेकिंग की और 40 बूथों के साथ लाभारी चौकी का भी निरीक्षण किया। बूथों पर मिलीं कमियों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, कार्य में शिथिलता पर एक लेखपाल को प्रतिकूल प्रविष्टि भी दी गई है।

फैक्ट्री में काम करते समय मजदूर की कटीं अंगुलियां, भर्ती

फरीदपुर, अमृत विचार : एक फैक्ट्री में काम करते समय मजदूर की मशीन से अंगुलियां कट गईं। घायल को एक मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। गांव मेगी नगला में हाईवे किनारे अशोक फोम फैक्ट्री है। यहां कुर्सी डिवीजन में बुधवार को दोपहर करीब 12 बजे एक मजदूर के दोनों हाथों की अंगुलियां मशीन से कट गईं। घायल मजदूर को तुरंत भोजीपुरा स्थित एक मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। मजदूर की पहचान महेश गुप्ता निवासी मोहल्ला फर्रखपुर निवासी के रूप में हुई है। फैक्ट्री मालिक नीरज गोयल ने बताया कि मैं अभी बाहर हूं, मजदूर के हाथ की अगुलियां कटने की जानकारी मिली है। घायल श्रमिक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कांधरपुर उपकेंद्र से आज सात घंटे ठप रहेगी बिजली

कैंट, अमृत विचार : लाइन मरम्मत कार्य के चलते गुरुवार को कांधरपुर विद्युत उपकेंद्र से गुरुवार को सात घंटे सप्लाई बाधित रहेगी। उपखंड अधिकारी अमित कुमार सक्सेना ने बताया कि लाइन की मरम्मत की जाएगी। इस वजह से उपकेंद्र से जुड़े फीडरों की सप्लाई सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बंद रहेगी।

डंपर और ट्रक में भिड़ंत कई घंटे लगा रहा जाम

हादसे के बाद मार्ग पर जाम में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

- एक लेन पर फंसे रहे वाहन परेशानी से जूझे लोग
- पुलिस ने क्रेन से दोनों वाहनों को मार्ग से हटवाया

शेरगढ़ : अमृत विचार : कस्बे में अस्पताल बाईपास तिराहे पर ट्रक और डंपर में भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद मार्ग ब्लाक हो गया। दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। घंटों वाहन जाम में फंसे रहे। एक लेन से ट्रैफिक को निकाला गया। दूसरी लेन पर भारी वाहनों के पहिए थमे रहे। लोगों को परेशानी से जूझना पड़ा। क्रेन से वाहन हटाए गए तो ट्रैफिक पूरी तरह से सुचारू हो सका।

संभल निवासी अखलाक बाजपुर से डंपर में रेता लेकर बदायूं को जा रहे थे। शेरगढ़ के टांडा निवासी चालक ईंटों से लदा ट्रक बहेड़ी की ओर लेकर जा रहा था। बुधवार सुबह करीब चार बजे अस्पताल बाईपास तिराहा पर ट्रक और डंपर में भिड़ंत हो गई। हालांकि, हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। दिन एक लेन से ट्रैफिक चला। दूसरी लेन पर गन्ना लदे ट्रक समेत तमाम भारी वाहन जाम में फंस रहे। पुलिस ने क्रेन मंगवाकर दोनों वाहनों को हटवाया। करीब शाम चार बजे ट्रैफिक सुचारू हो सका। थानाध्यक्ष राजेश बाबू मिश्रा ने बताया कि हादसे के संबंध में कोई लिखित सूचना थाने पर नहीं दी गई है।

सार-संक्षेप

महिलाओं ने खेली लट्ठमार और फूलों की होली

आंवला, अमृत विचार : कस्बे में पक्का कटरा स्थित ठाकुर द्वारा मंदिर पर राधा सखी मंडल की ओर से लट्ठमार और फूलों से होली खेली गई, जिसमें महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। संगठन अध्यक्ष शोभना अग्रवाल के निर्देशन में कार्यक्रम हुआ। पहले लट्ठमार और फिर फूलों की होली खेली गई। इस दौरान सुमन शर्मा, मोनिका अग्रवाल, मीनू शर्मा, विनीता, सुनीता, सूचि आदि मौजूद रहीं।

आंवला वृक्ष का पूजन कर खेली होली

नवाबगंज, अमृत विचार : कस्बे में बुधवार को आमल की एकादशी पर आंवला के वृक्ष का पूजन कर महिलाओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली खेली। इस दौरान भाजपा की पूर्व जिलाध्यक्ष विमला शुक्ला, नीति गुप्ता, गुंजन गुप्ता, पूजा शुक्ला, सुमन शुक्ला, नेहा मिश्रा, कामनी, भावना मिश्रा, अनीता गुप्ता, सरोज, पूनम गुप्ता, कंचन गुप्ता, रीता गुप्ता, शीतल गुप्ता, राजरानी गुप्ता, रीता सक्सेना, अनुपम सक्सेना, सरिता गुप्ता आदि मौजूद रहीं।

भाकियू ने समस्याओं के लिए एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

आंवला, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (शंकर गुट) ने बुधवार को विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम नहने राम को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा कि होली का त्योहार नजदीक है। बाजार में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वालों पर कार्रवाई की जाए। अवैध गेहूं सेंटरों पर रोक लगाई जाए। जर्जर तारों को ठीक किया जाए और कनेक्शन क्षमता के अनुसार ट्रांसफार्मरों का लोड बढ़ाया जाए। मच्छरों से बचाव को गांवों में कीटनाशक का छिड़काव किया जाए। संगठन जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह, रमाकांत उपाध्याय, हीरालाल, कल्यान सिंह आदि किसान मौजूद रहे। इससे पहले मासिक पंचायत हुई।

अनुबिस डिग्री कॉलेज में विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन बांटे

मीरगंज, अमृत विचार : अनुबिस डिग्री कॉलेज में बुधवार को विद्यार्थियों को स्मार्टफोन का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव सत्येंद्र सिंह यादव ने की। प्राचार्य डॉ. नागेश्वर प्रसाद शुक्ल, प्राची मिश्रा, प्रशासनिक अधिकारी गयाराम, प्रताप सिंह, अभिषेक सक्सेना आदि मौजूद रहे।

भंडसर ने एक रन से जीता प्रीमियर लीग का फाइनल

रिठौरा, अमृत विचार : पांच दिवसीय प्रीमियर लीग का फाइनल बुधवार को रिठौरा और भंडसर के बीच हुआ। भंडसर ने 10 ओवर में 141 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रिठौरा की टीम 10 ओवरों मे 7 विकेट खोकर 140 रन बना सकी। एक रन से भंडसर ने मैच जीत लिया। भंडसर की तरफ से मैन ऑफ द मैच राहुल पटेल रहे। ग्राम प्रधान नसरीन बेगम और समाज सेवी मोहम्मद इरफान उर्फ नन्हे भाई ने विजेता और उप विजेता टीम को ट्राफी देकर सम्मानित किया। अरविन्द, तौफीक आलम, हैप्पी, सगीर, सोनू पटेल, रामकुमार पटेल, धर्मेंद्र पटेल आदि मौजूद रहे।

घर में घुसकर महिला से की छेड़खानी

नवाबगंज, अमृत विचार : एक गांव में युवक ने घर में घुसकर महिला से छेड़खानी की। महिला ने शोर मचाया तो आरोपी भाग गया। बाद में आरोपी के परिजनों ने पीड़िता की बेटियों के साथ मारपीट की। मामले में पुलिस को तहरीर दी गई है। क्षेत्र की एक महिला ने थाने में दी तहरीर में बताया कि गांव का एक युवक उसकी ओर अश्लील इशारे करता है। आरोप है कि बुधवार को वह घर में सो रही थी।

तभी युवक घर में घुस और उसके साथ छेड़खानी करने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग आए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देता हुए भाग गया। कुछ देर बाद आरोपी के परिजन घर पर लाठी डंडे लेकर आ धमके और गालियां देने लगे। विरोध करने पर उसकी बेटियों के साथ मारपीट की गई। उसकी बेटियां घायल हो गईं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

अमृत सरोवर : खोदाई से पहले नहीं की जांच लाखों फूंकने के बाद बोले- जमीन ठीक नहीं

संवाददाता, बिथरी चैनपुर

अमृत विचार : जल संरक्षण और सूखे से निपटने के लिए शुरू की गई अमृत सरोवर योजना में भी जिम्मेदार सेंध लगाने से नहीं चूके। तीन ग्राम पंचायतों में बिना जांच के तालाब की खोदाई शुरू करा दी गई। लाखों रुपये ठिकाने लगाने के बाद जांच की तो पता चला कि जहां खोदाई कराई गई, वे स्थान मानक अनुरूप नहीं हैं। बाद उन स्थानों को रिजेक्ट कर दिया गया। जहां अमृत सरोवर नहीं बन सके। सवाल है कि खोदाई से पहले जांच क्यों नहीं कराई गई। इसका जवाब अफसरों के पास नहीं है।

अगस्त 2022 में अमृत सरोवर योजना से बिथरी चैनपुर ब्लॉक में मनरेगा से ग्राम पंचायत भिंडोलिया, परातासपुर और डोहरा में बिना जांच के अमृत सरोवर तैयार करने के लिए खोदाई शुरू करा दी गई। इसके बाद अमृत सरोवर के मानकों की जांच कराई गई। जांच में संबंधित स्थान मानक अनुरूप सही नहीं पाए गए, लेकिन तब तक लाखों रुपये खर्च हो चुके थे। जांच अधिकारियों ने तीनों ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर के स्थानों को रिजेक्ट कर दिया।

परातासपुर में खोदाई के बाद अधूरा पड़ा अमृत सरोवर। ● अमृत विचार

- बिथरी ब्लॉक की तीन ग्राम पंचायतों में नहीं बन सके अमृत सरोवर, गड्ढे गोदकर छोड़ दिए

यह हैं अमृत सरोवर चयन के मानक

भूमि की उपलब्धता, जल निकासी के माध्यम से वर्षा जल की उपलब्धता, गहराई, मिट्टी का प्रकार, भूगर्भीय चट्टान में दरार नहीं होनी चाहिए आदि।

बीडीओ ने पल्ला झाड़ा बोले- सचिवों से करो बात

बिथरी चैनपुर ब्लॉक के बीडीओ बीरपाल से जब इस संबंध में पूछा तो उन्होंने पल्ला झाल लिया। बोले-मैं क्या कहूं, इस बारे में संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिवों से पूछिए।

इतने पैसों की बर्बादी, मगर अफसर खामोश

मनरेगा के तहत अमृत सरोवर के नाम पर परातासपुर में 3 .53 लाख, भिंडोलिया में 89,673 हजार और डोहरा में 12,780 हजार रुपये खर्च किए गए। बाद में इन स्थानों को रिजेक्ट कर कर दिया गया। फिलहाल, इस मामले पर अफसर खामोश हैं।

90 ग्राम स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, जेल भेजा

बहेड़ी, अमृत विचार : कस्बे में खुलेआम स्मैक तस्करी का वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने 90 ग्राम स्मैक के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मोहल्ला शैर नगर निवासी अजीम उर्फ गंठा और नईम उर्फ कल्लू कई वर्षों से स्मैक तस्करी के धंधे में लिप्त हैं। एक दिन पहले वायरल हुई वीडियो में युवक कस्बे में स्मैक की बिक्री करने वालों के नाम गिना रहा था। पुलिस ने अजीम को 70 ग्राम स्मैक के साथ आम डंडा बैरियर से और नईम को उत्तमनगर बैरियर के समीप से 20 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस के तहत छह-छह मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

उचक्कों ने जेब काटकर रुपये और मोबाइल उड़ाया

शीशगढ़, अमृत विचार : कस्बे में साप्ताहिक बाजार में उचक्कों ने दो लोगों की जेब काट रुपये और मोबाइल चुरा लिया। कस्बा निवासी तफसीर अहमद ने बताया कि वह बाजार में सब्जी खरीदने गए थे। उनकी जेब में 61 सौ रुपए थे। सब्जी लेने के बाद जब वह घर आए तो पता चला कि उनकी जेब कट गई है, जिसमें रखे रुपये गायब थे। वहीं, कस्बे के ही अजीम का बाजार में मोबाइल चुरा लिया गया। दोनों मामलों में पुलिस को तहरीर दी गई है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

देवरनियां, अमृत विचार : बहेड़ी से घर आ रहे बाइक सवार युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई।

सेमीखेड़ा निवासी कपिल गंगवार एक पेप्सी साइड कंपनी में काम करते थे। सोमवार शाम नौ बजे बहेड़ी से घर आ रहे थे। शेरिया इंटर कॉलेज के सामने तेज गति से आ रही कार ने पीछे से उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह घायल हो गए।

पुलिस ने उन्हें बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, कपिल के पिता की तहरीर पर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

ई रिक्शा से टकराई बाइक, युवक घायल

आंवला, अमृत विचार : आंवला-भमोरा मार्ग पर बाइक ई-रिक्शा से टकराने के बाद खाई में गिर गई। हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया। बहजोई निवासी पुष्पेन्द्र और चैतन्य बाइक से बरेली जा रहे थे। आंवला—भमोरा रोड पर गांव बिलौरी के समीप सामने से आ रहे ई—रिक्शा के हैंडल से टकराने से बाइक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में पुष्पेन्द्र गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है।

कस्बे में आज निकलेगी श्री श्याम निशान यात्रा

नवाबगंज, अमृत विचार : श्री श्याम मित्र मण्डल की ओर से फाल्गुन महोत्सव पर गुरुवार को कस्बे में श्री श्याम निशान यात्रा निकाली जाएगी। श्री श्याम मित्र मंडल के सचिव रितेश श्रीवास्तव के अनुसार कस्बे में विद्युत उपकेन्द्र से यात्रा शुरू होगी, जो मुख्य मार्ग, बालाजी मंदिर होते हुए ईंध जागीर स्थित निर्माणाधीन श्री श्याम मन्दिर पर पहुंचकर सम्पन्न होगी। यात्रा को लेकर श्रद्धालु उत्साहित हैं। सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने बीईओ को किया स्वागत

नवाबगंज, अमृत विचार : प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पराज के नेतृत्व में शिक्षकों ने बुधवार को नवागत बीईओ सतीश कुमार वर्मा का स्वागत किया। दौरान नरदेव गंगवार, कुंवर सेन,हरीश गंगवार, वीरेंद्र गंगवार शकील अहमद, शैली कपूर अनुपम गंगवार आदि मौजूद रहे।

बंदरों के हमले में युवती छत से गिरकर घायल

दुनका, अमृत विचार : एक गांव में बंदरों के हमले में युवती छत से गिरकर घायल हो गई। बसई गांव में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। बुधवार शाम गांव निवासी पन्नालाल की पुत्री संजना कुमारी चूल्हे पर खाना बनाने के लिए छत से लकड़ी लेने गई। तभी बंदरों के झुंड ने उसपर हमला कर दिया। वह छत से आंगन में गिर पड़ी और गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे निजी अस्पताल में ले गए। एक्सरे करने पर पता चला कि संजना के एक पैर में फ्रेक्चर है। गौरतलब है कि बंदरों के हमलों में गांव में कई लोगों की जानें जा चुकी हैं। बंदरों के आतंक से लोग परेशान हैं।

बदायूं में दो बच्चों की हत्या पर जताया गुस्सा

आंवला, अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल ने बदायूं में बाबा कॉलोनी में दो बच्चों की हत्या पर आक्रोश जताया है। मामले में मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम नहने राम को सौंपा है। ज्ञापन में कहा कि पीड़ित परिवार को तत्काल सुरक्षा मुहैया कराई जाए। परिवार को दो करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। जिलाध्यक्ष विमल गुप्ता, दीपक कठेरिया, अवधेश मौर्य, बच्चन सिंह, सिद्धांत तिवारी, हिमांशु सोलंकी, आदित्य सिंह, संजीव, मनोज, रामनरेश आदि मौजूद रहे।

फर्जी आधार कार्ड से लोन लेते हुए पकड़ा गया

भमोरा, अमृत विचार : ग्राम मझरा निवासी चेतराम ने बताया कि 19 मार्च 2024 को देवचरा स्थित एक बैंक के कर्मचारी घर आए और बताया अपने लोन के लिए आवेदन किया है। इस संबंध में वे जांच करने आए हैं। जबकि उसने लोन के लिए कोई आवेदन नहीं किया था। इस पर बैंक कर्मचारियों ने अगले दिन बैंक आने को कहा। वह वहां पहुंचे तो देखा कि एक व्यक्ति उनके नाम का फर्जी आधार कार्ड के साथ मेरा फोटो लगा लोन के लिए आया है। बैंक कर्मचारियों ने पुलिस बुलवाकर आरोपी को सुपुर्द कर दिया।

सरसों चुराते समय चोर कैमरे में कैद

नवाबगंज, अमृत विचार : मोहल्ला बंजारान के जावेद अख्तर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी दुकान किसान सेवा केन्द्र के नाम से यासीन नगर में है। दुकान से कई बार चावल व लाही चोरी हो चुकी थी। चोर को पकड़ने के लिए उन्होंने दुकान में सीसीटीवी कैमरे लगवाए। बुधवार सुबह चोर उनकी दुकान से दो कट्टे सरसों के चुरा कर ले गया, जो कैमरे में कैद हो गया। फुटेज देखी तो उन्होंने आरोपी को पहचान लिया।

ठेके पर किया काम, पैसे मांगे तो पीटा

भमोरा, अमृत विचार : मकरंदपुर धाराजीत निवासी सुरेश कुमार ने बताया कि वह प्लंबर का काम करते हैं। एक माह पहले गांव युसुफपुर निवासी एक व्यक्ति ने टंकी की फिटिंग का 65 हजार में ठेका दिया था। काम पूरा होने पर जब पैसे मांगे तो युवक टालमटोल करने लगा। मंगलवार शाम पैसा मांगने पर युवक ने गाली गलौज की। विरोध करने बेटे के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है।

छुट्टन महाराज के निधन पर शोक व्यक्त किया

आंवला, अमृत विचार : ब्राह्मण महासभा मंडल ने बुधवार को ज्ञानदीप इंटर कॉलेज में सभा कर पंडित सोमेश्वर दयाल शर्मा उर्फ छुटटन महाराज के निधन पर शोक व्यक्त किया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि छुटटन महाराज हर वर्ग की मदद के लिए आगे रहते थे। पं. कृष्णपाल शर्मा, सुनील शर्मा, संतोष गौड़, मुरारी पाराशरी, अरविंद शर्मा, सुधाकर शर्मा, प्रभाकर शर्मा, अमित शर्मा, संजीव मोहन शर्मा मौजूद रहे।

तबादला-सेवानिवृत्ति के बाद भी कर रखा आवासों पर कब्जा

- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मामला

नवाबगंज, अमृत विचार : सीएचसी से तबादला और सेवानिवृत्त होने के बाद भी कुछ कर्मचारियों का सरकारी आवास पर कब्जा है। तीन साल पहले एक चतुर्थ श्रेणी कर्मी का अस्पताल से तबादला हो गया, मगर उसने अभी तक आवास नहीं छोड़ा है। इतना ही नहीं सेवानिवृत्त हो चुके वार्ड ब्वाय ने दो आवासों पर कब्जा कर रखा है। सूत्रों के अनुसार अस्पताल के एक चिकित्सक पत्नी के नाम से ठेके पर एक निजी अस्पताल तो दूसरे कस्बे में ही रेस्टोरेंट चलवा रहे हैं। सीएचसी प्रभारी डॉ. गौरव शर्मा ने बताया कि आवासों पर अवैध रूप से कब्जा जमाए कर्मचारियों को नोटिस दिया गया है। इनमें से एक ने जल्द ही आवास खाली करने की बात कही है।

युवाओं में मानव मूल्य और संस्कारों की वृद्धि होनी चाहिए

युवा सम्मेलन में मौजूद संघ के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

फरीदपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विद्यार्थी विभाग की ओर से बुधवार को फ्यूचर कॉलेज में युवा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता बरेली विभाग के विभाग प्रचारक धर्मेंद्र भारत ने कहा कि युवाओं में मानव मूल्यों एवं संस्कारों की वृद्धि होनी चाहिए। इसके लिए परिवार का सकारात्मक चिंतन होना चाहिए।

हमें नागरिक अनुशासन का पालन राष्ट्रीय सेवा मानकर करना चाहिए। पर्यावरण के प्रति प्रत्येक युवा को जागरूक होने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि रुहेलखंड विश्वविद्यालय के प्रो. विनय ऋषिवाल ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं के योगदान के विषय पर विचार रखे। अध्यक्ष शानू प्रताप सिंह ने आभार जताया। जिला संघचालक महेश चौधरी, जिला कार्यवाह अभिमन्यु, नगर संघचालक ब्रहमेंद्र मिश्रा, विहिप के विभाग मंत्री मानवेंद्र प्रताप राणा, जिला बौद्धिक प्रमुख राजेश विद्यार्थी, प्रमुख रुद्रांश, आकाश, सह नगर कार्यवाह राहुल नितिन, प्रचार प्रमुख सुरेंद्र, आकाश शुक्ला, शुभंकर मिश्रा, अरविंद, सौरभ सक्सेना आदि मौजूद रहे। संचालन नगर कार्यवाह अनुज ने किया।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मौलवी की अंक तालिका वर्ष 2015 रोल नं. 1241318 जो यू.पी. बोर्ड ऑफ मदरसा एजूकेशनल लखनऊ व मदरसा जामिया अशरफिया मसूदुल उलूम छोटी तकिया बहराइच की थी, जो फोटो कॉपी कराने जाते समय रास्ते में कहीं गिर गई है जो काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। **नसरीन बानो पुत्री श्री हदीस अहमद निवासी 50, तुलसी नगर, बरेली।**

सूचना

मैंने अपनी पुत्रवधू मृदुल पत्नी स्व. वेद मित्र शर्मा के गलत आचरण व दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर उसे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर अपने सम्बन्ध समाप्त कर लिये हैं। **रामदेव शर्मा ''शास्त्री'' पुत्र श्री लेखराज, निवासी-गोपाल नगर, बरेली।**

सूचना

मेरा सही नाम Lalita Devi है Lalita नहीं, कृपया मेरे पति के सेना रिकॉर्ड मैं सही करें। पत्नी. हवलदार किशोर आर्मी नंबर 3203891L, निवासी ग्राम. बासना, पोस्ट, होलावास - तहसील बानसूर, जिला अलवर, राजस्थान।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

संविधान में नहीं है आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लेख

- आदर्श चुनाव आचार संहिता राजनीतिक दलों एवं प्रत्याशियों के लिये बनायी गयी एकनियमावलीहै जिसका पालन चुनाव के समय आवश्यक है। चुनाव आचार संहिता चुनाव की तिथि की घोषणा से लागू होता है और यह मतदान के परिणाम आने पर समाप्त हो जाता है। इसका भारतीय संविधान में कोई उल्लेख नहीं है।
- सरकार लोक लुभावन घोषणाएँ नहीं करेगी।
- सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग की पाबंदी।
- जाति, धर्म व क्षेत्र से संबंधित मुद्दे नही उठा सकेंगे राजनीतिक दल
- चुनाव के दौरान धन-बल व बाहु-बल के प्रयोग पर रोक।
- आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद किसी भी व्यक्ति को धन का लोभ न देना।
- आचार संहिता लागू हो जाने के बाद किसी भी योजनाओ को लागू नहीं कर सकते।

विकास के मुद्दे पर करेंगे वोट

लोकतंत्र के महासमर में पहली बार मतदान को लेकर उत्साहित हूं। मुझे पहली ही बार में केंद्र की सरकार चुनने का मौका मिल रहा है। पहला वोट विकास के मुद्दे पर करुंगा। जिले में रोजगार के अवसर सृजित करने वाला सांसद और केन्द्र में शिक्षा, समानता, सुरक्षा व रोजगार दे सकने सक्षम सरकार चुनने के लिए मतदान करुंगा।

– आशीष श्रीवास्तव, बरेली

बसपा को लोकसभा में चमत्कार की उम्मीद

टिमटिमा रही है दलित चेतना की लौ, बसपा की रणनीति पर टिकी राजनीतिक दलों की निगाहें

● लखनऊ कार्यालय

अमृत विचार : तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने जिस बहुजन समाज पार्टी के प्रदर्शन को लोकतंत्र के चमत्कार की संज्ञा दी थी। वह चमत्कार 2022 के विधानसभा चुनाव में नहीं दिखा। कारण काशीराम ने दलित चेतना की जो मशाल जलाई थी। वह अब दीपक बनकर टिमटिमा रहा है। बावजूद इसके सभी राजनीतिक दलों की निगाहें बसपा की रणनीति पर टिकी हुई हैं।

तीन बार उत्तर प्रदेश में सरकार बना चुकी बसपा 2022 के विधानसभा चुनाव में मात्र एक सीट पर सिमट गई थी। उसके समक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में 2019 का प्रदर्शन दोहराने के लिए चमत्कार करने जैसी चुनौती होगी। आंकड़े बताते हैं कि बसपा की दलित वोट बैंक पर वह पकड़ नहीं रही जो 2009 के लोकसभा चुनाव तक थी।

2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि उसे 19.43 प्रतिशत वोट हासिल हुए थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में जब उसने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया तो जरूर उसके सीटों की संख्या 10 तक पहुंच गई। चुनाव खत्म होते ही या गठबंधन टूट गया। जिसका खामियाजा बसपा को विधानसभा चुनाव में उठाना पड़ा। 2024 का लोकसभा चुनाव आते-आते बसपा की टिकट पर चुनाव जीतने वाले सांसद दूसरे दलों में भागने लगे। कोई भाजपा में गया तो कोई कांग्रेस में तो किसी ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। जो बचे हैं वह भी जाने की जुगत लगा रहे हैं। अब ऐसे सांसदों को चुनाव मैदान में शिकस्त देने के लिए बसपा चुनावी बिसात हर दांव आजमा रही है। यह चुनाव सिर्फ़ मायावती के लिए ही नहीं बल्कि उनके भतीजे जिसे उन्होंने अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है के लिए भी अग्नि परीक्षा साबित होने जा रहा है। प्रत्याशी में घोषणा में सबसे आगे रहने वाली बसपा इस चुनाव में अभी तक चंद सीटों पर ही अपना उम्मीदवार उतार सकी है।2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने अंबेडकर नगर, अमरोहा, बिजनौर, गाजीपुर, घोसी, जौनपुर लालगंज, सहारनपुर, श्रावस्ती तथा नगीना सीट जीती थी। इन सीटों पर फिर से काबिज होने के लिए बसपा की जद्दोजहद जातीय समीकरणों पर ही टिकी हुई है। बसपा इस बात के लिए पूरा प्रयास कर रही है कि जो सांसद पार्टी छोड़कर गए वह किसी तरह भी दोबारा सदन में न पहुंच सकें। फिलहाल बहुजन समाज पार्टी इस बार पूरे उत्तर प्रदेश में अकेले दम पर चुनाव लड़ने जा रही हैं। इसका मूल कारण यह है कि समाजवादी पार्टी के समर्थन से चुनाव लड़ने के दौरान उनके कई नेता और कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी के ही होकर रह गए। पार्टी एक बार फिर से नए सिरे से पूरे प्रदेश में संगठन खड़ा करना चाहती है। ताकि अगले विधानसभा चुनाव में वह पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतर सके।

बसपा का प्रदर्शन एक नजर में

1996	6 सीट	20.6
1998	4 सीट	20.9
1999	14 सीट	22.08
2004	19 सीट	24.67
2009	20 सीट	27.42
2014	00 सीट	19.77
2019	10 सीट	19.43

2019 में बसपा से जीते सांसद

अंबेडकर नगर	रितेश पांडे
अमरोहा	कुंवर दानिश अली
बिजनौर	चौधरी बृजेंद्र सिंह
गाजीपुर	अफजाल अंसारी
घोसी	अतुल कुमार सिंह
जौनपुर	श्याम सिंह यादव
लालगंज	संगीता आजाद
सहारनपुर	हाजी फजलुर रहमान
श्रावस्ती	राम शिरोमणि
नगीना	गिरीश चंद्र

कमलकांत उपमन्यु होंगे बसपा से लोकसभा प्रत्याशी

मथुरा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने मथुरा में पंडित कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट को लोकसभा प्रत्याशी बनाया है। पंडित कमलकांत उपमन्यु वर्ष 1999 में बसपा से लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। वे छावनी परिषद मथुरा के पूर्व पार्षद पूर्व वाइस चेयरमैन एवं सिविल एरिया और फाइनेंस कमेटी के अध्यक्ष रह चुके हैं तथा अधिवक्ता भी है। उनके बसपा से मथुरा का प्रत्याशी बनने के बाद रोचक राजनीतिक मुकाबला होगा। भाजपा ने इस सीट पर दो बार की सांसद सिने तारिका स्टार प्रचारक हेमामालिनी को चुनाव मैदान में उतारा है।

अन्नाद्रमुक ने लोकसभा चुनाव के लिये डीएमडीके से समझौता किया

चेन्नई। तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक ने बुधवार को डीएमडीके के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया। डीएमडीके की स्थापना अभिनेता-राजनेता 'कैप्टन' विजयकांत ने की थी, जिनका हाल ही में निधन हो गया। यहां पार्टी मुख्यालय में चुनावी समझौते की घोषणा करते हुए, अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा कि डीएमडीके तिरुवल्लूर (एससी), मध्य चेन्नई, कुड्डालोर, तंजावुर और विरुधुनगर लोकसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ेगी। डीएमडीके महासचिव प्रेमलता विजयकांत ने अन्नाद्रमुक को स्वाभाविक सहयोगी बताया। उन्होंने कहा कि 2011 के विधानसभा चुनाव की तरह एक बार फिर बड़ी जीत वाला गठबंधन बन गया है। उन्होंने कहा, यह विजयी गठबंधन 2026 के विधानसभा चुनाव में भी जारी रहेगा।

साइकिल से वोट मांगते थे रामप्रकाश

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। किसी भी चुनाव में अब प्रत्याशी के साथ कारों का काफिला होता है और सैकड़ों लोग उसके आगे-पीछे होते हैं। हाईटेक प्रचार होता है तो सोशल मीडिया पर मनुहार होती है। पहले ऐसा नहीं होता था। प्रत्याशी अपने कुछ समर्थकों के साथ गांव जाते थे और पैदल घर-घर जाकर और खेत-खलिहानों में वोट मांगते थे। कन्नौज से सांसद रहे रामप्रकाश त्रिपाठी तो साइकिल से वोट मांगने जाते थे और जहां रात हो जाती थी, उसी गांव में ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाते थे।

बात 1977 के लोकसभा चुनाव की है। कन्नौज लोकसभा क्षेत्र से लोकदल से रामप्रकाश त्रिपाठी उम्मीदवार थे। क्षेत्र के बुजुर्ग बताते थे कि रामप्रकाश त्रिपाठी ने नामांकन करने के बाद घर का मुंह नहीं देखा था और साइकिल से ही क्षेत्र का भ्रमण करते थे। वह साइकिल से कुछ कार्यकर्ताओं के साथ सुबह निकलते थे। उस समय अधिकतर लोग खेतों और खलिहानों में रहते थे तो वोट मांगने के लिए वहां जाना पड़ता था। जिस गांव में रात हो जाती उनका डेरा वहीं जम जाता था। रात में ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाकर चुनावी चर्चा करते थे। यही वजह थी कि उस चुनाव में वह सबसे अधिक वोटों से जीते थे।

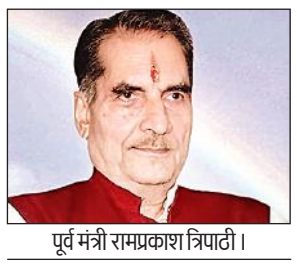
पूर्व मंत्री रामप्रकाश त्रिपाठी।

गुड़ व सत्तू साथ लेकर चलते थे

भारतीय जनसंघ के पूर्व कार्यकर्ता 88 वर्षीय मन्नीलाल द्विवेदी बताते हैं कि रामप्रकाश त्रिपाठी हमेशा अपने साथ देसी गुड़ और सत्तू लेकर चलते थे। प्रचार के दौरान भूख लगने पर किसी कुएं या रहट के पास सत्तू बनाकर खाते थे। उनके साथ कार्यकर्ता भी सत्तू खाकर अपनी भूख मिटाते थे।

पेट्रोमेक्स की रोशनी में लगती थी चौपाल

राजकिशोर द्विवेदी बताते हैं कि पहले गांवों में बिजली नहीं थी। ऐसे में रात के समय किसी सार्वजनिक स्थान पर चौपाल लगती थी, जिसमें रोशनी के इंतजाम के लिए गांव के लोग मिट्टी के तेल से जलने वाली पेट्रोमेक्स जलाते थे, जिसमें रेशम के धागों से बना मेंटल बर्नर लगता था और पंप से हवा भरी जाती थी। गांव के मुखिया इसका इंतजाम करते थे।

विरोधियों में दिखता था राजनीतिक शिष्टाचार

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष देवप्रकाश पालीवाल बताते हैं कि उस दौर में विरोधियों में राजनीतिक शिष्टाचार प्रबल था। लोकदल प्रत्याशी रामप्रकाश त्रिपाठी और जनता दल के प्रत्याशी छोटे सिंह यादव जब प्रचार के दौरान आमने-सामने आ जाते थे, तो छोटे सिंह उनके पैर छूकर जीत का आशीर्वाद मांगते थे और सहृदय रामप्रकाश त्रिपाठी उन्हें खुले मन से आशीर्वाद दे देते थे।

55 साल से मचल रही रियासत की सियासत

अरुण कुमार मिश्र, गोंडा

अमृत विचार : लोकसभा के 72 साल के चुनावी सफर में बाहर से लेकर अंदर तक के कई सूरमा आए और जीत कर इतिहास रचा, लेकिन इस 72 साल के इतिहास में 55 साल पहले मनकापुर रियासत की राजनीति में इंट्री हुई तो आज तक जारी है। पहले चार कार्यकाल मनकापुर के कुंवर आनंद सिंह फिर उनके पुत्र कीर्तिवर्धन सिंह सियासत के मैदान में उतरे। पिता के बराबर कीर्तिवर्धन सिंह भी चार बार सांसदी का चुनाव जीत चुके हैं। 1998 में राजनीतिक सफर शुरू करने वाले कीर्तिवर्धन सिंह को दो बार हार का भी सामना करना पड़ा। अब 2024 में सातवीं बार भाजपा के टिकट पर फिर मैदान में हैं। इस बार हैट्रिक लगेगी या नहीं यह मतदाताओं के मूड पर है।1951-52 में जब पहला चुनाव हुआ तो वैरिस्टर हैदर हुसैन, 1957 में दिनेश प्रताप सिंह, 1962 में रामरतन गुप्ता, 1967 में सुचेता कृपलानी ने जीत हासिल की। ये सभी लोग गोंडा जिले के बाहर के थे। लेकिन मनकापुर रियासत के राजा कुंवर आनंद सिंह का चुनाव में प्रवेश हुआ और 1971 में कांग्रेस के टिकट पर उन्होंने जीत हासिल की। आनंद सिंह भारतीय जनता दल के प्रत्याशी रहे देवेंद्र प्रताप सिंह से मात्र 631 मत से जीते और राजनीति में अपनी भागीदार तय कर दी। लेकिन 1977 में बीएलडी से प्रत्याशी रहे सत्यदेव सिंह से चुनाव हार गए। सत्यदेव सिंह ने आनंद सिंह को 71 हजार के करीब वोटों से शिकस्त दी। लेकिन राजनीति के इस उतार चढ़ाव में आनंद सिंह ने हौसला नहीं छोड़ा और 1980 में गोंडा सीट पर फिर काबिज हो गए। इस बार उन्होंने जेएनपी से कौशलेंद्र दत्त को भारी मतों से शिकस्त दी। इसके बाद 1984 तथा 1989 में भी हैट्रिक लगाकर चुनाव जीत गए। 1984 में एलकेडी से लड़ रहे दीप नरायन को चुनाव हराया और 89 में जनता दल से फजलुलबारी उर्फ बन्ने भाई को शिकस्त दी। 1991 भारतीय जनता पार्टी का पूरी तरह से उदय हो गया और राम जन्मभूमि आंदोलन में शिरकत करने वाले बृजभूषण शरण सिंह की राजनीति में इंट्री हुई। इसमें बृजभूषण शरण सिंह ने आनंद सिंह से कुर्सी छीन ली। इसके बाद कुंवर आनंद सिंह कांग्रेस छोड़ समाजवादी पार्टी में चले गए और 1996 में सपा के टिकट पर चुनाव लड़े। इस बार भी उन्हें बृजभूषण शरण सिंह की पत्नी केतकी सिंह के हाथ से शिकस्त मिली। इसे देख राजनीति के पितामह कहे जाने वाले आनंद सिंह के पुत्र कीर्तिवर्धन सिंह ने राजनीति में प्रवेश किया। और 1998 में कीर्तिवर्धन सिंह ने बृजभूषण शरण सिंह को हराकर अपने पिता की हार का बदला ले लिया। कीर्तिवर्धन सिंह ने सपा से चुनाव लड़ा था। लेकिन एक साल बाद 1999 में फिर हुए चुनाव में कीर्तिवर्धन सिंह को बृजभूषण सिंह ने फिर चुनाव हरा दिया। 2004 के आते ही भाजपा ने बृजभूषण सिंह को बलरामपुर सीट से चुनाव लड़ाया और गोंडा से घनश्याम शुक्ला भाजपा से चुनाव लड़े लेकिन इसमें कीर्तिवर्धन सिंह चुनाव जीत गए। 2009 में हुए परिसीमन से गोंडा लोकसभा का परिदृश्य बदल गया। इसमें बेनी मात्र 23 हजार वोट से जीत गए। इसके बाद रियासत खानदान को बसपा रास नहीं आई और वह 2014 में पलटी मारते हुए भाजपा का दामन थाम लिया। 2014, 2019 में वह भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते और भाजपा के टिकट पर तीसरी बार मैदान में हैं। जिनका मुकाबला इस बार इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी बेनी प्रसाद वर्मा की पौत्री श्रेया वर्मा से होगा।

पिता पुत्र के हाथ में रही आठ बार सांसद की कुर्सी

कुंवर आनंद सिंह।

रियासत की इमारत।

कीर्तिवर्धन सिंह।

भगवा प्रेम में गंवानी पड़ी थी राजा को कुर्सी

2014 में समाजवादी पार्टी की सूबे में सपा की सरकार थी। इसमें कुंवर आनंद सिंह कृषि मंत्री रहे और सपा में उनकी कद्दावर नेताओं में गिनती थी। लेकिन पुत्र कीर्तिवर्धन सिंह के भगवा प्रेम के कारण आनंद सिंह को कृषि मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद आनंद सिंह ने राजनीति से सन्यास ही ले लिया।

वर्ष	सांसद	दल
1951	चौधरी हैदर हुसैन	कांग्रेस
1957	दिनेश प्रताप सिंह	कांग्रेस
1962	राम रतन गुप्ता	कांग्रेस
1967	सुचेता कृपलानी	कांग्रेस
1971	आनंद सिंह	कांग्रेस
1977	सत्यदेव सिंह	बीएलडी
1980	आनंद सिंह	कांग्रेस
1984	आनंद सिंह	कांग्रेस
1989	आनंद सिंह	कांग्रेस
1991	बृजभूषण शरण सिंह	भाजपा
1996	केतकी सिंह	भाजपा
1998	कीर्तिवर्धन सिंह	सपा
1999	बृजभूषण शरण सिंह	भाजपा
2004	कीर्तिवर्धन सिंह	सपा
2009	बेनी प्रसाद वर्मा	कांग्रेस
2014	कीर्तिवर्धन सिंह	भाजपा
2019	कीर्तिवर्धन सिंह	भाजपा

17 लोकसभा चुनाव, संसद पहुंचीं मात्र दो महिलाएं

गंगादेवी पहली तो प्रियंका रावत चुनीं गईं थी दूसरी महिला सांसद

आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने का पार्टियों में नहीं रहा विश्वास

आधी आबादी को पूरी भागीदारी का वादा भले ही सभी राजनीतिक दल कर रहे हों। लेकिन आजादी के बाद हुए सत्रह चुनाओं में सिर्फ दो बार महिलाओं को प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। उनमें भी जीतकर सदन में पहुंची महिला सांसद को दोबारा चुनाव लड़ने का अवसर ही नहीं दिया गया। प्रस्तुत है बाराबंकी से **रीतेश श्रीवास्तव की रिपोर्ट...**

गंगा देवी

प्रियंका सिंह रावत

बाराबंकी लोकसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित है। इस समय यह सीट भारतीय जनता पार्टी के कब्जे में है। पहले इस सीट को कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता था। इस आम चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी एल पुनिया की साख दांव पर लगी हुई है।

प्रमुख दलों की बात करें तो इसमें से पांच बार कांग्रेस ने इस सीट पर विजय पताका फहरायी है। दो बार समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की है जबकि दो बार भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली है। एक बार बसपा प्रत्याशी भी यहां से जीतने में कामयाब रहा है। अब तक सिर्फ दो बार महिलाएं सांसद के रुप में चुनकर संसद पहुंची हैं।

बाराबंकी लोकसभा सीट पर सबसे पहले 1952 में गंगा देवी चुनाव जीत कर संसद पहुंचने वाली पहली महिला बनीं थी। 62 साल के इंतजार के बाद 2014 में भाजपा के टिकट पर प्रियंका रावत ने जीत हासिल कर इस सूखे को खत्म किया था। 1989, 1991 और 1996 में रामसागर रावत ने इस सीट पर जीत दर्ज करके जीत की हैट्रिक लगाई थी। वर्ष 1998 में पहली बार भाजपा का इस सीट पर खाता खुला था। तब बैजनाथ रावत ने भाजपा उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी।

अगले चुनाव में राम सागर रावत ने सपा प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की थी। 2004 में बसपा के कमला प्रसाद को जीत मिली थी लेकिन 2009 में कांग्रेस के पीएल पुनिया 25 साल बाद इस सीट से जीत दर्ज करके सांसद निर्वाचित हुए। लेकिन 2014 में भाजपा की प्रियंका रावत ने जीत दर्ज की।

53 लोकसभा सीट बाराबंकी से अब तक चुने गए सांसद

वर्ष	प्रत्याशी का नाम	पार्टी	वोट
2019	उपेद्र सिंह रावत	भाजपा	5,35,917
2014	प्रियंका सिंह रावत	भाजपा	4,54,214
2009	डॉ.पीएल पुनिया	कांग्रेस	328418
2004	कमला प्रसाद	बीएसपी	1,96,370
1999	राम सागर	समाजवादी	2,10,958
1998	बैजनाथ रावत	भाजपा	2,28,368
1996	राम सागर	समाजवादी	1,80,912
1991	राम सागर	जेपी	1,21,803
1989	राम सागर	जेडी	1,99,180
1984	कमला प्रसाद	कांग्रेस	2,02,790
1980	राम किंकर	जेएनपी(एस)	1,35,481
1977	राम किंकर	बीएलडी	2,06,061
1971	कुंवर रुद्र प्रताप सिंह	कांग्रेस	1,52,477
1967	आर एस यादव	एसएसपी	1,18,233
1962	राम सेवक यादव	एसओसी	76,545
1957	स्वामी रामानंद	कांग्रेस	1,58,270
1952	गंगा देवी	कांग्रेस	1,23,427

चुनाव को रोचक बनाते थे नारे...

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

● **दमदार नारों से हमेशा चुनावी मैदान में ताल ठोकते रहे हैं धुरंधर**

अमृत विचार: किसी भी पार्टी के प्रत्याशी को जीत हासिल करने में नारों की भी अहम भूमिका रही है। हर बार नारे बदलते रहे। पक्ष और विपक्ष कटाक्ष करते हुए नारे तैयार करता था और शहर से लेकर गांव तक पहुंच कर इन नारों के माध्यम से चुनाव में वैतरणी पार की जाती थी, लेकिन अब नारों की अहमियत कम हो रही है।

एक नारा ऐसा था जो हर प्रत्याशी के समर्थन में लगाया जाता था 'कोई नहीं टक्कर में क्यों पड़े हो चक्कर में।' लेकिन जैसे-जैसे चुनाव का परिदृश्य बदला नारों की अहमियत भी कम होने लगी और इसकी जगह नोट और बाहुबल ज्यादा दिखने लगा। आजादी के बाद 1952 में जनसंघ की स्थापना हुई। जनसंघ का चुनाव निशान था दीपक। उस दौरान नारा दिया गया 'हर हाथ को काम हर खेत को पानी, घर-घर दीपक जनसंघ की निशानी।' 1967 के चुनाव में जनसंघ का नारा था 'उज्ज्वल भविष्य की है तैयारी, बच्चा-बच्चा अटल बिहारी'। वर्ष 1974 में इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं और महंगाई चरम पर थी। उस दौरान हुए चुनाव में इंदिरा और महंगाई को लेकर विपक्ष ने नारा दिया 'ये देखो इंदिरा का खेल, खा गईं राशन पी गई तेल।' वर्ष 1980 में ऐसा दौर भी आया जब कई नेताओं ने कांग्रेस को छोड़कर दूसरी पार्टी ज्वाइंट कर ली। इसे लेकर भी नारा बना 'दलबदलू फंसा शिकंजे में मुहर लगेगी पंजे में।' 1985 में कांग्रेस शासन के दौरान चीनी की कीमत सात रुपये किलो तक पहुंच गई थी, जबकि उसके पहले की सरकार में चीनी तीन रुपये किलो थी। विधानसभा चुनाव में विपक्षी पार्टियों ने नारा दिया 'चीनी मिलेगी सात पर जल्दी पहुंचोगे खाट पर, इंदिरा जी की बात पर पहुंच जाओगे घाट पर। वर्ष 1985 के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी का नारा था 'तिलक तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार।' वर्ष 1996 के विधानसभा चुनाव में बसपा का नारा था 'चढ़ गुंडन की छाती पर, बटन दबाओ हाथी पर'। इसके जवाब में विपक्ष ने नारा दिया 'चढ़ बहुजन के हाथी पर, गोली मारो छाती पर। बुजुर्ग एवं राजनीति में सक्रिय रहने वाले 80 वर्षीय हरिश्चंद्र सिंह बताते हैं कि पहले नारों की बहुत अहमियत थी। अब तो लोभ और लालच दे दिया जाता है। नारे लगते थे रैलियां निकलती थीं और जोश के साथ लोग नारे लगाते हुए आगे बढ़ते थे। इन्हीं नारों से चुनाव की नैया पार लगती थी।

भाजपा प्रत्याशी पर टिकीं सबकी निगाहें

हाईप्रोफाइल सीट सुलतानपुर में मेनका या फिर कोई और ...

गठबंधन से सपा ने भीम निषाद को बनाया है उम्मीदवार, भाजपा की जारी दो सूची में मेनका गांधी का नाम न होने से मिल रही हवा

मनोज कुमार मिश्र, सुलतानपुर

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। सभी राजनीतिक दलों में प्रत्याशियों के नाम पर मंथन तकरीबन अंतिम चरण में है। भाजपा की दो सूची में सांसद मेनका गांधी का नाम नहीं होने से सुलतानपुर लोकसभा सीट सर्वाधिक चर्चित सीटों में शुमार हो गई है। भाजपा के दावेदारों से लेकर अन्य दलों तक की निगाह भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के रुख पर टिकी है। सब पर पल-पल भारी पड़ रहा है। चर्चाओं का बाजार गर्म है।

पूर्व में अमेठी का जिला मुख्यालय होने के कारण गांधी-नेहरू फैमिली की आमद-रफ्त यहां होती रही है। संजय गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी से लेकर राहुल गांधी तक नामांकन के लिए यहां आते रहे हैं। अमेठी से बिल्कुल सटी होने के कारण इसका खास रुतबा रहा। रायबरेली, अमेठी के साथ ही इस सीट के प्रत्याशी पर भी गांधी नेहरू परिवार ही अंतिम मुहर लगाता था। वरुण गांधी और मेनका गांधी के यहां से चुनाव लड़ने के बाद सियासी लिहाज से यह सीट और अहम हो गयी। वर्तमान में मेनका संजय गांधी यहां से सांसद हैं, लेकिन मौजूदा चुनाव में उनकी उम्मीदवारी चर्चा का विषय बनी है। नेपथ्य में इसकी वजह उनके पुत्र वरुण गांधी को माना जा रहा है। पिछले पांच सालों में उन्होंने कई बार अपनी ही सरकार के खिलाफ बोलकर पार्टी को असहज किया है। वरुण के रुख से भाजपा में ही मेनका गांधी के विरोधियों के साथ ही नए दावेदार भी टिकट के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाए हैं। यहां से भाजपा प्रत्याशी के रूप में सरोजनीनगर लखनऊ के विधायक राजेश्वर सिंह, पिछली बार गठबंधन से बसपा उम्मीदवार रहे पूर्व विधायक चंद्रभद्र सिंह सोनू, रायबरेली के ऊंचाहार सीट से विधायक मनोज पांडेय, लंभुआ के पूर्व भाजपा विधायक देवमणि द्विवेदी, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व जिले के मूल निवासी प्रेम शुक्ला, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी व पूर्व विधान परिषद सदस्य डा. वीणा पांडेय समेत कुछ अन्य नाम चर्चा में हैं। फिलहाल भाजपा यहां से अगर फिर जीतती है तो उसकी हैट्रिक के साथ ही एक नया रिकॉर्ड भी बनेगा।

मां मेनका गांधी के साथ वरुण गांधी।

दो बार भाजपा ने दर्ज की जीत

2014	
वरुण फिरोज गांधी भाजपा	4,10,348
पवन पांडेय बसपा	2,31446
शकील अहमद सपा	2,28144
अमिता सिंह कांग्रेस	41,983
2019	
मेनका संजय गांधी भाजपा	4,58,196
चंद्रभद्र सिंह सोनू बसपा	4,44,670
डॉक्टर संजय सिंह कांग्रेस	41,681

कब कौन बना सांसद

सन	विजयी प्रत्याशी	पार्टी
1952	काजिम अली	कांग्रेस
1957	गोविंद मालवीय	कांग्रेस
1961	गनपत सहाय (उप चुनाव)	निर्दलीय
1962	कुंवर कृष्ण वर्मा	कांग्रेस
1967	गनपत सहाय	निर्दलीय
1969	श्रीपति मिश्र (उप चुनाव)	बीकेडी
1971	केदारनाथ सिंह	कांग्रेस
1977	जुल्फिकार उल्ला	जनता पार्टी
1980	गिरिराज सिंह	कांग्रेस
1984	राज करन सिंह	कांग्रेस
1989	रामसिंह	जनता दल
1991	विश्वनाथ दास शास्त्री	भाजपा
1996	देवेंद्र बहादुर राय	भाजपा
1998	देवेन्द्र बहादुर राय	भाजपा
1999	जयभद्र सिंह	बसपा
2004	मो. ताहिर खान	बसपा
2009	संजय सिंह	कांग्रेस
2014	वरुण गांधी	भाजपा
2019	मेनका गांधी	भाजपा

चुनाव कमाल का...

- 1971 में विपक्ष के 'इंदिरा हटाओ' नारे पर इंदिरा गांधी का 'गरीबी हटाओ' नारा भारी पड़ा। उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस ने लोकसभा की 545 सीटों में से 352 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस (ओ) के खाते में सिर्फ 16 सीटें ही आई। भारतीय जनसंघ ने चुनाव में 22 सीटें जीतीं। सीपीआई ने चुनाव में 23 सीटें जीतीं। जबकि सीपीआईएम के खाते में 25 सीटें आईं।
- 1977 जनवरी 23 ही वो दिन था जब अचानक इंदिरा गांधी ने आकाशवाणी के जरिए देश में आम चुनाव की घोषणा की। देश में तीन दिन में ही चुनाव संपन्न हो गए। चुनाव 16 से लेकर 19 मार्च 1977 के बीच हुए।
- 22 मार्च 1977 को आए चुनाव नतीजे ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया। चुनाव में कांग्रेस गठबंधन को मात्र 153 सीटें ही मिली थीं। इस चुनाव में पूरा विपक्ष समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में गोलबंद हुआ था। जनता पार्टी को चुनाव चिन्ह नहीं मिल पाया था, जिसकी वजह से पार्टी ने 'भारतीय लोक दल' के चिन्ह "हलधर किसान" पर चुनाव लड़ा और 298 सीटें जीतीं।

चुनावी तीर

मध्यप्रदेश में 29 लोकसभा सीट हैं, लेकिन कांग्रेस के बड़े से बड़े नेता चुनाव लड़ने को तैयार नहीं हैं। कांग्रेस ने पद यात्रा निकाली, जहां-जहां से यात्रा निकली, लोग कहते हैं कांग्रेस छोड़ो यात्रा थी और वो जहां-जहां गए लोग कांग्रेस छोड़ते चले गये।

-डॉ मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

भाजपा ने जे.पी. पटेल को खूब सम्मान दिया और सचेतक भी बनाया। भाजपा में उनका भविष्य बहुत उज्ज्वल था। लेकिन, जब वह अपने राजनीतिक करियर को डुबोने के लिए डूबते जहाज पर सवार होना चाहते हैं तो हम क्या कर सकते हैं? उनके कांग्रेस में शामिल होने से चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

-प्रतुल शाहदेव, भाजपा प्रवक्ता

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन स्वार्थ पर आधारित है और इसका उनकी पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वह राजधानी की सातों लोकसभा सीट पर जीत हासिल करेगी। हम बहुत सकारात्मक अभियान चला रहे हैं और 10 साल के रिपोर्ट कार्ड के साथ लोगों के बीच जा रहे हैं। अबकी बार 400 पार केवल नारा नहीं है बल्कि एक संकल्प है जिसे वास्तविकता में बदला जाएगा।

- बांसुरी स्वराज, भाजपा प्रत्याशी दिल्ली

सल्तनत समाजवादियों की, अब भाजपा के पक्ष में

सियासी समीकरण

7 बार जसवंतनगर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए मुलायम सिंह

1989 में बसपा के संस्थापक कांशीराम को इसी सीट से मिली थी एकलौती जीत और पहुंचे थे संसद में

पिछले चार चुनावों में प्रमुख दलों को मिले मत (प्रतिशत में)

चुनाव	भाजपा	सपा	बसपा	कांग्रेस
2022 विस	41.6	37.0	17.3	1.10
2019 लोस	51.1	44.8	----	----
2017 विस	40.7	28.8	25.3	----
2014 लोस	46.8	28.4	20.5	1.4

विधानसभा	भाजपा	सपा
इटावा सदर	1,21,783	89,704
भरथना सु.	1,07,551	1,20,940
दिबियापुर	90,461	88,849
औरैया सु.	95,564	84,239
सिकंदरा	1,04,315	72,225

● मनोज त्रिपाठी, कानपुर

अमृत विचार। लोकसभा की सूबे में हॉट सीट इटावा में चौथे चरण में 13 मई को वोट डाले जाएंगे। कानपुर मंडल का यह जिला कभी प्रदेश की राजनीति की धुरी था। नेताजी मुलायम सिंह यादव और वर्तमान में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की जन्म और कर्मस्थली के रूप में पहचान वाले इस जिले को यादव लैंड भी कहा जाता है। मुलायम सिंह जिले की जसवंतनगर विधान सभा सीट से सात बार विधायक चुने गए, जबकि उनके भाई शिवपाल सिंह यादव चार बार इसी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे। हालांकि जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र इटावा लोकसभा में नहीं आता है और मैनपुरी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है।

इटावा सुरक्षित लोकसभा सीट है। इसमें तीन ज़िलों की पांच विधानसभा सीटें शामिल है। कानपुर देहात की सिकंदरा विधानसभा, औरैया जिले की औरैया और दिबियापुर तथा इटावा जिले की भरथना और सदर विधान सभा सीट को मिलाकर इटावा लोकसभा क्षेत्र का गठन किया गया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में इनमें से तीन सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। दो सीटों पर सपा ने कब्जा जमाया था। 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा के डॉ राम शंकर कठेरिया विजयी रहे थे। उन्होंने सपा के कमलेश कठेरिया को 64,359 वोटों से हराया था।

इटावा लोकसभा सीट कांग्रेस के एकाधिकार वाले जमाने में भी समाजवादियों के गढ़ जैसी रही है। 1957 में यहां से सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर कमांडर अर्जुन सिंह भदौरिया ने जीत हासिल की थी। हालांकि 1962 में कांग्रेस के गोपीनाथ दीक्षित ने सोशलिस्ट पार्टी को मात दी, लेकिन 1967 में अर्जुन सिंह भदौरिया ने वापस सीट कांग्रेस से छीन ली। 1971 में कांग्रेस के श्रीशंकर तिवारी विजयी रहे पर 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर एक बार फिर अर्जुन सिंह भदौरिया ने जीत का परचम लहरा दिया। इसके बाद 1980 में जनता पार्टी के राम सिंह शाक्य फिर 1984 में कांग्रेस के चौ. रघुराज सिंह जीते। 1989 के चुनाव में जनता दल से दोबारा राम सिंह शाक्य के बाद इटावा ही वह एकलौती लोकसभा सीट रही जहां से 1989 में बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम को जीत मिली और वह संसद में पहुंचे। 1996 में यहां से सपा के टिकट पर तीसरी बार राम सिंह शाक्य सांसद बने। लेकिन 1998 में भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरीं सुखदा मिश्रा ने जीत के साथ पहली बार यहां भाजपा का झंडा फहरा दिया। लेकिन 1999 और 2004 के चुनाव में सपा के रघुराज सिंह तो 2009 में प्रेमदास कठेरिया सफल रहे। 2014 की मोदी लहर में भाजपा ने पुनः इस सीट पर कब्जा किया और उसके प्रत्याशी अशोक दोहरे विजयी रहे। 2019 में भाजपा ने आगरा से दो बार सांसद रहे डॉ राम शंकर कठेरिया को इटावा से टिकट दिया तो उन्होने पार्टी का कब्जा इस सीट पर बरकरार रखा। इस बार फिर भाजपा ने भरोसा जताते हुए उन्हें प्रत्याशी घोषित किया है। सपा ने इस बार यहां से जितेंद्र दोहरे को टिकट दिया है।

दलित बाहुल्य पर यादव-मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में

इटावा लोकसभा सीट पर 18 लाख से ज्यादा कुल मतदाताओं में अनुसूचित जाति के मतदाताओं की संख्या लगभग पांच लाख है। ब्राह्मण मतदाता दो लाख से कुछ ज्यादा तो यादव वोटर लगभग दो लाख और मुस्लिम मतदाता डेढ़ लाख तक हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में इटावा में 58 फीसदी से अधिक मतदान हुआ था। सपा के कमलेश कठेरिया को 4 लाख 57 हजार 454 वोट प्राप्त हुए थे। भाजपा के डॉ रामशंकर कठेरिया को 5 लाख 21 हजार 815 वोट मिले थे। भाजपा ने सांसद अशोक कुमार दोहरे का टिकट काटकर डॉ. राम शंकर कठेरिया को मैदान में उतारा था। कांग्रेस ने भाजपा छोड़कर आए अशोक कुमार दोहरे को टिकट थमा दियाथा। 2014 के लोकसभा चुनाव में इटावा सीट पर 55.04 फीसदी मतदान हुआ था। भाजपा के अशोक कुमार दोहरे ने सपा के प्रेमदास कठेरिया को एक लाख 72 हजार 946 वोटों से मात देकर जीत हासिल की थी। अशोक कुमार दोहरे को 4,39,646 वोट मिले थे, जबकि प्रेमदास कठेरिया ने 2,66,700 वोट पाए थे। बसपा के अजय पाल सिंह जाटव को 1,92,804 वोट हासिल हुए थे। कांग्रेस उम्मीदवार हंस मुखी कोरी 13397 वोटों के साथ चौथे नंबर पर रहे थे।

2019 में भरथना विधानसभा पिछड़ गई थी भाजपा

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भरथना सुरक्षित विधान सभा क्षेत्र में सपा ने बढ़त बनाई थी, हालांकि अन्य चार विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा आगे रही थी। विधानसभा वार दोनों दलों के प्रत्याशियों को मिले मत इस प्रकार थे।

नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों से हारे थे धर्मेंद्र यादव

● प्रदीप सक्सेना, बदायूं

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। जिले में तीसरे चरण 7 मई को मतदान होना है। सपा ने धर्मेंद्र की जगह शिवपाल यादव प्रत्याशी घोषित किया है। अभी भाजपा और बसपा के प्रत्याशियों के नामों की घोषणा होना शेष है। बदायूं लोकसभा सीट सपा का गढ़ मानी जाती है। हालांकि 2019 में सपा उम्मीदवार को 18 हजार से कुछ अधिक मतों से हार का सामना करना पड़ा था। तब करीब 19 हजार वोट नोटा और निर्दलीय उम्मीदवारों को तिले थे। वहीं राजनीतिक पंडित सपा बसपा के बीच गठबंधन होने से लोगों की नाराजगी को भी सपा उम्मीदवार की होने की वजह बता रहे हैं। बहरहाल शिवपाल के आने से मुकाबला दिलचस्प होगा।

1951 से 2014 तक हुए लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी ने सबसे अधिक छह बार जीत दर्ज की है। 2014 में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव एक लाख 40 हजार से अधिक वोटों से जीते थे। 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने 28 वर्षों से चले आ रहे सूखे को खत्म करते हुए जीत दर्ज की थी। सपा के धर्मेंद्र यादव की हार में नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों को बजह माना जा सकता है। उस समय चार निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। उन्हें 10621 वोट मिले थे। वहीं 8606 लोगों ने नोटा का बटन दबाया था। निर्दलीय और नोटा को कुल 19,227 वोट पड़े थे। जबकि भाजपा प्रत्याशी संघमित्रा मौर्य की जीत 18,454 वोटों से हुई थी।

2019 के चुनाव में 18000 से अधिक मतों से सपा प्रत्याशी की हुई थी हार

19,000 से अधिक मिले थे वोट नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों को

2019 के चुनाव में यह रहा था परिणाम

भाजपा	5,11,352
समाजवादी पार्टी	4,92,898
कांग्रेस	51,947
ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लाक	4,347
निर्दलीय उम्मीदवार	10,621
कल्याणकारी जनता पार्टी	1,336

कैराना से चार बार महिलाएं बनी सांसद

सहारनपुर

- किसी भी प्रमुख पार्टी ने इस बार महिला को नहीं बनाया है अपना उम्मीदवार
- सहारनपुर सीट कभी भी कोई महिला सांसद नहीं हुई निर्वाचित

पहले नंबर की लोकसभा सीट सहारनपुर को इस बात के लिए भी जाना जाता है कि आजादी के बाद से हुए लोकसभा चुनावों में कभी भी यहां से कोई महिला सांसद निर्वाचित नहीं हुई है। दूसरी ओर इसी मंडल की कैराना सीट इस मामले में सौभाग्यशाली है कि वहां से चार बार महिलाएं लोकसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं। इनमें सबसे पहले 1980 में प्रधानमंत्री रहे चौधरी चरणसिंह की पत्नी गायत्री देवी, रालोद से अनुराधा चौधरी और दो बार तबस्सुम हसन लोकसभा चुनाव जीती।

तबस्सुम हसन एक बार समाजवादी पार्टी से और दूसरी बार राष्ट्रीय लोकदल से सांसद बनीं। महत्वपूर्ण है कि इस बार भी कैराना सीट पर प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी से इकरा हसन मैदान में हैं। आजादी के बाद से सहारनपुर लोकसभा सीट से कभी भी कोई महिला सांसद लोकसभा में नहीं पहुंची है। इस बार भी किसी प्रमुख पार्टी ने महिला को अपना उम्मीदवार नहीं बनाया है। छह बार कांग्रेस, तीन बार बसपा, तीन बार भाजपा के सांसद बने जबकि पांच बार रसीद मसूद सांसद निर्वाचित हुए। इस चुनाव में रसीद मसूद के भतीजे इमरान मसूद कांग्रेस-सपा गठबंधन से प्रत्याशी हो सकते हैं। दोनों दलों का शीर्ष नेतृत्व उनके नाम पर मोहर लगा चुका है।

सहारनपुर लोकसभा में महिला सांसद भेजने में तो नाकाम रहा है लेकिन जहां तक विधानसभा का सवाल है तो कई महिलाएं जैसे दलित समाज की शकुंतला देवी, विमला राकेश, राजपूत समाज से शशिबाला पुंडीर, रानी देवलता, बसपा प्रमुख मायावती और सत्तो देवी विधायक रही हैं। शकुंतला देवी कांग्रेस की दिग्गज महिला नेत्री रही हैं। वह चार बार विधायक बनीं। विमला देवी विपक्ष में रहीं और छह बार विधायक चुनी गईं। सहारनपुर मंडल के मुजफ्फरनगर से बहन मालती शर्मा भाजपा की ओर से राज्यसभा सदस्य रही हैं। वहां से भी कभी कोई महिला लोकसभा में नहीं गई है। पड़ौस की बिजनौर लोकसभा सीट से मुख्यमंत्री मायावती, लोकसभा अध्यक्ष कांग्रेस की मीरा कुमार और ओमवती तीनों दलित समुदाय से सांसद चुनी गईं और बिजनौर की प्रतिष्ठा बढ़ाई।

18वीं लोकसभा के चुनाव में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और बिजनौर से कोई भी महिला उम्मीदवार नहीं है। केंद्र सरकार ने आगामी चुनावों के लिए महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण का कानून बना दिया है। लेकिन वर्तमान स्थिति बेहद दयनीय है। जबकि महिला मतदाताओं की संख्या पुरूषों की तुलना में थोड़ी-बहुत ही कम है लेकिन उनकी मतदान में भागीदारी पुरूषों से कहीं भी पीछे नहीं है।

युवा व महिला के हाथ सियासी घमासान की बागडोर

● बृजेश तिवारी, अल्मोड़ा

- दोनों वर्गों को साधने के लिए राष्ट्रीय दलों का गणित हुआ तेज
- छह विधानसभा क्षेत्रों में पुरुषों से महिला मतदाता अधिक

महिला मतदाताओं की संख्या में कितना हुआ इजाफा

जिला	2019	2024	कुल वृद्धि
अल्मोड़ा	2,57,573	2,60,529	2,956
पिथौरागढ़	1,84,143	1,85,292	951
बागेश्वर	1,02,701	1,06,647	3,946
चंपावत	91,090	98,209	7,119
कुल	6,35,705	6,50,677	14,972

चारों जिलों में युवा मतदाताओं की स्थिति

18 से 19 साल	21,000 से अधिक
20 से 29 साल	2,60,000 के पार
30 से 39 साल	3,37,000 के ऊपर

लोकसभा चुनावों की तिथि और मुख्य राजनीतिक पार्टियों के उम्मीदवारों की घोषणा के बाद अब सियासी दलों ने भी अपने राजनीतिक दावपेच चलने शुरू कर दिए हैं। कुमाऊं के चार पहाड़ी जिलों वाली अल्मोड़ा लोकसभा सीट की बात करें तो यहां मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही रहा है। इसलिए इस बार भी दोनों राष्ट्रीय दल एक दूसरे को पटखनी देने के लिए तैयार बैठे हैं। अगर बात सत्ता की बागड़ोर की करें तो इस सीट पर इसका फैसला यहां की महिला और युवा मतदाता करेंगे। क्योंकि चार इस सीट पर सबसे अधिक संख्या महिला और युवा मतदाताओं की है।

हिमालयन रीजन की अल्मोड़ा लोकसभा सीट पर इस बार कुल 13,59,815 मतदाता हैं। जिनमें महिला मतदाताओं की संख्या 6,50,677 है। जो करीब कुल मतदाताओं का 48 फीसद के आसपास है। चौदह विधानसभाओं वाली इस सीट में से छह विधानसभाएं ऐसी हैं, जहां महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से काफी अधिक है। इससे भी मजबूत स्थिति इस सीट पर अलग-अलग आयु वर्ग के युवा मतदाताओं की भी है। ऐसे में इन दो वर्गों का रुझान जिस दल की तरफ सबसे अधिक होगा। जीत का परचम लहराने में उसी दल को कामयाबी मिलेगी। इसलिए सियासी दलों की नजर महिला और युवा मतदाताओं पर सबसे अधिक है। सियासी दल इन चुनावों के प्रति महिलाओं और युवाओं में उत्साह जगाने के लिए कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं।

इस चुनाव में बढ़ गई 15 हजार के करीब महिला मतदाता

अल्मोड़ा सीट पर इस बार कुल 6 लाख 50 हजार से अधिक महिला वोटर्स हैं। यह आंकड़ा बीते लोकसभा चुनावों को देखते हुए तकरीबन 15 हजार अधिक है। अल्मोड़ा जिले में 2,60,529 महिला मतदाता हैं। पिथौरागढ़ जिले में 1,85,292, बागेश्वर जिले में 106647 और चंपावत जिले में 98209 महिला मतदाता हैं। सबसे कम महिला मतदाता वाले जिले चंपावत में पिछली बार के बजाय इस बार सबसे अधिक 7119 महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ी है।

चार दशक पहले बदली राजनीति फिर पटरी पर नहीं लौटी

● राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

- अयोध्या के इर्द गिर्द घूमती रही सूबे की सियासत
- आंदोलन के समांनांतर चला जातीय सियासत का दौर
- भगवा संग विकास ने बदल दी सियासी तस्वीर

अमृत विचार: चार दशक पहले प्रदेश की राजनीति बदली तो फिर पटरी पर नहीं लौटी। सत्ता और सियासत, अयोध्या के इर्द-गिर्द घूमती रही। कई उतार-चढ़ाव आए। राम मंदिर आंदोलन के समांनांतर जातीय सियासत का दौर चला तो सत्ता आती-जाती रही। तीन दशक तक प्रदेश की सियासत में पहले जैसी स्थिरता नहीं रही। भगवा संग विकास ने एक बार फिर प्रदेश को सियासत की नई दिशा दी है।

सियासी उथल-पथल का यह दौर अयोध्या से ही शुरू होता है। राम मंदिर निर्माण को लेकर साल 1984 में अयोध्या से दिल्ली के लिए रथयात्रा निकली। उस दौरान प्रदेश में प्रचंड बहुमत वाली कांग्रेस की सरकार थी। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के चलते यात्रा रोकनी पड़ी, लेकिन आंदोलन की तासीर गर्म ही रही। उन दिनों कांग्रेस के साथ जनता दल की रस्साकशी शुरू हो गई थी। 1989 में प्रदेश के चुनाव में मंदिर आंदोलन और मंडल कमीशन की सियासत कुछ इस तरह गरमाई की विधानसभा चुनाव में जनता दल 208 सीटों तक पहुंच गई। कांग्रेस को झटका लगा। वह 54 पर ठहर गई। बीजेपी का 57 सीटों के साथ उदय हुआ। मंदिर आंदोलन परवान चढ़ा। अयोध्या छावनी बनी। 30 अक्टूबर व 2 नवंबर 1990 की घटनाओं ने कई मायनों में नया इतिहास रच दिया। जनमानस को झकझोरा।

वर्ष 1991 के चुनाव में रामलहर ने भाजपा को 425 में से 221 सीटों तक पहुंचा दिया। जनता दल जेडी 92 पर सिमट गई। यह दौर आंदोलन के चरम का था। राजनीति के महारथियों ने आंदोलन से उपजी सहानुभूति को रोकने की कोशिश शुरू कर दी। जातीय सियासत के चलते बसपा और सपा का प्रभाव बढ़ा। 1996 के विधानसभा चुनाव में इसका असर दिखा। आंदोलन के बावजूद भाजपा 174 पर ठहर गई। सपा के 110 के साथ बसपा ने 67 सीटें हथिया लीं। साझा सरकारों का दौर शुरू हुआ। सत्ता की चासनी में सियासत करवट लेने लगी। अयोध्या के मंदिर आंदोलन से शुरू हुए दो ध्रुव भाजपा और सपा के साथ बसपा कदमताल करने लगी। 2002 का चुनाव आते-आते जातीय समीकरणों ने भगवा ब्रिगेड को 88 सीटों पर समेट दिया। आमने-सामने सपा और बसपा आ गईं। सपा के 143 के सामने बसपा 98 सीटों के साथ खड़ी हो गई। वोटों के आंकड़ें बताते है कि अंतरधारा में अयोध्या आंदोलन का प्रभाव बरकरार रहा, लेकिन बसपा की जातीय सियासत ने पांच साल में सपा को भी पीछे छोड़ दिया। नए ध्रुव के रूप में 2007 में बसपा 206 सीटों के साथ सत्ता में पहुंच गई। राम मंदिर आंदोलन के साथ खड़ी भाजपा 51 पर और विरोध करने वाली सपा 97 पर ठहर गई, लेकिन राजनीति की अंतरधारा में इन दोनों के टकराव ने अयोध्या को केंद्र में बनाए रखा। जातीय समीकरण के साथ आंदोलन पर सपा के रुख का प्रभाव बढ़ गया। 2012 में सपा सत्ता की शीर्ष पर फिर एक बार पहुंच गई। उसे 224 सीटों का स्पष्ट बहुमत मिला गया। 80 सीटों के साथ बसपा सत्ता से फिसल गई। 1991 में 221 सीटें हथियाने वाली भाजपा 47 पर आ गई।

क्रिकेट के खेल और राजनीति में कुछ भी संभव है। यह 2017 के विधानसभा चुनाव में दिखा। राम मंदिर आंदोलन की पृष्टभूमि और विकास के नए नारे ने 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्तासीन कर दिया। असर यह हुआ कि 2017 में एक बार फिर भाजपा को प्रदेश में सत्ता शीर्ष तक पहुंच गई। ऊफान पर चढ़ी जातीय सियासत जमीन की ओर लुढ़कने लगी। सत्ता में रहने वाली सपा 47 सीटों पर सिमटी तो बसपा का हाल इससे भी खराब रहा, वह 19 पर अटक गई। विकास और भगवा का चटख रंग न केवल केंद्र बल्कि प्रदेश में बरकरार रहा। 2019 के लोकसभा चुनाव के साथ 2022 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भगवा बिग्रेड 255 सीटों के साथ सत्ता पर काबिज रह गई। सपा 111 तक पहुंच पाई। बसपा परिदृश्य से ओझल होने की स्थिति में पहुंचने लगी। 90 के दशक के पहले राजनीति के एक ध्रुव पर कांग्रेस और दूसरे ध्रुव पर विपक्षी हुआ करते थे लेकिन अयोध्या की सियासी ऊर्जा ने कांग्रेस और विपक्ष के बीच होने वाली सियासी जंग को अतीत की बात तक सीमित कर दिया। 40 साल बाद भी उत्तर प्रदेश की राजनीति उस दौर में नहीं लौट पाई।

लोस चुनाव के लिए आयकर विभाग का नियंत्रण कक्ष

नई दिल्ली

चुनाव आयोग को चुनाव में काले धन के उपयोग को रोकने के लिए सहायता करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत आयकर विभाग निवासियों को लोकसभा आम चुनाव, 2024 में स्वच्छ और निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करते हुए राजधानी दिल्ली में सातों दिन और चौबीस घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है और टॉल फ्री नंबर जारी किया जिसके माध्यम से शिकायत की जा सकती है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार आयकर निदेशालय (अन्वेषण), दिल्ली ने आदर्श आचार संहिता के दौरान चुनावी उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाने वाली संभावित / संदिग्ध बेहिसाब नकदी, सर्राफा और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की आवाजाही पर निगरानी रखने के लिए एनसीटी दिल्ली में कई व्यवस्थाएं की हैं। लोकसभा आम चुनाव, 2024 के संबंध में, अन्य उपायों में, निदेशालय ने सिविक सेन्टर, नई दिल्ली में नियंत्रण कक्ष खोला है एवं एक टोल-फ्री नंबर 1800112300, लैंडलाइन नंबर 011-23232312/31/67/76 और मोबाईल नंबर 9868168682 भी जारी किया है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति एनसीटी दिल्ली में बेहिसाब नकदी, बूलियन और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की संदिग्ध आवाजाही/वितरण के संबंध में आयकर विभाग से बातचीत कर सकता है और जानकारी भी दे सकता है। निवासी टोल-फ्री नंबर पर संपर्क कर सकते हैं, और फोन करने वाले को नियंत्रण कक्ष के समक्ष किसी भी व्यक्तिगत विवरण, जैसे नाम या पहचान के अन्य विवरण, का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि प्राप्त जानकारी विश्वसनीय और कार्रवाई योग्य हो।

नियंत्रण कक्ष आदर्श आचार संहिता की संपूर्ण अवधि के दौरान दिल्ली में क्रियाशील रहेगा यानी आम चुनाव, 2024 की घोषणा की तारीख से, जब तक दिल्ली में ये खत्म नहीं हो जाते। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की भावना के साथ नागरिकों से अनुरोध किया जाता है कि वे दिल्ली एनसीटी के संबंध में, प्रासंगिक जानकारी उपर्युक्त नंबरों के माध्यम से निदेशालय से साझा करके, अपनी सहायता प्रदान करे। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। (एजेंसी)

अमृत विचार
www.amritvichar.com

नाप्राप्यमभिवाञ्छन्ति नष्टं नेच्छन्ति शोचितुम्।
आपत्सु च न मुह्यन्ति नराः पण्डितबुद्धयः॥

जो व्यक्ति दुर्लभ वस्तु को पाने की इच्छा नहीं रखते, नाशवान वस्तु के विषय में शोक नहीं करते तथा विपत्ति आ पड़ने पर घबराते नहीं हैं, डटकर उसका सामना करते हैं, वही ज्ञानी हैं।

संपादकीय

प्रधानमंत्री की भूटान यात्रा

लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को दो दिवसीय यात्रा पर भूटान जा रहे हैं। इस दौरान वह भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और उनके पिता जिग्मे सिंग्ये वांगचुक (भूटान के पूर्व नरेश) से मुलाकात करेंगे। बुधवार को प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि यह यात्रा दोनों पक्षों को पारस्परिक हित के द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान करने और दोनों देशों के लोगों के लाभ के लिए हमारी अनुकरणीय साझेदारी को विस्तारित एवं मजबूत करने के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करेगी। यह यात्रा भारत और भूटान के बीच नियमित रूप से होने वाली उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा और सरकार की 'पड़ोसी प्रथम की नीति' पर जोर देने की कवायद के अनुरूप है। चीन के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री की इस यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भूटान पारंपरिक तौर पर भारत के करीब रहा है। भारत और चीन भूटान में अपने सामरिक और सीमाई हित देखते हैं। बीते सालों में भूटान में भारत से निर्भरता घटाने और अपने हितों में विस्तार के लिए इतर भी संभावनाएं तलाशने पर राय बन रही है। भूटान भारत और चीन के मध्य अवस्थित है। चीन ने हाल के दशकों में वैश्विक स्तर पर तरक्की की है और भूटान पर उसके साथ सीमा विवाद को सुलझाने का दबाव बढ़ रहा है। भूटान चीन के साथ 477 किमी का बॉर्डर साझा करता है। चीन 1961 से ही भूटान के एक इलाके पर दावा करता आ रहा है। भूटान और चीन 1984 से सीमा विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

इस बीच भूटान ने अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को अक्षुण्ण रखते हुए भारत के साथ संबंध प्रगाढ़ किए और चीन के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने का मार्ग अपनाया। चीन और नेपाल की नजदीकियां सामरिक और व्यापारिक तौर पर बढ़ी हैं तथा चीन अपने पूर्वी तट से भी सामरिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में भूटान को अपने आंतरिक घेरे में लेने की चीन की कवायद गौर करने लायक है। जबकि भूटान की विकास परियोजनाओं का भारत ने न सिर्फ खाका खींचा है, बल्कि उनमें भारी निवेश भी किया है। भारत ने भूटान में अरबों डॉलर का निवेश किया है। अपनी तरफ से भारत भूटान का सबसे बड़ा विकास साझेदार बना रहेगा। विश्लेषकों के मुताबिक यह यात्रा दोनों पक्षों को अनूठी साझेदारी में प्रगति की समीक्षा करने और भारत भूटान के बीच मित्रता व सहयोग के स्थायी संबंधों का विस्तार करने के तरीकों साधनों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी।

अभी बहुत दूर है लोकतंत्र की मंजिल

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

> भारत के संविधान की अवधारणा स्वतंत्रता के राष्ट्रीय आंदोलन का प्रतिफल है। स्वतंत्रता का आंदोलन सत्ता परिवर्तन का आंदोलन नहीं था, वह लोकतंत्र का आंदोलन बन चुका था। राष्ट्रीय आंदोलन ने लोकतंत्र के मूल्य विकसित किए थे। उस समय वे मूल्य समूचे राजनैतिक-सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में इस प्रकार व्याप्त थे कि कोई चाहकर भी उनकी उपेक्षा नहीं कर सकता था। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया और मान लिया कि संप्रभुता का स्रोत जनता है, लोक जीवन है। संसार के बहुत से विकसित और विकासशील देशों में किसी न किसी रूप में जनतंत्रात्मक समाज और आंदोलन शासन प्रणाली का प्रारंभ हुआ। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया था और मान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत जनता है।

> राष्ट्रीय आंदोलन पर विचार करें तो महात्मा गांधी ने पहचान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत लोक चेतना में होता है। उन्होंने जनता को जनार्दन कहा था। कहा ही नहीं था, हृदय से स्वीकार किया था। यह विश्वास उनके चिंतन का और सत्याग्रह आंदोलन का आधार था।

अभी हम लोकतंत्र के मार्ग पर चल रहे हैं, फिर भी लोकतंत्र की मंजिल अभी बहुत दूर है। रास्ते में अनेकानेक रुकावटें और बाधाएं आ रही हैं और हमारा संघर्ष उन बाधाओं से चल रहा है, लेकिन हम लोकतंत्र के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। ये बाधाएं और रुकावटें बहुत ही शक्तिशाली हैं। सामंती मानसिकता हो या व्यक्ति और वर्ग के स्वार्थ हों। कदम-कदम पर कांटों की तरह चुभते हैं। कोई दल ऐसा नहीं, जहां जनता के प्रति निष्ठा का महत्व हो। कहने को तो सभी यही कहते हैं कि हम जनता के सेवक हैं और जनता के लिए प्राण न्यौछावर कर देंगे, किंतु वास्तविकता यह है कि प्रत्येक दल में नेता या सुप्रीमो के प्रति व्यक्तिगतनिष्ठा का महत्व है। नेता के जयजयकार और यश-गायन से ही मेवा मिलती है तो कोई जनता की सेवा भला क्यों करेगा?

हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी समस्या है, लोक से अपरिचय। लोक के प्रति हमारे शासकों का अंग्रेजों के जमाने से चला आया नजरिया। महात्मा गांधी ने भारत की पैदल यात्राएं भी कीं, लोक को जगाया और लोकमानस में जगह बनाई, लेकिन उनके बाद लोक संपर्क के सरकारी विभाग बन गए। चुनाव के समय जनता में गए जरूर पर लोकजागरण के लिए नहीं, भ्रमित करके वोट पाने के लिए। अनेक देशों में लोकतंत्र का विस्तार और उसकी प्रकृति को समझने के लिए विश्वविद्यालयों में लोकवार्ता के स्वतंत्र विभाग हैं। भारत के अधिकांश विश्वविद्यालयों में लोकवार्ता के स्वतंत्र विभाग नहीं हैं।

हमारे लोकतंत्र की समस्याओं के समाधान का रास्ता विदेशों से होकर आता है। विशेषज्ञों के दल विदेशों में जाते रहे हैं, अभी भी जाते हैं। वे कुछ शब्द विदेशों से आयात कर के ले आए, लोकतंत्र के प्रतिनिधियों ने कमर कस ली कि भारत के लोकतंत्र को इन शब्दों के चौखटे में जड़ के ही मानेंगे। हथौड़ा चला रहे हैं, परेशान हैं कि भारत का लोकतंत्र इन शब्दों के चौखटे में क्यों नहीं आता? दूसरों को देखकर हम चलना सीख सकते हैं, दूसरों के पैरों से नहीं चल सकते। चलने के लिए पैर भी अपने होंगे और रास्ता भी अपना होगा। ग्लोबल युग है तो संसार के देशों से मेलजोल, आदान-प्रदान जरूरी है, होगा। विशेषज्ञों के दल आएंगे और जाएंगे, ठीक है, सवाल यह है कि क्या किसी एक विशेषज्ञों के दल ने भी इस विशाल देश के लोगों के जीवन में गहरे स्तरों पर पंहुचकर लोकमानस की विषमताओं, विडंबनाओं, संगतियों, विसंगतियों, आस्थाओं, कल्पनाओं, सपनों को समझने का कोई एक भी सच्चा और योजनाबद्ध प्रयास किया?

राष्ट्रीय आंदोलन पर विचार करें तो महात्मा गांधी ने पहचान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत लोक चेतना में होता है। उन्होंने जनता को जनार्दन कहा था। कहा ही नहीं था, हृदय से स्वीकार किया था। यह विश्वास उनके चिंतन का और सत्याग्रह आंदोलन का आधार था। उन्होंने जान लिया था कि जनता उनको शासक मान रही है, तभी तक वे शासक हैं, जिस क्षण जनता उनको अस्वीकार कर देगी, उसके बाद वे शासक नहीं रह जाएंगे। इसलिए उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया। नमक कानून को तोड़ना तो एक प्रतीक भर था, लेकिन यह साम्राज्य को एक चुनौती थी। हम तुमको और तुम्हारे कानून को अस्वीकार करते हैं, तुम्हारी अवज्ञा करते हैं, हम तुमसे अब नहीं डरते। लोगों का मन बदल गया, लोग निर्भय हो गए। शासक भय दिखाकर शासन करता है, किंतु जब उसके सामने यह चुनौती आ गई कि सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजू-ए-कातिल में है। भय समाप्त, शासन समाप्त। भारत छोड़ो आंदोलन वाले दिन गांधीजी ने बतला दिया कि संप्रभुता के स्रोत तुम स्वयं हो। तय कर लो कि अब अंग्रेज तुम्हारे शासक नहीं हैं।

भारत के संविधान की अवधारणा स्वतंत्रता के राष्ट्रीय आंदोलन का प्रतिफल है। स्वतंत्रता का आंदोलन सत्ता-परिवर्तन का आंदोलन नहीं था, वह लोकतंत्र का आंदोलन बन चुका था। राष्ट्रीय आंदोलन ने लोकतंत्र के मूल्य विकसित किए थे। उस समय वे मूल्य समूचे राजनैतिक-सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में इस प्रकार व्याप्त थे कि कोई चाहकर भी उनकी उपेक्षा नहीं कर सकता था। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया और मान लिया कि संप्रभुता का स्रोत जनता है, लोक जीवन है। संसार के बहुत से विकसित और विकासशील देशों में किसी न किसी रूप में जनतंत्रात्मक समाज और आंदोलन शासन प्रणाली का प्रारंभ हुआ। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया था और मान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत जनता है। संसार के बहुत से विकसित और विकासशील देशों में किसी न किसी रूप में जनतंत्रात्मक समाज और जनतंत्रात्मक शासन प्रणाली का प्रारंभ हुआ। आज हम लोकतंत्र के युग में जी रहे हैं। हमारे राष्ट्रीय जीवन की सामजिक-राजनैतिक, सांस्कृतिक-आर्थिक-साहित्यिक समस्त गतियों का केन्द्र लोकजीवन है। विचार कीजिए कि क्या यह लोकतंत्र किसी राजा-बादशाह अथवा सम्राट ने कृपा पूर्वक दे दिया था। क्या यह लोकतंत्र एक दिन आसमान से बरस पड़ा था। क्या संविधान सभा ने किसी सनक या उत्तेजना में लोकतंत्र के मार्ग का वरण कर लिया था। वास्तव में लोकतंत्र लोक जीवन के युगयुगीन संघर्ष का प्रतिफल है। संप्रभुता राज सिंहासन या राजमुकुट में से नहीं निकलती, संप्रभुता का स्रोत तो लोकचेतना ही है। लोकमानस की स्वीकार्यता। लोकमानस अस्वीकार कर दे तो सम्राटों के सिंहासन भी हिल जाते हैं।

देशी हों या विदेशीः क्रूर राजाओं आक्रांताओं, दस्युओं, बादशाहों, सामंतों, जमींदारों ने क्या-कुछ कम जुल्म ढाए थे? लोक जीवन-लोक संस्कृति, लोक आस्था एवं लोकविश्वास को कुचलने में कोई कसर छोड़ी थी क्या? बार-बार निर्मम प्रहार किया, परंतु वे प्रहार करने वाले इतिहास के मलबे में दबकर खाद बन गए और विजयिनी लोक संस्कृति का विटप महक रहा है। संप्रभुता का स्रोत अस्त्र-शस्त्रों में नहीं होता। अस्त्र-शस्त्रों या सैन्यबल से कुछ समय के लिए जनता को दबाया तो जा सकता है, किंतु जैसे ही जनता अपनी एकता की शक्ति को पहचान कर खड़ी हो जाती है, तब वह सैन्य बल बिखर जाता है। संप्रभुता का स्रोत लोकचेतना में है। आज हम लोकतंत्र के युग में जी रहे हैं। हमारी आधारभूत समस्याओं का मूल है, तंत्र की लोक से अनपहचान। तंत्र में वे सभी बुद्धिजीवी भी हैं, जो लोक को अभी भी रैयत या प्रजा समझ रहे हैं।

एक न्यायमूर्ति के मुंह से तंत्र के मन की बात रपट पढ़ी थी, जब उसने कहा था कि देश की 90 जनता ईडियट है और क्या सामंतवाद के सींग होते हैं? यही वृत्ति उन शिक्षाशास्त्रियों की है, जो अपने राजनैतिक आश्रयों के मत-वाद को परम-तत्व के समान मानकर उनका साहित्यिक भाष्य करते रहे हैं।

प्रसंगवश

उम्र के जालिम जाल-फरेब

चंद्रभूषण
वरिष्ठ पत्रकार

लोगों की उम्र उनकी जन्मतिथि से निकाली जाती है। वैज्ञानिक दायरों में इसे समयबद्ध आयु (क्रोनोलॉजिकल एज) कहते हैं। इस नाप के साथ कुछ बुनियादी मुश्किलें जुड़ी हैं। पचास-पचपन साल का एक इंसान मजे से हाफ मैराथन दौड़ लेता है। जबकि उसी उम्र के दूसरे मनुष्य के लिए अक्सर बाजार से सब्जी लाना भी पहाड़ हो जाता है। इस फर्क को समझने के लिए जैविक उम्र (बायोलॉजिकल एज) की धारणा आई जिसका इस्तेमाल सेक्सोलॉजी, संतानोत्पत्ति और जीवनशैली से जुड़े चिकित्सा क्षेत्रों में किया जा रहा है, लेकिन इंसान की उम्र का खेल समझना उसकी शारीरिक बारीकियों में जाने से कहीं ज्यादा कठिन है।

क्या इस खेल में कुछ भूमिका उसके मन की भी होती है? यदि हां तो कितनी? इसे ठोस रूप में समझने के लिए आत्मगत आयु, सब्जेक्टिव एजिंग की शब्दावली चलन में आई जिसके दो पहलू हो सकते हैं। एक यह कि आप खुद को कितने साल का महसूस करते/करती हैं (फेल्ट एज) और दूसरा यह कि आप कितने साल के होना/दिखना चाहते/चाहती हैं (आइडियल एज)। इस बारे में कामकाजी आंकड़ें पूरी दुनिया में अभी केवल एक संस्था नॉर्वेजियन लाइफ कोर्स, एजिंग एंड जेनरेशन स्टडी (नोरलाग) के पास हैं जिसने सन् 2001 में 40 से 80 साल की उम्र वाले विविध संस्कृतियों और शैक्षिक स्थिति के कुल 6292 स्त्री-पुरुषों से फोन पर फॉर्म भराकर उनकी राय लेना शुरू किया और इस क्रम में 2002, 2007 और 2017 में यानी पहले एक, फिर पांच और दस साल के अंतर पर उनके आयु संबंधी सारे वस्तुगत और मनोगत ब्यौरे इकट्ठा किए।

दुनिया की कई नामी शोध संस्थाएं फिलहाल इन आंकड़ों पर काम करके महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाल रही हैं जिनमें सन् 2020 में आई कैंब्रिज यूनिवर्सिटी की एक स्टडी बहुत खास है। उम्र के उत्तरार्ध में पैदा होने वाली समस्याओं पर केंद्रित इसके विशद निष्कर्षों में एक यह है कि हर इंसान खुद को अपनी वास्तविक उम्र से छोटा महसूस करता है और उससे भी छोटा होना/दिखना चाहता है, लेकिन कमसिन होने की यह इच्छा जीवन को लेकर उसका असंतोष बढ़ा देती है। नतीजा यह कि उसके जीवन की गुणवत्ता और कम हो जाती है।

विलुप्ति की कगार पर कई वन्यजीव प्रजातियां

दीपक नौगांई
शिक्षक, नैनीताल

> हिमालय की ऊंची पहाड़ियों में भूरा भालू और लाल लोमड़ी भी देखी गई थी, पर आज शायद ही कभी किसी को ये दिखलाई देते हों।

पहाड़ी क्षेत्रों के संदर्भ में विकास के कथित मॉडल को पहाड़ के लोगों के उत्थान से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन स्थानीय जैव विविधता से खेलकर बनाई जा रही सड़कें, बांध व कंक्रीट के बढ़ते जंगल दरअसल विकास की दोषपूर्ण अवधारणा की उपज है। हिमालय ने देश के उत्तरी भाग में जीवन और सभ्यता के विकास के लिए आवश्यक जलतंत्र की रचना सहित वन और जैव संपदा के विशाल भंडार से हमें नवाजा है, लेकिन बीते कुछ दशकों में हमने अपने हितों के लिए जिस बेरहमी से हिमालय और उसकी उपत्यकाओं से अंधाधुंध छेड़छाड़ की, उसी का परिणाम है कि आज कई वन्य जीवों की प्रजातियां या तो पूरी तरह से लुप्त हो गई हैं या फिर विलुप्ति की कगार पर हैं।

उत्तराखंड के संदर्भ में जिन पशु-पक्षियों के जीवन पर वन व वनस्पतियों के विनाश, मौसम परिवर्तन, जंगल की आग, हिम रेखा के सिकुड़ने, भोजन की कमी तथा वन तस्करों की बढ़ती सक्रियता के कारण संकट उत्पन्न हुआ है, उनमें हिमबाघ, गुलदार, कस्तुरी मृग, भालू, जंगली सुअर, काकड़, घुरड़, जंगली मुर्गी, मोनाल, चितराल, जंगली बिल्ली, खरगोश, चकोर, बटेर, मछलियों में महासीर आदि शामिल हैं। वन पक्षी एवं पशु संरक्षण अधिनियम, भारतीय वन अधिनियम, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम आदि कई कानून जंगल के जानवरों की सुरक्षा के लिए बने हैं, परंतु कथित विकास के सामने ये तमाम कानून बेअसर हैं।

पहाड़ी क्षेत्रों में हो रहे सड़क व बांध निर्माण तथा पर्यटन विकास के नाम पर हो रहे कार्यों से जहां पहले से ही अस्थिर भू-क्षेत्र में अनेक खतरे पैदा हो रहे हैं, वहीं कभी हजारों की संख्या में पाई जाने वाली विशिष्ट हिमालयी प्राणियों की नस्लें लुप्त होने को अभिशप्त हैं। हिमालय में मौसम परिवर्तन तथा वन्य क्षेत्र में मानव की बढ़ती दखलंदाजी की सर्वाधिक मार हिमबाघ पर पड़ी है। ऊपरी हिम आच्छादित क्षेत्र में हिमबाघ अब दिखाई नहीं देते। अस्सी के दशक में उत्तराखंड में छह हिमबाघ पाए जाने की सूचना वन विभाग के पास थी।

इसी तरह भागीरथी, मंदाकिनी व अलकनंदा के जल ग्रहण क्षेत्र में पाई जाने वाली जंगली बिल्ली व पैंथर भी अब दिखलाई नहीं देते। घटते वन क्षेत्र, नदियों से छेड़छाड़, अवैध अतिक्रमण तथा मानव प्रभाव से भयभीत ये वन्य जीव लुप्त होने को बाध्य हैं। यदि सरकार ने समय रहते गंभीरता से इनके संरक्षण के प्रयास किए होते तो ये जीव आज हिमालय के अपने प्राकृतिक आवासों पर विचरण रह होते। अनेक सुंदर हिमालयी जीव अपने को जीवित रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन्हीं में से एक है, उत्तराखंड का राज्य पशु कस्तुरी मृग। इसकी नाभि में मौजूद सुगंधित कस्तुरी के कारण इसका बहुत महत्व है, पर यह कस्तुरी ही इस खुबसूरत जीव के विनाश का कारण बन रही है। एक कस्तुरी मृग से एक समय में 25 से 30 ग्राम कस्तुरी प्राप्त होती हैं जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लाखों में है। यही कारण है कि यह खुबसूरत मृग शिकारियों द्वारा मारे जा रहे हैं। कभी पहाड़ में इनकी अच्छी खासी संख्या थी, पर आज ये अंगुलियों में गिनने लायक रह गए हैं। जाड़ों में भारी हिमपात के कारण मृग निचले इलाकों में चले आते हैं और आसानी से मारे जाते हैं।

हिमालय की ऊंची पहाड़ियों में भूरा भालू और लाल लोमड़ी भी देखी गई थी, पर आज शायद ही कभी किसी को ये दिखलाई देते हों। सड़क निर्माण के लिए हो रहे विस्फोटकों की भयावह आवाज से भयभीत वन्य जीव पलायन को विवश है। प्रतिकूल परिस्थितियों को सहनकर जो विजयी है, वही जीवित भी है। जंगली बकरा भी विलुप्त होने के कगार पर है। यह बुरांस तथा बेतुला के वृक्षों से आच्छादित जंगल में रहना पसंद करता है, पर मानवीय हस्तक्षेप और हर साल जंगलों में आग लगने से कई वन्यजीवों की तरह यह जीव भी जल कर मरने को शापित है। अगर गुलदार और बाघ की बात करें तो ये नरभक्षी हो चले हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि जंगल में न तो इनके लिए सघन वन क्षेत्र रह गया है और न ही शिकार के लिए पर्याप्त जानवर। कहीं संसाधनों की कमी है तो कहीं मैनपावर की। एक अन्य रक्षित प्रजाति का जीव हिमालयी थार भी अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ रहा है। 90 से 100 सेमी ऊंचे इस जीव का वजन सौ किलो से अधिक होता है। यह भी अब विलुप्त हो रही प्रजातियों की सूची में है। अधिकांश वन्यजीव अब राष्ट्रीय अभयारण्यों तक ही सीमित होकर रह गए हैं। इनकी संख्या कम होती देखकर लगता है कि उजड़ना और खत्म होना ही वन्य जीवों की नियति बनकर रह गई है। यह क्रम जारी रहा तो एक दिन हिमालय की घाटियों में पशु-पक्षियों के कलरव व चहचहाट के स्थान पर केवल सन्नाटा ही सुनाई देगा।

सोशल फोरम

अब तो कहानी हो गई गौरैया

वीर विनोद छावड़ा
वरिष्ठ लेखक, लखनऊ

गौरैया! हां, जानी-पहचानी चिड़िया। एक जमाना था जब ढेर दिखती थीं। बिजली और टेलीफोन की लाइव लाइनों पर दूर तक एक लाइन से बैठीं दिखती थीं। मुंडेरों पर, खिड़कियों पर और आंगन में कपड़े सुखाने के लिए बंधी रस्सी पर भी।

घर से स्कूल जाने के रास्ते और फिर स्कूल में ढेर चिड़ियां इधर-उधर बैठी दिखतीं। कभी-कभी ऐसा भी होता कि मास्साब पढ़ा रहे होते और मैं ऊपर रोशनदानों में बैठी चिड़ियों के कार्यकलाप देख रहा होता था। मास्साब जाने कब आकर कान उमेठ कर डपट देते-ये चिड़ियां इम्तिहान पास कराने नहीं आएंगी।

दुमंजिले पर घर में एक स्टोर। उसकी खिड़की बाहर की ओर खुलती है। ये कभी-कभार ही खुलती। खिड़की के ऊपर के हिस्से में कांच था। एक दिन कांच थोड़ा सा टूट गया। यानी चिड़ियों के आने जाने के लिए पर्याप्त रास्ता बन गया। किताबों से भरे घर में और किताबें रखने की जगह कम पड़ गई तो पिताजी ने स्टोर में दो रैक टांगकर पुस्तकें भर दीं। चिड़ियों को मौका मिल गया। पुस्तकों के पीछे एक जोड़े ने तिनका-तिनका जोड़कर घौंसला बनाया। थोड़ी मदद मैंने भी कर दी। थोड़ी सूखी घास-फूस लाकर खिड़की पर रख दी। ताकि चिड़िया को तिनका बीनने दूर न जाना पड़े। फिर वो दिन भी आया कि चिड़िया का घोंसला पूर्ण हुआ। उसने अंडे दिए। कुछ दिन बाद उसमें से तीन बच्चे निकले। चिड़िया कहीं से दाना-दुनका चुग कर लाती। बच्चे मां की आहट पाते ही चीं-चीं करके शोर मचाना शुरू कर देते।

बच्चे थोड़ा बड़े हुए। चिड़िया मां ने उन्हें उड़ना सिखाया। चिड़िया का चिड़ा कुछ नहीं करता था। बस बैठा देखा करता था। एक दिन मैंने देखा तीन की जगह दो ही बच्चे हैं। एक पता नहीं कहां चला गया। मां ने आशंका जताई बिल्ली इधर-उधर घूमती रहती है। स्टोर बंद रखा करो। फिर वो दिन आया, बच्चे बड़े हो गए। उन्होंने अपना जोड़ा बना लिया। पुराना जोड़ा जाने कहां फुर्र हो गया। वक्त आगे बढ़ता रहा और उधर पेड़ों के साथ-साथ चिड़ियों की संख्या भी कम होती रही। आज मुझे दूर-दूर चिड़ियां नहीं दिखाई देती हैं। पेड़ भी कट गए हैं।

-फेसबुक वॉल से

पशु पालना स्वास्थ्य संबंधी मुसीबत को निमंत्रण

डॉ. धीरज सिंह
मुंबई

> पालतू पशुओं से विभिन्न रोगों के मानव तक फैलने के रास्ते अलग-अलग हैं। इनमें से चार प्रमुख मार्ग हैं, श्वासनली, आहारनाल, त्वचा और कीट।

आजकल जानवर पालने का फैशन सा चल पड़ा है। गांवों में रोजी-रोटी के लिए तो शहरों में आधुनिकता की आड़ में अभी यह फैशन चलन में बहुत है। सिर्फ कुत्ता या बिल्ली पालने का शौक होता तो गनीमत भी थी, लोग तो खरगोश, सफेद चूहा, कबूतर, तोता, गिरगिट तक पालने लगे हैं। इनके पालने से जानलेवा बीमारियों का खतरा बना रहता है। पालतू पशुओं से विभिन्न रोगों के मानव तक फैलने के रास्ते अलग-अलग हैं। इनमें से चार प्रमुख मार्ग हैं, श्वास नली, आहारनाल, त्वचा और कीट।

पक्षियों का निमोनिया श्वांस नली के जरिए ही पक्षी से मानव तक फैलता है। किसी भी पक्षी से इस रोग का फैलाव होने की संभावना रहती है। बत्तख और हंस के जरिए तक यह रोग फैल सकता है। आहारनाल के जरिए टाइफाइड रोग फैल सकता है। अगर कोई आदमी अक्सर पशुओं को चूमता है तो उसे इस रोग का खतरा हो सकता है। श्लेषमा के जरिए पागल कुत्ते का रोग होने का खतरा होता है। पागल कुत्ते के काटने या बिल्ली के पंजे से चोट लगने के बाद मनुष्य के शरीर में रोग के विषाणु पहुंचते हैं। कुछ वैज्ञानिक शोध की माने तो कुत्ते-बिल्ली जैसे जानवर पालने वाले ज्यादातर लोग किसी न किसी उन बीमारीयों का शिकार/ ग्रसित हुए रहते हैं, जो पालतू जानवरों से आती है। पालतू बिल्लियों से एक बीमारी फैलती है जिसे वैज्ञानिक भाषा में "कैट स्क्रैच डिसीज" कहा जाता है, जो बिल्लियों की खरोंच से फैलती है, जरूरी नहीं है कि बिल्ली गुस्से में ही खरोंचे, वह आप से खेलते और प्यार जताते हुए भी खरोंच सकती है और इस बीमारी को फैला सकती है। पालतू जानवरों से इंसानों में "रिंगवर्म" जैसी बीमारी का खतरा कुछ ज्यादा ही होता है। यह बीमारी आम तौर पर कुत्तों के द्वारा फैलती है। घरों में कुत्तों के साथ सोने बैठने वाले लोगों में त्वचा संबंधित इस बीमारी का खतरा ज्यादा होता है। यह एक प्रकार के फंगस की बीमारी है। त्वचा पर चकते, दाने और लगातार खुजली इसके प्रमुख लक्षण है। घरेलू पक्षी जैसे तोता, कबूतर, मैना पालने वाले लोगों को आम तौर पर "सिटाकोसिस" नामक बीमारी का खतरा बना रहता है। इसे पैरट फीवर भी कहते हैं, ये बीमारी संक्रमित पक्षी के शरीर से हवा के जरिए फैलती है और अगर हम भी उसी हवा में सांस ले रहे हैं तो बीमारी के वायरस नाक के जरिए हमारे फेफड़ों में पहुंच जाते हैं। बीमारी के लक्षणों में बुखार, डायरिया, सूखी खांसी और शरीर में ठिठुरन शामिल है। इस के लिए एंटीबायोटिक की खुराक लेनी पड़ती है वरना इसे नजर अंदाज करने पर लेने के देने पड़ सकते है।

भारत में दूध, दही के लिए गाय और मांस के लिए बकरी व ऊन के लिए भेड़ का पालन किया जाता है। एक बीमारी है, ब्रुसेलोसिस जो बीमार गाय, बकरी और भेड़ से होती है। आमतौर पर संक्रमित गायों या बकरियों का दूध पीने पर ये बीमारी हो सकती है, लेकिन अगर आप इन पशुओं को पालने के शौकीन हैं तो शरीर पर हुए हल्के-फुल्के जख्मों के जरिए भी इस बीमारी के बैक्टीरिया भीतर पहुंच जाते हैं। इसके लक्षण मौसमी फ्लू से मिलते-जुलते होते हैं। बूढ़े-बुजुर्ग लोगों को इससे सबसे ज्यादा खतरा होता है, क्योंकि इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर होती है। साल 2015 से 2018 में दक्षिण, उत्तर और यूरोप में "मैड काऊ डिजीज" फैली थी। तब मनुष्य ने अपनी जान बचाने के लिए ही लाखों गायों को बेवक्त ही गला काट दिया था। यह बेहद खतरनाक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जो मरीज की जान भी ले सकती है। पूरी दुनिया को दहशत जदाकर तब इस बीमारी नें सैकड़ों जानें ली थीं। रेबीज पालतू जानवरों से होने वाली सबसे खतरनाक बीमारियों में गिनी जाती है। वायरस से फैलने वाली ये बीमारी पालतू जानवरों में आसपास रहने वाले जंगली जानवरों से आती है और जानवरों की सफाई के दौरान इंसानी शरीर में इसके वायरस प्रवेश कर जाते हैं। याद रखें असावधान होकर पशु पालना जहरीला सांप पालने के बराबर है। सांप काटेगा तो जहर ही निकलना है और जहर जानलेवा होता है।

व्यंग्य

सीटें आईं हैं

मृदुल पांडेय
सहायक अध्यापक

चुनाव की घोषणा हो गई है। छल-दंभ, द्वेष-पाखंड, झूठ-अन्याय से निस दिन लिप्त रहने वाला गाना प्रत्येक बोलेरो में सुनने को मिलेगा। सीटों का सवाल। हर पांच साल में सीट मिलती हैं। कहीं न कहीं कोई उस पर बैठता है। पंचवर्षीय सीटें पंचकोसी परिक्रमा के बाद प्राप्त हो जाती हैं। दूर से दिखने में कठिन लगता है, पर सीटें मिलना आसान है। जनता है किसी न किसी को सीट दे ही देती है। खुद हमेशा अपने पैरों पर खड़ी रहती है। पैरों पर खड़े रहना काफी अच्छा बताया गया है। खासकर अगर पैर खुद के हों, जो अपने पैरों पर खड़ा है, वो होनहार है।

कहावतें कितनी झूठी बना दी गई हैं। होनहार वो है, जो खुद बैठा रहे और दूसरों को खड़ा रखे। शायद इसीलिए बड़े-बड़े ऑफिसों में साहब के आगे सिर्फ दो कुर्सी होती हैं। खैर अब सीटों का बंटवारा होगा। कुछ सीटें इधर जाएंगी, कुछ उधर जाएंगी। सीटों के पैर होते हैं। हर पांच साल में कहीं न कहीं भागदौड़ लगाती रहती हैं, लेकिन कुछ सीटें हैं, जो जल्दी नहीं मिलती। सत्तर सालों में तो नहीं मिली। इनको पाने में बहुत मशक्कत है। पहले प्रधान के घर जाना पड़ता है, प्रधान ब्लॉक भेजता है, ब्लॉक जिले पर भेजता है और जिला फिर वापस स्कूल। हां, ये प्राथमिक विद्यालय की सीटें हैं जिसको पाना सांसद की सीट पाने से मुश्किल काम है। क्योंकि इस पर विधायक नहीं बैठते, सांसद नहीं बैठते, अधिकारी नहीं बैठते। खेत मे हाड़-तोड़ मेहनत करने वाले हल्कू का लड़का बैठता है, शहर जाकर 500 रुपये की दिहाड़ी करने वाले आत्माराम की बिटिया बैठती है। बप्पा को खेत में काम पर सीट नहीं मिली और उनके संतानों को स्कूल में। यही बप्पा-अम्मा हर पांच साल में सबको एक-एक करके सीट देते हुए आएं हैं और इनका खुद का भविष्य जाड़ा-गर्मी बरसात में चटाई पर बैठ सरस्वती की उपासना कर रहा है। क्या किसी को कभी खाक मतलब रहा है? भारत जहां चुनाव को पर्व माना जाता है, वहां सीटें प्रसाद हैं, जो गिन-गिन कर लोगों को दी जाती है। ऐरे गैरे बच्चों को बैठने के लिए नहीं। ऊपर बैठे लोग भी जानते हैं, अगर इनको बचपन में ही सीटें दे दी गईं तो शायद ये हर जगह सीट की ही मांग करेंगे। फिर उनको विश्वविद्यालय में भी सीट चाहिए होगी, नौकरी की भी सीट चाहिए होगी, चुनाव में भी सीट चाहिए होगी। सीट की आदत ही ऐसी है कि अगर लग जाए तो आदमी बिना सीट के नहीं रह पाता। फिर क्यों न उसे कुछ भी करना पड़ जाए। इसलिए इनको सीट नहीं देना है, पर सीटें आई हैं सत्तर साल बाद ही सही सीटें आई हैं। लड़-झगड़कर ही सही। बच्चे खुश हैं। अपनी सीटें ढो रहे हैं। रिक्शे से क्लास तक ले जा रहे हैं। ललचाई आंखो से देख रहें हैं। साफ कर रहे हैं। बंटवारा कर रहे हैं। इनका बंटवारा चुनाव की सीटों से ज्यादा कठिन है, क्योंकि ये पूरा ख्याल रखा गया है कि सीटें पर्याप्त न हों, सबको सीट न मिल सके, कुछ न कुछ कमी जरूर रखनी है। देश के बच्चों में एडजस्ट करने की आदत बचपन से ही डालना है। इसलिए सीट सिर्फ इतनी हों कि लटक-लटक कर एक पर चार-पांच बैठ सकें। किसी स्कूल में सिर्फ कुछ क्लास के बच्चे ही बैठ सकें। ताकि उनको अपने कर्तव्यों का अहसास हमेशा बना रहे कि उनको बस एडजस्ट करना है। आधे में लटकना है और दिखावा करना है कि उनके पास भी सीट हैं। भारत सीटों का देश है और सीटें आईं हैं।

एक नजर

एमपीपीसीएस-प्री परीक्षा की तिथि बढ़ाई गई

इंदौर। लोकसभा चुनावों के कारण मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा और राज्य वन सेवा परीक्षा 2024 आगे बढ़ा दी है। अब ये परीक्षाएं 28 अप्रैल की जगह 23 जून को होंगी। एमपीपीएससी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि लोकसभा चुनावों के चलते दोनों भर्ती परीक्षाओं का कार्यक्रम बदला गया है।

'न्यूजक्लिक' के खिलाफ जांच को 10 दिन और मिले

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने बुधवार को दिल्ली पुलिस को आतंकवाद रोधी कानून 'यूएपीए' के तहत दर्ज एक मामले में समाचार पोर्टल 'न्यूजक्लिक' के संस्थापक एवं प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ के खिलाफ अपनी जांच पूरी करने के लिए 10 दिन का और समय दिया। 'न्यूजक्लिक' पर भारत में चीन के समर्थन में प्रचार करने के लिये धन लेने का आरोप है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर ने पुलिस के आवेदन पर यह आदेश दिया।

बदायूं हत्याकांड: आयुष के शरीर पर मिले छुरे के 14 निशान

बड़े भाई की हत्या के बाद छोटे भाई की कलाई पर चलाया छुरा, फिर रेत दिया गला, हत्यारोपी के मारे जाने के बाद डीएम ने दिए जांच के आदेश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : दो भाइयों की निर्मम हत्या के दूसरे दिन भी शहर में तनाव का माहौल रहा। स्थिति पर नियंत्रण के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पूरे दिन मुस्तैद रहे। बुधवार को दोंनों भाइयों के शवों का पोस्टमार्टम हुआ तो हत्यारोपियों की निमर्मता सामने आई। इस दौरान पता चला कि बड़े भाई ने हत्यारोपी के हमले से बचने की कोशिश की थी लेकिन छोटा भाई तो विरोध भी नहीं कर पाया था। बड़े भाई के शरीर पर चोट के 14 निशान मिले हैं जबकि छोटे भाई के हाथ पर चोट का निशान था। दोनों के छुरे से कई बार गले रेते गए थे। वहीं हत्यारोपी के मुठभेड़ में मारे जाने के मामले में डीएम ने मजिस्ट्रेट से जांच कराने के आदेश दिए हैं।

मंगलवार की शाम हुई घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। बाबा कॉलोनी नई बस्ती निवासी ठेकेदार विनोद कुमार के बेटे आयुष (13) और आहान उर्फ हन्नू (6) की छुरे और उस्तरा से गला काटकर हत्या कर दी गई। आक्रोशित भीड़ ने बवाल किया। जगह-जगह आगजनी की। हत्यारोपियों के चाचा कमरुद्दीन के मंडी समिति, बाबा कॉलोनी में नौशे, कयामुद्दीन के डायट के पास स्थित खोखे में आगजनी की थी। मंडी चौकी पर बवाल किया था। गुस्साये लोग बच्चों के शव घर से नहीं उठने दे रहे थे। कई थानों का बल होने के बाद भी पुलिस शव नहीं उठा सकी तो सीमा सुरक्षा बल पहुंची। तब जाकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

डीएम मनोज कुमार और एसएसपी आलोक प्रियदर्शी पूरा समय फोर्स के साथ डटे रहे। जिला अस्पताल के दो चिकित्सक त्वचा रोग विशेष डॉ. श्रीपाल और फिजीशियन डॉ. जीके गुप्ता के पैनल ने बुधवार सुबह 9 बजे शवों का पोस्टमार्टम किया। आयुष के शरीर पर गर्दन के अलावा कंधे, पीठ, हाथ, सिर आदि पर चोट के 14 निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर साफ हो रहा है कि हत्यारोपियों ने उसे छुरे से मारने की कोशिश की होगी तो आयुष ने अपना बचाव किया होगा। बचाव के दौरान हत्यारोपी छुरे और उस्तरा से वार करता रहा। आयुष के अचेत होने पर हत्यारोपी ने उसका गला रेत दिया लेकिन 6 साल का आहान उर्फ हन्नू हत्यारोपी का विरोध तक नहीं कर सका। उसकी कलाई पर चोट का निशान था। हत्यारोपी ने दोनों की गर्दन जघन्य तरीके से रेती थीं। गर्दन पर छुरा रखकर फेरता रहा। दोनों की गर्दन आधी अलग हो गई थीं। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने दोनों के शव कछला ले जाकर दफन कर दिए। जिसके बाद मुठभेड़ में ढेर हुए हत्यारोपी साजिद के शव का पोस्टमार्टम हुआ। इस दौरान वीडियोग्राफी भी कराई गई। पुलिस की तीन गोलियां लगने से उसकी मौत हुई थी। दो गोली उसके सीने और एक गोली पेट के बगल में लगी थी। पुलिस ने मृतक बच्चों के पिता की तहरीर पर कस्बा सखानू निवासी दो सगे भाई साजिद व जावेद उर्फ बाबू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। साजिद को मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने मार गिराया वहीं दूसरे आरोपी की पुलिस तलाश कर रही है। एसएसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि फरार आरोपी की धरपकड़ के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं।

इधर, आरोपी साजिद के एनकाउंटर के जांच करने का आदेश जिला मजिस्ट्रेट अधिकारी मनोज कुमार की ओर से दिए गए हैं। उन्होंने इसकी कमान सिटी मजिस्ट्रेट अरुण कुमार के हाथों में सौंपी है। सिटी मजिस्ट्रेट ही इस पूरे एनकाउंटर के जांच की रिपोर्ट तैयार करेंगे। जिसे 15 दिन के अंदर जिला मजिस्ट्रेट को उन्हें सौंपनी होगी।

मृतक आयुष।

मृतक आहान उर्फ हन्नू।

- डीएम ने दिए पुलिस मुठभेड़ की मजिस्ट्रेटी जांच कराने के निर्देश

सिटी मजिस्ट्रेट करेंगे पुलिस मुठभेड़ की जांच

पुलिस मुठभेड़ के दौरान आत्मरक्षा में चलाई गई गोली से हत्यारोपी साजिद की मौत होने की बात कह रही है। इसे लेकर सवाल उठने लगे हैं। डीएम मनोज कुमार ने मुठभेड़ की मजिस्ट्रेट जांच कराने के आदेश दिए हैं। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी सिटी मजिस्ट्रेट अरुण कुमार को सौंपते हुए 15 दिन के अंदर रिपोर्ट देने को कहा है।।

हत्यारोपियों पर हत्या और जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज

बदायूं। दो आरोपी भाइयों के खिलाफ हत्या, जानलेवा हमला और जबरन घर में घुसने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने एक हत्यारोपी को मुठभेड़ में मार गिराया जबकि दूसरा हत्यारोपी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। शहर के बाबा कॉलोनी नई बस्ती निवासी विनोद कुमार के बेटे आयुष और आहान प्रताप उर्फ हन्नू की पास में सैलून चलाने वाले युवक ने गला रेतकर निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी थी। मृतक बच्चों के पिता ने कस्बा सखानू निवासी दो सगे साजिद व जावेद उर्फ बाबू के खिलाफ तहरीर दी। इसमें उन्होंने बताया कि दोनों बाइक से उनके घर पर आए थे। बाइक गेट के बाहर खड़ी करने के बाद साजिद घर में घुसा और जावेद बाहर खड़ा रहा। घर पर विनोद की पत्नी संगीता, मां होमगार्ड मुन्नी देवी, तीन बेटे आयुष, पीयूष और आहान प्रताप थे। साजिद ने संगीता से कहा कि उसकी पत्नी की डिलीवरी होनी है। उसे पांच हजार रुपये चाहिए। चिकित्सक ने रात 11 बजे का समय दिया है। संगीता ने कहा रुको अभी लेकर आती हूं। उसने पीयूष को गुटखा लेने भेज दिया। जिसके बाद छोटे बेटे आहान प्रताप के साथ छत पर चला गया। जहां दोनों बच्चों की हत्या के बाद जावेद भाग गया और भीड़ ने साजिद को पकड़ लिया। बाद में वह भी फरार हो गया, जो कि मुठभेड़ में मारा गया।

साजिद का फाइल फोटो।

जावेद, फरार हत्यारोपी।

हत्यारोपी की मां बोली - गलत करने का सही हुआ अंजाम

बदायूं। सिविल लाइन क्षेत्र की बाबा कॉलोनी के नई बस्ती निवासी विनोद कुमार के दो बेटों की निर्मम हत्या के तीन घंटों के बाद ही पुलिस ने एक हत्यारोपी को मुठभेड़ में मार गिराया जबकि दूसरा हत्यारोपी उसका भाई फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। हत्यारोपियों की मां नाजरीन ने कहा कि पता नहीं किसी के दिमाग में क्या चल रहा है। दोनों बेटे साजिद और जावेद सुबह खाना खाकर जाते थे और रात को लौटते थे। किसी से भी कोई रंजिश नहीं थी। दोनों बच्चों की मौत पर बहुत दर्द है। मुठभेड़ में बेटा साजिद की मौत पर उन्होंने कहा कि जो भी हुआ है, वो सही है। जब गलत करोगे तो अंजाम भी ऐसा ही होगा।

15 दिन से मायके में रह रही है हत्यारोपी की पत्नी : हत्यारोपी साजिद की पत्नी सानी न तो गर्भवती है और न ही अस्पताल में भर्ती है। वह 15 दिनों से अपने मायके थाना बिनावर क्षेत्र के गांव ददमई में रह रही है। उसकी आठ दिन पहले पति से बात हुई थी। जिसके बाद से उसकी बात नहीं हुई। इससे पहले उनका तीन बार गर्भपात हो चुका है।

हत्यारोपी की मां नाजरीन।

फरार जावेद पर 25 हजार का इनाम घोषित

बदायूं। पुलिस ने दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाले एक हत्यारोपी से पुलिस की मुठभेड़ हुई। घायल हत्यारोपी को जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया था। वहीं, दूसरे हत्यारोपी की पुलिस तलाश कर रही है लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका है। जिसके चलते हत्यारोपी जावेद पर पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। वहीं उसको पकड़ने के लिए टीमों की संख्या भी बढ़ाई गई है। पुलिस की 24 टीमों को हत्यारोपी के गिरफ्तारी के लिए लगाया है।

लखनऊ से लिया जाता रहा मामले का अपडेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : बदायूं में दो बच्चों की हत्या और एनकाउंटर को लेकर उठ रहे सवालों के बीच पुलिस मुख्यालय में सरगर्मी तेज नजर आयी। बुधवार सुबह तक यह मामला बदायूं और आसपास तक ही केंद्रित था, लेकिन 10 बजे के बाद पुलिस मुख्यालय के आला अफसर अलर्ट हो गए। एक आरोपी के एनकाउंटर के बाद दूसरे आरोपी की तलाश को लेकर हर आधे घंटे पर घटना और यथास्थिति को लेकर अपडेट लिया जाने लगा। आला अफसर मीडिया को जवाब देने से कतराते रहे। बदायूं में इस घटना के बाद बुधवार को राजधानी का राजनीतिक तापमान गर्म हो गया। कांग्रेस और सपा ने जहां एक तरफ यूपी सरकार को कानून व्यवस्था के नाम पर घेरना शुरू कर दिया। वहीं सोशल मीडिया में बवाल शुरू हो गया। हालात देखते हुए पुलिस मुख्यालय भी अलर्ट हुआ और लगातार कार्रवाई को लेकर आला अफसर जोन के आईजी और एसपी से अपडेट लेते रहे। एक आरोपी का एनकाउंटर हो जाने के बाद पुलिस मुख्यालय में मीडिया कर्मियों ने आला अफसरों से सवाल भी पूछने चाहे, लेकिन अफसरों ने जवाब न देते हुए कार्रवाई में जुटे होने का हवाला दिया। दोपहर दो बजते ही एक अधिकारी को लोकभवन भी बुला लिया गया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
बरेली संस्करण
स्मृतियाँ शेष
निधन | अंतिम यात्रा | पुण्यतिथि
पीपलपानी | स्मृतियां | उठावनी | पगड़ी
साइज व रेट
साइज --------5cmX8cm / 1000 with GST
साइज -------10cmX8cm / 1800 with GST
साइज -------15cmX8cm / 2500 with GST
अन्य साइज कलर 25 रुपए प्रति वर्ग सेमी.।
शोक संदेश प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-
0581-4000222
हेड ऑफिस :- 932, कटरा चांद खां भारत पेट्रोल पम्प के सामने, पीलीभीत बाईपास रोड बरेली 243006

भागीरथी घाट पर दफन हुए दोनों भाइयों के शव

कछला। बुधवार सुबह नौ बजे दोनों भाइयों के शवों का पोस्टमार्टम हुआ। पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिए। दोपहर लगभग 12 बजे परिजन दोनों के शव कछला स्थित भागीरथी घाट ले गए। गमगीन माहौल में दोनों भाइयों को एक साथ दफन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, कादरचौक के पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य और पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव व आदि कछला पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। पुलिस ने मंगलवार देर रात शवों को पोस्टमार्टम हाउस पर रखवाया था। सुबह पैनल के दोनों चिकित्सकों ने समय से पोस्टमार्टम शुरू किया। दोनों के शवों का डेढ़ घंटे तक पोस्टमार्टम हुआ। पुलिस ने शवों को उनके परिजनों को सौंपा। परिजन शवों को कछला स्थित भागीरथी घाट ले गए। जहां जेसीबी से गड्ढा कराकर दोनों भाइयों के शवों को दफन कराया गया।

संगठनों में उबाल, बाजार बंद कराने की हुई कोशिश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: दो बच्चों की निर्मम हत्या के बाद कई संगठनों में बुधवार को उबाल देखने को मिला। उनके द्वारा बाजार बंद कराने की कोशिश की गई। सूचना मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन फानन में एडीएम प्रशासन मौके पर पहुंचे। उन्होंने पदाधिकारियों को समझाया, जो सफल रहा। इसके बाद उन्होंने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर शेष बचे आरोपी को फंदे और उसके घर को ढहाने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसएसपी को सौंपा। इधर, घटना की वजह से लोगों के विरोध के कारण दूसरे समुदाय के लोगों ने दुकानें नहीं खुलीं। बुधवार को विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी दलों के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों की पहले बैठक हुई। इसके बाद वह बाजार बंद कराने की कोशिश करने लगे। इंद्रा चौक के आस पास की कई दुकानों को हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने बंद भी करा दिया। बाजार बंद कराने की सूचना मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। डीएम के आदेश पर एडीएम प्रशासन रेनू सिंह और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। उनके द्वारा समझाने का प्रयास किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद वे लोग मान गए। इसके बाद बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारियों ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसएसपी आलोक प्रियदर्शी को सौंपा। जिसमें उनके द्वारा शेष बचे आरोपी को फांसी की सजा दिए जाने और उसके घर पर बुलडोजर चलाने की मांग की।

सूचना

सूचित किया जाता है कि श्रीमती कटोरी देवी खंडेलवाल पुत्री स्व. प्रयाग दास धर्मपत्नी स्व. राजा राम खंडेलवाल, निवासी-आलमगिरी गंज, मोहल्ला नया टोला, बरेली से बजरिये बयनामा मकान नं. 559/ए, सिकलापुर, बरेली मुवर्खा 25 जून सन् 1964 में खरीद किया था, जिसकी रजिस्ट्री से क्रय किया मृत्यु से पूर्व अपनी वसीयत उर्मिला देवी के नाम कर दी। जिनकी मृत्यु दिनांक 21.01.2000 में हो गयी। उर्मिला देवी की मृत्यु दिनांक 03.10.2022 को हो गयी। मैं उर्मिला देवी का पोता हूँ। मेरे द्वारा या उसके परिवार के सदस्यों के द्वारा कपूरो देवी का मूल बयनामा किसी भी बैंक या वित्तीय संस्था के पास ऋण के रूप में या किसी अन्य गारन्टी बैंक बन्धक नहीं रखा गया है और न ही किसी अन्य को दिया गया बयनामा काफी ढूंढने पर भी नहीं मिल पा रहा है। खोये हुए बयनामे का कोई उपयोगा करेगा तो गैर कानूनी माना जायेगा। यह सम्पत्ति मेरी व अन्य अनमोल अग्रवाल पुत्र श्री अतीश चन्द्र अग्रवाल, निवासी 428 गंगापुर बरेली द्वारा क्रय की जा रही है। **अनमोल पुत्र गोपाल, निवासी- 234, मेन मार्केट, वार्ड नं. 11, उधम सिंह नगर, रूद्रपुर उत्तराखण्ड**

VARUN ARJUN UNIVERSITY
N.H.-24, Banthra, Shahjahanpur
Pharmacy PCI Approved
D.Pharm/B.Pharm
VARUN ARJUN MEDICAL COLLEGE & ROHILKHAND HOSPITAL VAMCRH SHAHJAHANPUR Excellence towards profession
We focus on interdisciplinary research though collaboration with industry, medical college & develop students for future endeavors in healthcare We educate student to serve society by take care of challenges Pharmaceutical industry. We prepare our students for various competitions like exit Exam. Experienced and dedicated faculties are the hallmarks of our institute, who are continuously helping student in publishing research & obtaining patent.
Direct Admission Open
Session 2024-25
100% Placement
Admission Helpline:9455113105
SUN LUPIN Pfizer pil Psychotropics India Limited MACLEODS Canixa Life Sciences
Website:-www.varunarjunmedicalcollege.com, Email ID: varunarjun trust@gmail.com

दीपक कुमार ने संभाला कार्यभार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य के नवनियुक्त अपर मुख्य सचिव (गृह) दीपक कुमार ने मंगलवार देर रात गृह विभाग पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया। 1990 बैच के आईएएस अधिकारी दीपक कुमार बुधवार को भी लगभग पूरा दिन लोकभवन स्थित गृह विभाग के अपने कक्ष में बैठे रहे और अलग-अलग विषयों को लेकर मीटिंग करते रहे। इस दौरान उन्होंने तमाम सरकारी कामकाज निपटाए। राज्य की सुरक्षा व्यवस्था, चुनाव की तैयारियों और आचार संहिता की गाइडलाइन पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश भी दिए।

दीपक कुमार 17 मई 2010 से 14 जून 2012 तक गृह विभाग में सचिव पद पर तैनात रह चुके हैं।

- बैठकें कर आचार संहिता के अनुपालन को लेकर दिए निर्देश

पप्पू यादव की पार्टी का कांग्रेस में विलय

नई दिल्ली, एजेंसी

पांच बार लोकसभा के सदस्य रहे बिहार के प्रमुख नेता पप्पू यादव की जन आधार पार्टी का बुधवार को कांग्रेस में विलय हो गया। कांग्रेस की बिहार की प्रभारी महासचिव मोहन प्रकाश, पार्टी के संचार विभाग विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, बिहार विधानसभा में कांग्रेस के नेता शकील अहमद ने बुधवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में यादव और उनके पुत्र सार्थक यादव को अंग वस्त्र पहनाकर कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। यादव के साथ ही उनके कई समर्थक कांग्रेस में शामिल हो गए। मोहन प्रकाश ने कहा कि पप्पू यादव के आने से कांग्रेस मजबूत होगी और इंडिया गठबंधन को भी बिहार में मजबूती मिलेगी।

- बेटे सार्थक यादव और समर्थकों के साथ ली कांग्रेस की सदस्यता

पप्पू यादव ने कहा कि जनाधार पार्टी सेवा संघर्ष और न्याय पर विश्वास करती है। वह पांच बार सांसद और एक बार विधायक रहे लेकिन उनकी विचारधारा कांग्रेस की रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक मजबूत नेता बताते हुए कहा कि वह मोदी सरकार के खिलाफ सबसे सशक्त आवाज हैं। उन्होंने राहुल गांधी को सबसे सशक्त नेता बताया।

बसपा सांसद दानिश अली कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लोकसभा सदस्य दानिश अली समर्थकों के साथ बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव अविनाश पांडे तथा पार्टी संचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय में उन्हें अंग वस्त्र पहनाकर कांग्रेस में शामिल कराया। उन्होंने कहा कि अमरोहा के सांसद दानिश अली के कांग्रेस में शामिल होने से देश में न्याय की लड़ाई को बल मिलेगा। अली ने कहा कि आज जो देश की परिस्थितियां हैं, वह किसी से छिपी नहीं है।

रद की गई बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा

पटना, एजेंसी। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बाद 15 मार्च को दोनों पालियों हुई शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई) को बुधवार को रद कर दिया है। परीक्षा की नई तिथि बाद में घोषित की जाएगी। बीपीएससी के अध्यक्ष परमार रवि मनुभाई ने बताया कि परीक्षा का तीसरा चरण रर कर दिया गया है। आयोग के सूत्रों के अनुसार टीआरई-तृतीय को रद करने का निर्णय बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) द्वारा पेश की गई रिपोर्ट का विश्लेषण करने के बाद लिया गया। ईओयू ने प्रश्न पत्र लीक के आरोपों की जांच की थी।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली
परिवाद सं.- 151/2023
नोटिस बनाम- Zonal/Regional Manager, Trinity multistate Co-operative Credit Society Ltd.
पता:- Near Chandralok Hospital, Pilibhit bypass Road, Bareilly
आपको सूचित किया जाता है कि आपके विरूद्ध श्रीमती नाजमा बानो पत्नी श्री जाकिर हुसैन मंसूरी निवासी 100, चौधरी तालाब, मस्जिद गौसियान के पास, बरेली ने दिनांक 03.08.2023 को एक शिकायत पत्र उभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अन्तर्गत इस आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया है जिसकी प्रतिलिपि इस नोटिस के साथ संलग्न है।
अत: आपको आदेश दिया जाता है कि आप इस सम्बन्ध में अपना उत्तर स्वयं उपस्थित होकर या अपने अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा इस आयोग के समक्ष दिनांक 04.04.2024 को प्रात: 10:30 बजे तक प्रस्तुत करें तथा अपने कथन के समर्थन में जो अभिलेख दाखिल करना चाहें, दाखिल कर दें। यदि आप नोटिस मिलने पर अपना उत्तर उपरोक्त अवधि के अन्दर प्रस्तुत नहीं करेंगे तो आपके विरूद्ध एक तरफा आदेश पारित कर दिया जायेगा। आज दिनांक 15.02.2024 को जारी किया गया।
आज्ञा से:- अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय बरेली

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL RMCH BAREILLY Excellence towards profession
पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं0 9045372695 रिसेप्शन नं0 : 0581-2526012,11
कमरा नं. 1089A
ओ.पी.डी. समय : प्रात: 9.00 से 3.00 बजे तक
हृदय रोग विभाग की सुविधाएं
- अनुभवी चिकित्सकों द्वारा हृदय रोग का सम्पूर्ण इलाज व सुविधाएं
- इंजियोग्राफी
- एंजियोप्लास्टी
- पेसमेकर
- टी.एम.टी.
- होल्टर टेस्ट (Holter Test)
- बैलून बाल्बोटामी
- इकोकार्डियोग्राफी
- कार्डिएक रीसिंक्रनाइज़ेशन थेरेपी (CRT)
- इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर-डीफिब्रिलेटर (ICD)
हृदय रोग के लक्षण
- क्या छाती में दर्द या भारीपन रहता है और चलने पर बढ़ जाता है?
- क्या आपके पैरों में सूजन आती हैं?
- क्या खाना खाने के बाद सीने या पेट में जलन या दर्द होता है?
- क्या चलने में साँस फूलती है, हाथों में दर्द होता है एवं अचानक बेहोशी आना।
- क्या चलने पर घबराहट होती है?
- क्या आपको डाइबिटिज (शुगर) या हाई कोलेस्ट्रोल, या हाई ब्लडप्रेशर की शिकायत है और साँस फूलती है?
इस प्रकार का कोई भी लक्षण होने पर तुरन्त परामर्श करें
रोहिलखण्ड मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए भर्ती होने पर इलाज मुफ्त
इमरजेंसी एवं आई.सी.यू. सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध अनुभवी चिकित्सकों की देखरेख में
रोहिलखण्ड हॉस्पिटल में इम्पैनल्ड संस्थायें
इम्पैनलॅट संस्थाओं के नाम (कैशलेस-इलाज)
1. आयुष्मान भारत योजना
2. राष्ट्रीय अन्धता नियंत्रण कार्यक्रम (NBCP)
3. हौसला साझेदारी (परिवार नियोजन)
4. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (CGHS)
5. सी.ए.आर.आई. (CARI)
6. एक्स-सर्विसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ECHS)
7. आई.वी.आर.आई. (IVRI)
8. कर्मचारी राज्य बीमा कारपोरेशन (ESIC)
इम्पैनलॅट टी.पी.ए. कंपनी (कैशलेस-इलाज)
1. एचडीएफसी एर्गो
2. एरिकसन इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड
3. सेफवे इंश्योरेंस टी.पी.ए. प्राइवेट लिमिटेड
4. रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस
5. आदित्य बिरला ग्रुप जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
6. जेनिन्स इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड
एन.ए.बी.एच.*'राष्ट्रीय स्तर' द्वारा प्रमाणित संस्था

केजरीवाल के वकील ने दिल्ली हाईकोर्ट से मांगी सुरक्षा

गिरफ्तार न करें तो ईडी के समक्ष पेशी को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने शराब नीति घोटाले के मामले में समन को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर बुधवार को केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने ईडी को दो सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई 22 अप्रैल को होगी। सुनवाई के दौरान पीठ ने मुख्यमंत्री केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि ईडी के समक्ष पेश क्यों नहीं होते। तो सिंघवी ने आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसौदिया और संजय सिंह की ईडी की ओर से की गई गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए जवाब दिया कि उन्हें (मुख्यमंत्री केजरीवाल) को आशंका है कि ईडी उन्हें गिरफ्तार कर लेगी। उन्होंने कोर्ट से कहा कि उन्हें सुरक्षा दी जाए तो वह पेश होने के लिए तैयार हैं।

ईडी का पक्ष रखते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और अधिवक्ता जोहेब हुसैन ने सिंघवी की केजरीवाल को राहत देने की दलीलों का विरोध किया।

- केजरीवाल की याचिका पर कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

बिना सुनवाई हिरासत में नहीं रख सकते

नई दिल्ली। आरोपी के स्वत: जमानत पाने के अधिकार को खत्म करने के लिए धन शोधन मामलों में पूरक आरोपपत्र दाखिल करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रयासों की निंदा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि किसी आरोपी को बिना मुकदमे के हिरासत में रखना कैद के समान है जो स्वतंत्रता में बाधक है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कथित सहयोगी प्रेम प्रकाश की स्वत: (डिफॉल्ट) जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा कि हम आपको (ईडी को) नोटिस दे रहे हैं। (कानून के तहत) मामले की जांच पूरी हुए बिना आप किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकते।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली
परिवाद सं.- 150/2023
नोटिस बनाम- Zonal/Regional Manager, Trinity multistate Co-operative Credit Society Ltd.
पता:- Near Chandralok Hospital, Pilibhit bypass Road, Bareilly
आपको सूचित किया जाता है कि आपके विरूद्ध श्री जाकिर हुसैन मंसूरी पुत्र श्री अनवार हुसैन मंसूरी निवासी 100, चौधरी तालाब, मस्जिद गौसियान के पास, बरेली ने दिनांक 03.08.2023 को एक शिकायत पत्र उभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अन्तर्गत इस आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया है जिसकी प्रतिलिपि इस नोटिस के साथ संलग्न है।
अत: आपको आदेश दिया जाता है कि आप इस सम्बन्ध में अपना उत्तर स्वयं उपस्थित होकर या अपने अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा इस आयोग के समक्ष दिनांक 04.04.2024 को प्रात: 10:30 बजे तक प्रस्तुत करें तथा अपने कथन के समर्थन में जो अभिलेख दाखिल करना चाहें, दाखिल कर दें। यदि आप नोटिस मिलने पर अपना उत्तर उपरोक्त अवधि के अन्दर प्रस्तुत नहीं करेंगे तो आपके विरूद्ध एक तरफा आदेश पारित कर दिया जायेगा। आज दिनांक 15.02.2024 को जारी किया गया।
आज्ञा से:- अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय बरेली

पालतू कुत्तों के हमले में बच्चे की मौत परिजनों ने 10वें दिन दर्ज कराई रिपोर्ट

आरोपियों ने दी थी धमकी, तब नहीं दी थी पुलिस को सूचना

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : थाना खीरी क्षेत्र में चार कुत्तों ने हमला कर पांच वर्षीय बच्चे को मार डाला था। घटना के बाद परिवार वालों ने कुछ लोगों के समझाने पर शव दफन कर दिया था। परिवार वालों ने पुलिस को सूचना नहीं दी थी, लेकिन अब कुत्ता पालने वाले एक युवक और ईंट भट्ठा मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए डीएम से अनुमति लेने की कार्रवाई शुरू कर दी है। उम्मीद जताई जा रही है कि गुरुवार को पुलिस शव निकालकर

शनि।

- ईंट भट्ठा मालिक समेत दो लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज

पोस्टमार्टम के लिए भेजेगी कोतवाली सदर के गांव धोबहा निवासी नारद पुत्र छैलू परिवार समेत ईंट पथाई का कार्य कर परिवार का भरण पोषण करता है। नारद ने बताया कि वह थाना खीरी क्षेत्र के गांव बैरागर के निकट स्थित हरिपाल के ईंट भट्ठे पर पत्नी वंदना देवी के साथ ईंट की पथाई का कार्य कर रहा था। ईंट भट्ठे के निकट ही इसी थाना क्षेत्र के गांव भीरा घासी निवासी गुड्डू का मुर्गी फार्म है, जिस पर उसने देशी नस्ल के चार कुत्ते पाल रखे हैं। घटना नौ मार्च की है। वह लोग भट्ठे पर काम कर रहे थे। दोपहर करीब 12 बजे उनका पांच साल का पुत्र शनि खेलते-खेलते मुर्गी फार्म के पास पहुंच गया। मुर्गी फार्म पर बैठे चारों कुत्तों ने शनि पर हमला कर दिया और उसे नोचकर मार डाला। कुत्तों के हमले से बच्चे का पेट भी फट गया। इसकी जानकारी होते ही परिवार में चीख पुकार मच गई। वह लोग जब मौके पर पहुंचे तो शनि खून से लथपथ मृत अवस्था में पड़ा था। उन्होंने घटना की जानकारी मुर्गी फार्म मालिक गुड्डू और अपने ईंट भट्ठा मालिक हरिपाल को दी।

जीएसटी फर्जीवाड़े के सरगना इनामी दो उद्यमी गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी : देश में 2600 से अधिक फर्जी कंपनी खोलकर भारत सरकार के राजस्व को अरबों रुपये का नुकसान पहुंचाने वाले गिरोह के दोनों सरगना को सेक्टर-20 पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों फर्जी तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट लेकर ठगी कर रहे थे। उन्होंने बताया कि लंबे समय से वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी पर नोएडा पुलिस ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस उपायुक्त (अपराध) शक्ति मोहन अवस्थीह ने बताया कि इनके साथ ही गिरोह के 32 आरोपी अब तक पुलिस के हत्थे चढ़ चुके हैं। गिरफ्त में आए दोनों आरोपी उद्यमी हैं और इनका मेटल का कारोबार है। फर्जीवाड़े के मास्टरमाइंड हरियाणा के सोनीपत निवासी अजय शर्मा एवं संजय जिंदल के तौर पर हुयी है ।

घर के अंदर दो मौसेरे भाइयों की जिंदा जलकर मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- परिजनों ने जमीन के विवाद में हत्या का आरोप लगाया

अमृत विचार : सेन पश्चिम पारा थानाक्षेत्र के कसिगवां गांव में मंगलवार देर रात घर में एक चारपाई पर सो रहे दो मौसेरे भाइयों की जिंदा जलकर मौत हो गई। ग्रामीणों ने देर रात घर से लपटें उठती देखीं तो पुलिस को सूचना देकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। कमरे के अंदर पहुंचने पर दोनों के शव जमीन पर विपरीत दिशा में जले पड़े थे और धुआं निकल रहा था। परिवार वालों ने करोड़ों की जमीन के विवाद में हत्या करने का आरोप लगाया।

परिजनों ने सेन पश्चिमपारा थाना में हत्या की तहरीर दी है। पुलिस हादसा और हत्या इन दोनों बिंदुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जलकर मौत की पुष्टि हुई है, वहीं बिसरा सुरक्षित किया गया है। कसिगवां गांव निवासी प्रेम उर्फ बबलू के परिवार में पत्नी गौरा के अलावा तीन बेटे और दो बेटियां हैं। गांव में ही घर से डेढ़ सौ मीटर दूर उनके साढ़ू का बेटा 23 वर्षीय सुनील उर्फ अनिल रहता था। सुनील के माता-पिता का निधन हो चुका है। वह गैस डिलीवरी का काम करता था। उसके नाम करीब पांच करोड़ कीमत की जमीन है। 24 अप्रैल को उसकी शादी थी। प्रेम ने बताया कि उनके मंझले बेटे 21 वर्षीय राज उर्फ छोटू से सुनील की काफी पटती थी। मंगलवार रात तकरीबन साढ़े 11 बजे सुनील ने राज को नींद न आने की बात कह अपने घर बुला लिया था। करीब दो घंटे बाद रात डेढ़ बजे के आसपास ग्रामीणों ने घर से लपटें और धुआं देखा तो शोर मचाया।

रामलला के दर्शन कर धन्य हो गई : प्रियंका

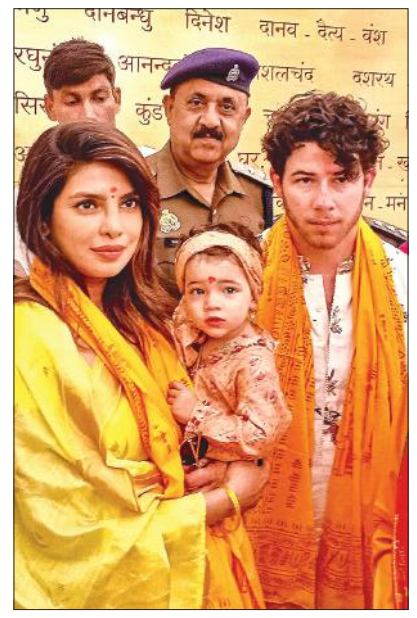

अयोध्या। रामलला के दर्शन पाकर मैं धन्य हो गई हूं। ये बात बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने बुधवार को रामलला के दर्शन के बाद कही। वो पति निक जोनस और बेटी के साथ दर्शन करने आई थीं। राम मंदिर के पुजारी प्रदीप ने प्रियंका व जोनस को तिलक लगाया और ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने रामनामी ओढ़ाकर स्वागत किया। प्रियंका चोपड़ा परिवार के साथ अयोध्या पहुंचीं। भारी सुरक्षा के बीच एयरपोर्ट से प्रियंका चोपड़ा को रामलला के दरबार में पहुंचाया गया।

कॉर्पोरेट धोखाधड़ी वित्तीय संस्थानों को एक बड़ा खतरा

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कॉरपोरेट धोखाधड़ी से संबंधित मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि कॉर्पोरेट धोखाधड़ी वित्तीय संस्थानों और सरकारी कामकाज के अखंडता के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है।

जब पुलिस कॉर्पोरेट धोखाधड़ी, पूंजी योजनाओं, सुरक्षा धोखाधड़ी, लेखांकन धोखाधड़ी, सरकारी धन के गबन सहित साइबर धोखाधड़ी जैसे मामलों में सफल जांच नहीं करती है तो इसका दुष्प्रभाव गहरा और बहुआयामी होता है। ऐसे मामलों से निपटने के लिए सरकारे नियामक अधिकारियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और निजी क्षेत्र से ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। कोर्ट ने आगे कहा कि प्रभावी पुलिस प्रशिक्षण जांच क्षमताओं को बढ़ाने और न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राज्य सरकार को धोखाधड़ी, गबन और मनी लॉन्ड्रिंग सहित वित्तीय अपराधों की जटिलताओं को दूर करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था करनी चाहिए। उक्त आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार बिड़ला और न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की खंडपीठ ने बाबा बेटी की याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया और इस आदेश की प्रति आवश्यक अनुपालन के लिए संबंधित विभागों को भेजने का निर्देश दिया है।

गैंगस्टर अधिनियम के तहत पूर्व एमएलसी को राहत नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने समाज के प्रतिष्ठित लोगों के आपराधिक मामलों में शामिल होने पर टिप्पणी करते हुए कहा की जो लोग एमपी/एमएलए/एमएलसी होने के नाते समाज के रक्षक हैं, उनसे अपराध करने या आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की उम्मीद नहीं की जा सकती है, वर्तमान मामले में याची के लंबे आपराधिक इतिहास व स्वतंत्रता के दुरुपयोग की संभावना को देखते हुए दोषी को जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने कमलेश पाठक की याचिका को खारिज करते हुए दी।

बकाया न मिलने पर टावर पर चढ़े पूर्व नगराध्यक्ष

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः केन ग्रोवर्स नेहरू महाविद्यालय से बकाया भुगतान की मांग को लेकर अधिकारियों द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद वादाखिलाफी से नाराज होकर भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष सुनील गुप्ता मोबाइल टावर पर जा चढ़ गए, जिसकी सूचना पाते ही अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए। तहसीलदार के आश्वासन पर एक घंटे बाद सुनील गुप्ता नीचे उतरे तब अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

नगर के मोहल्ला मुन्नूगंज निवासी भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष, बाथम वैश्य महासभा के अध्यक्ष और युवराजदत्त महाविद्यालय के छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष सुनील गुप्ता केन ग्रोवर्स नेहरू महाविद्यालय प्रबंधन

गोला में मोबाइल टावर पर चढ़े सुनील गुप्ता।

द्वारा बकाया भुगतान न दिए जाने से नाराज होकर मोहल्ला मुन्नूगंज में रक्षादेवी मंदिर के निकट मोबाइल टावर पर चढ़ गए। उनका कहना है कि वर्ष 2013 में उनके भाई राजीव कुमार गुप्ता ने महाविद्यालय में छत के ऊपर हाल बनाने का कॉन्ट्रैक्ट लिया था। दोनों भाइयों ने काम पूरा करा दिया। तब चार लाख का भुगतान

- तहसीलदार के आश्वासन पर एक घंटा बाद नीचे उतरे सुनील गुप्ता

दे दिया गया था। लगभग 90 हजार रुपए बाकी रहे गए थे। जिसका भुगतान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने इससे पहले 18 अक्टूबर से भूख हड़ताल शुरू की थी, जो तीन दिन चली थी। एसडीएम रत्नाकर मिश्र और तत्कालीन तहसीलदार विनोद कुमार गुप्ता भी धरनास्थल पर पहुंच गए थे। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह तहसीलदार की अध्यक्षता में छह सदस्यीय समिति का गठन कर 15 दिनों में मामले का निपटारा करा देंगे, जिस पर सुनील गुप्ता सहमत हो गए थे, फिर एसडीएम रत्नाकर मिश्र और प्राचार्य पंकज सिंह ने जूस पिलाकर हड़ताल खत्म कराई थी।

सार-संक्षेप

सहारनपुर में कर्ज में डूबे किसान ने आत्महत्या की

सहारनपुर, एजेंसी : जिले में कथित तौर पर कर्ज में डूबे एक किसान ने फांसी लगाकर बुधवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि सहारनपुर जिले में गागलहेडी थानाक्षेत्र के ग्राम रसूलपुर में किसान विनोद कुमार (50) ने 2016 में किसान क्रेडिट कार्ड पर दो लाख 80 हजार रूपये का ऋण लिया था, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, इस कारण से वह किश्त का भुगतान नही कर पा रहे थे। पुलिस के अनुसार विनोद के पुत्र राजेश कुमार का कहना है कि मंगलवार को बैंक के चार कर्मचारी उसके गांव पहुचे और जबरदस्ती उसके पिता को गाड़ी में बिठाकर अपने साथ ले जाने लगे। पुलिस के मुताबिक राजेश का कहना है कि इस बीच इस बीच गांव वालों ने किसी तरह कहसुनकर बैंक वालों को समझाया जिससे बैंक वाले विनोद कुमार को छोड़कर वापस चले गये लेकिन इसके बाद से विनोद मानसिक तनाव में आ गया और आज बुधवार को खेत में जाकर उसने गले में माफलर से पेड़ पर फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। राजेश ने थाने में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।

बुजुर्ग दंपति को उनकी कार समेत क्रेन से उठाया

नोएडा, एजेंसी : औद्योगिक शहर नोएडा में पार्किंग संचालकों की दबंगई आये दिन सामने आती रहती है। उनकी दबंगई का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर बुधवार को वायरल हो गया। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक बुजुर्ग दंपति कार में बैठे हुए है। पार्किंग संचालक जबरन उनकी कार को दंपति सहित क्रेन से उठा कर ले जा रहे है। नोएडा शहर में की गई पार्किंग संचालकों की दबंगई को लेकर शहर में यह चर्चा का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया के उपयोगकर्ता इस घटना को लेकर तरह-तरह की टिप्पणी कर रहे हैं। वहीं, नोएडा प्राधिकरण ने इस मामले में कठोर कदम उठाते हुए पार्किंग का संचालन करने वाली कंपनी मैसर्स एमजी इंफ्रा सॉल्यूशन को नोटिस दिया है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी सुमन राज के अनुसार क्रेन संचालक के इस कृत्य से नोएडा प्राधिकरण की छवि धूमिल हुई है। अधिकारियों के अनुसार कई बार उक्त एजेंसी को चेतावनी दी गई थी, लेकिन वह अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रही थी।

राधा रानी की नगरी वृन्दावन में हो रही प्रेम रस की वर्षा

मथुरा, एजेंसी : देश के अन्य भागों में रंग से होली खेलने का अभी इंतजार हो रहा है वहीं राधारानी की नगरी वृन्दावन में बुधवार से ही होली का धूम धड़ाका शुरू हो गया। वृन्दावन की प्रेम भरी होली के लिए यही कहा जा सकता है कि ऐसो रस बरसै वृन्दावन जैसो तीन लोक में नाय हाल की बरसाना की घटना से सबक लेते हुए प्रशासन द्वारा रंगभरनी एकादशी के दिन वृन्दावन में पुख्ता इंतजाम करने के कारण कहीं पर कोई अप्रिय घटना नही घटी यद्यपि आज वृन्दावन की परिक्रमा करने के लिए भी जन सैलाब उमड़ पड़ा और मन्दिर भक्तों से खचाखच भरे हुए थे। जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि कहीं पर किसी प्रकार की अप्रिय घटना नही घटी क्योंकि वृन्दावन को चार जोन और 12 सेक्टर में बांटकर, वाहनो का चालन प्रतिबंधित कर मन्दिरों के प्रबंधकों से तालमेल स्थापित किया गया था। प्रमुख मन्दिरों एवं संवेदनशील स्थानो पर महिलाओं के साथ अभद्रता रोकने के लिए सादा वर्दी में पुलिसकर्मी भी लगाए गए थे। श्यामसुन्दर में गुरूवार से तथा गोपीनाथ मन्दिर में 23 मार्च से रंग की होली शुरू होगी। बांकेबिहारी मन्दिर के सेवायत आचार्य ज्ञानेन्द्र गोस्वामी ने बताया कि मन्दिर के अन्दर गुलाल ले जाने पर रोक के मन्दिर प्रबंधन के आदेश का पुलिस द्वारा सख्ती से पालन कराना सुनिश्चित करने को कहा है।

दंपति को जिंदा जलाने में 8 गिरफ्तार

संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : टिंबर कारोबारी के घर आग लगाने के आरोप में बुधवार को पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। 82 लोगों के खिलाफ अज्ञात में मुकदमा दर्ज किया गया है। 12 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

उधर, बहू अंशिका की खुदकुशी के मामले में भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पिता सरदारी लाल की तहरीर पर ससुराल पक्ष के

- मृतिका के मायके वालों ने भी दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए दर्ज कराई रिपोर्ट
- पिता ने लगाया आरोप-ससुराल वाले 20 लाख रुपये और मकान की मांग कर रहे थे

10 लोगों के खिलाफ दहेज हत्या समेत अन्य आरोपों में केस दर्ज किया गया है। पिता ने आरोप लगाया कि ससुराल वाले 20 लाख रुपये व मकान की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर बेटी को मारकर फंदे पर लटका दिया। उधर टिंबर कारोबारी की बेटी शिवानी की तहरीर पर उसकी भाभी के मायके पक्ष के 10 लोगों को नामजद किया गया है। इसके अलावा 72 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि खुदकुशी की जानकारी होने पर भाभी अंशिका के पिता-भाई व अन्य हमलावर आए और मारपीट कर पूरे परिवार को घर के भीतर बंद कर आग लगा दी। इसमें टिंबर कारोबारी राजेंद्र केसरवानी व उनकी पत्नी शोभा देवी की घर के अंदर ही जलाकर मौत हो गई थी।

बैंक मैनेजर पर छेड़छाड़ का लगाया आरोप

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जैतीपुर क्षेत्र के एक गांव की महिला ने बैंक ऑफ बड़ौदा जैतीपुर शाखा के मैनेजर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता का कहना है कि वह आटा चक्की के लिए ऋण स्वीकृत कराने के लिए मैनेजर के बुलाने पर बैंक पहुंची थी, तभी उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। विरोध करने पर फाइल निरस्त करने की धमकी दी। पीड़िता ने बैंक मैनेजर से आटा चक्की के लिए ऋण स्वीकृत कराने की बात की थी।

भाभी से विवाद पर दो भतीजों को मार डाला

प्रयागराज, अमृत विचार : बुधवार को मेजा इलाके में सगी बुआ ने भाभी से हुए झगड़े की खुन्नस अपने दो भतीजों की हत्या कर निकाली। बुआ ने दोनों भतीजों के सिर पर लकड़ी का पटरा मार कर मौत के घाट उतार दिया और रात के अंधेरे में भाग निकली। सुबह मां ने खून से लथपथ दोनों बेटों के शव बिस्तर पर देखे तो बेसुध हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है। घटना मंगलवार शाम की है।

संजय पुत्र शंकर मुंबई में नौकरी करते हैं। उनके दो बेटे अवि (5) व लकी (3) थे। संजय की बहन पूजा मानसिक रूप से बीमार चल रही थी। उससे और भाभी पार्वती में आए दिन किसी न किस बात पर झगड़ा होता था। घरवालों ने बताया कि मंगलवार को मौसी ने फोन पर बच्चों से बात की थी। रात में सभी खाना खाकर सोने चले गए। आधी रात को बुआ पूजा ने दोनों बच्चों के सिर पर लकड़ी के पटरे से ताबड़तोड़ वार कर दिए।

उत्तराखंड

रुद्रप्रयाग में खाई में गिरा वाहन पिथौरागढ़ के दो लोगों की मौत

रुद्रप्रयाग, अमृत विचार : रुद्रप्रयाग के शिव नंदी क्षेत्र में मंगलवार देर रात बोलेरो वाहन सात सौ मीटर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में पिथौरागढ़ जनपद निवासी दो लोगों की मौत हो गई। एसडीआरएफ के जवानों ने रात में मौके पर पहुंचकर दो शव बरामद किए। पुलिस के मुताबिक बीती मंगलवार देर रात आपदा कंट्रोल रूम, रुद्रप्रयाग ने एसडीआरएफ टीम को सूचित किया कि शिव नंदी के पास एक वाहन खाई में गिर गया है। एसडीआरएफ टीम निरीक्षक कर्ण सिंह के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। जवानों ने एक शव को बरामद कर मुख्य मार्ग तक पहुंचाया। दूसरे व्यक्ति का शव वाहन के नीचे दबा था। एसडीआरएफ टीम ने वाहन को काटकर शव निकाला।

ऊधमसिंह नगर के पांच युवकों पर लगा गैंगस्टर

संवाददाता, अल्मोड़ा

- सल्ट क्षेत्र में गांजा तस्करी के दौरान किए थे गिरफ्तार

अमृत विचार : बीते दिन चेकिंग के दौरान गांजा तस्करी करते पकड़े गए ऊधमसिंह नगर के पांच युवकों पर अल्मोड़ा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। यह कार्रवाई डीएम विनीत तोमर और एसएसपी देवेंद्र पींचा की संस्तुति पर की है।

सल्ट थानाध्यक्ष अजेंद्र कुमार ने बताया कि बीते दिन सल्ट पुलिस की टीम डोटियाल मार्ग पर चेकिंग कर रही थी इसी दौरान कालीगांव के पास पैदल आ रहे पांच युवकों को संदेह के आधार पर रोककर उनकी तलाशी ली गई तो उनके पास से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया हुआ। बताया कि पांचों युवक गौरव कुमार, अमन कुमार, अजय कुमार, जिशान अंसारी, मो. शौकीन ऊधमसिंह नगर के निजामगढ़, पतरामपुर, जसपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि पांचों अभियुक्त गिरोह बनाकर मादक पदार्थों की तस्करी में पहले से लिप्त रहे हैं। जिसमें गौरव कुमार गैंग को संचालित करता था। जांच में सामने आया है कि पांचों नशा तस्करी के साथ स्थानीय युवाओं को नशे की गर्त में धकेल रहे हैं। उच्च अधिकारियों की संस्तुति के बाद पांचों अभियुक्तों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की गई है।

नैनीताल से शिव व अल्मोड़ा से अर्जुन होंगे उक्रांद प्रत्याशी

देहरादून, अमृत विचार : उत्तराखंड क्रांति दल ने प्रदेश की चार लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। साथ ही टिहरी में बेरोजगार सेना के बॉबी पंवार को समर्थन देने का ऐलान किया है। उक्रांद के केंद्रीय अध्यक्ष पूरन सिंह कठैत ने प्रेसवार्ता में बताया कि दल ने उत्तराखंड की चार लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। उन्होंने बताया कि गढ़वाल से आशुतोष नेगी, हरिद्वार से मोहन असवाल, नैनीताल से शिव सिंह रावत (पूर्व सैनिक) तथा अल्मोड़ा लोकसभा सीट से अर्जुन देव को प्रत्याशी घोषित किया है। टिहरी सीट पर बेरोजगार सेना के बॉबी पंवार को समर्थन देने पर सहमति बनी है। कठैत ने कहा कि उक्रांद पूरी ताकत के साथ लड़ेगी।

दोस्त ने 15 लाख लेकर थमाया नकली वीजा

संवाददाता, खटीमा

- तीन लाख लौटाए, शेष 12 लाख मांगने पर धमकी का आरोप

अमृत विचार: वर्षों पुराने दोस्त ने बेटे को विदेश भेजने के नाम पर 15 लाख हड़पकर नकली वीजा थमा दिया। बाद में काफी मांग करने पर तीन लाख लौटाए और बकाया 12 लाख मांगने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

पूर्णापुर निवासी गुरदीप सिंह ने न्यायालय में सौंपे प्रार्थना पत्र में कहा कि 2019 में उसने अपने बेटे तजिंदर सिंह को उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजने की बात 25 वर्ष पुराने दोस्त परमजीत सिंह निवासी सरवर नगर बिलासपुर रामपुर को बताई। जिस पर उसने कहा कि उसकी पुत्री अनंतदीप कौर युवकों को विदेश भेजने का काम करती है। जिसका रुद्रपुर भूरारानी में खालसा ओवरसीज कंसलटेंसी के नाम से ऑफिस है। यह भी कहा कि वह अपनी पुत्री को लेकर घर आकर बात कर लेगा, 15 दिसंबर 2019 को यह दोनों घर पर आए और उन्होंने कहा कि इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया का कुल खर्च 15 लाख रुपए आएगा। जिसमें 10 लाख रुपए एडवांस देने होंगे जबकि पांच लाख वीजा बनने के बाद। पुराना दोस्त होने के कारण उस पर विश्वास करते हुए दो लाख उसके खाते में डाल दिए। 23 दिसंबर 2019 को फोन आया कि छह लाख 70 हजार रुपए खाते में डाल दो और बकाया एक लाख 30 हजार रुद्रपुर कार्यालय में पहुंचा दो। बाद में 5 फरवरी 2020 को बताया कि इंग्लैंड का वीजा नहीं लगा है अब दोबारा लगाया जा रहा है। बाद में उन्होंने फोन कर बताया कि वीजा तैयार हो गया है है पांच लाख घर ले आओ। वह पैसे देकर वीजा ले आए। पीड़ित ने यह भी कहा है कि जब उनका पुत्र टिकट बुक कराने गया तो उसे बताया गया कि यह वीजा नकली है। बाद में वह वीजा लेकर दिल्ली के ऑस्ट्रेलिया दूतावास पर पहुंचा तो उन्होंने वीजा को नकली बताते हुए उसे पुलिस के हवाले करने की बात कही। जब उसने यह बात अपने पुराने दोस्त को बताई तो उसने कहा कि समय दो एक-एक पैसा लौटा देगा। कई बार मांग करने के बाद उसने मार्च 21-22 में तीन लाख खाते में लौटाए और अब 12 लाख मांगने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है और कार्यालय भी बंद कर दिया है। न्यायालय ने मामले पर सुनवाई करते हुए पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने की आदेश दिए। पुलिस ने आरोपी परमजीत, अनंतदीप कौर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सड़क किनारे 5 लोगों को ट्रक ने मारी टक्कर

बाजपुर, अमृत विचार : बैरिया रोड पर सड़क किनारे खड़े पांच लोगों को ट्रक ने टक्कर मार कर घायल कर दिया। बुधवार को शाम दिनेशपुर के गांव मोतीपुर नंबर दो निवासी एक बाइक से गुरबचन सिंह (35) पुत्र मंगलसिंह, सर्वजीत कौर (30) पत्नी गुरबचन सिंह, मनप्रीत कौर (5), दूसरी बाइक से बलदेव सिंह पुत्र तेजा सिंह,सीरत कौर (12) अंशदीप कौर (9) पुत्री गुरबचन सिंह,से दिनेशपुर से गांव इटव्वा में रिश्तेदारी में आ रहे थे। बेरिया रोड स्थित राइस मिल के समीप बलदेव की बाइक का पेट्रोल खत्म होने पर वह सड़क किनोर सवारी उतार व एक बाइक खड़ी कर पेट्रोल लेने चले गए। इसी बीच बेरिया दौलत की तरफ से तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे पांच लोगों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

लोस चुनावः पहले दिन किसी ने नहीं कराया नामांकन

हल्द्वानी/देहरादून

अमृत विचार : उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई। राज्य की पांचों लोकसभा सीटों पर पहले दिन किसी ने भी नामांकन नहीं भरा। सभी सीटों के लिए बुधवार को कुल 43 नामांकन पत्र लिए गए हैं।

हरिद्वार में सर्वाधिक 25 नामांकन पत्र लिए गए। अल्मोड़ा व हरिद्वार में भाजपा की तरफ से चार-चार नामांकन पत्र लिए गए हैं। नैनीताल-ऊधमसिंह नगर सीट का नामांकन रुद्रपुर कलक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी के न्यायालय कक्ष में नामांकन होने से पूरे परिसर में बड़ी संख्या में फोर्स तैनात रही। जिला निर्वाचन अधिकारी व रिटर्निंग ऑफिसर उदयराज सिंह ने बताया कि पहले दिन चार लोगों ने नामांकन पत्र लिए हैं। इसमें तीन निर्दलीय अखिलेश पुत्र धरमवीर सिंह, निर्दलीय शंकर सिंह रावत, निर्दलीय हरीश कुमार सिंह शामिल हैं। इसके अलावा एक नामांकन पत्र पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिव के अमर सिंह सैनी पुत्र बीर सिंह ने लिया है।

पिता का जन्म प्रमाणपत्र लेने इंग्लैंड से आईं फियोना

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : इंग्लैंड से बुधवार को मिस फियोना नाम की युवती रामनगर नगरपालिका पहुंची। यहां उसने नगरपालिका प्रशासन के सम्मुख अपने पिता विश्वनाथ बंसल का जन्म प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए।

फियोना के पिता विश्वनाथ बंसल का निधन फरवरी 2024 में लंदन में हो गया है। विश्वनाथ बंसल रामनगर में रहते थे, जिनका जन्म रामनगर में ही 1935 को हुआ था। उनके 6 भाई और एक बहन थी, जो रामनगर में ही रहते थे। उनके सभी

नगर पालिका में ईओ के साथ इंग्लैंड से आईं फ़ियोना।

भाई बहनों की मौत हो चुकी है। आज भी विश्वनाथ बंसल के भाई बहनों के पुत्र रामनगर में ही रहते हैं। बता दें कि विश्वनाथ बंसल की 10वीं तक की पढ़ाई रामनगर के एमपी हिन्दू इंटर कॉलेज में हुई थी। उन्होंने 1952 में 10वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की थी। बचपन से ही पढ़ाई में रुचि रखने वाले विश्वनाथ बंसल 10वीं के बाद इलाहाबाद यूनिवर्सिटी चले गए थे। इसके बाद वे लंदन चले गए और वहां वे वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत रहे। वहीं उन्होंने अपना विवाह कर इंग्लैंड की नागरिकता ले ली थी। उनकी दो संतानें मिस फियोना बंसल व रवी बंसल हैं। बुधवार उनकी 55वर्षीय पुत्री फियोना बंसल रामनगर पहुंची, जहां उन्होंने नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी महेंद्र यादव से मुलाकात कर अपने पिता के जन्म प्रमाण पत्र देने को लेकर जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत किए। बातचीत में फियोना ने बताया कि लंदन में मृत्यु के बाद कई औपचारिकताएं पूरी करनी होती हैं। इस संबंध में उनको पिता के जन्म प्रमाणपत्र की आवश्यकता है। रामनगर के ही रहने वाले विश्वनाथ बंसल के पौत्र ने बताया कि वे अपनी बुआ के साथ नगरपालिका पहुंचे हैं। वहीं इस विषय मे नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी महेंद्र यादव ने बताया कि प्रकरण बहुत पुराना है। वे इतनी दूर इंग्लैंड से आई हैं तो हमारा भी कर्तव्य बनता है कि इनकी मदद करें। जल्द से जल्द इसका निराकरण किया जाएगा।

रुद्रपुर में घाटे से परेशान कारोबारी ने लगाई फांसी

रुद्रपुर, अमृत विचार : बगवाड़ा चौकी इलाके में किराए के मकान में रह रहे एक कारोबारी ने कारोबार में काफी घाटा होने के कारण फांसी का फंदा लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। वह पिछले कुछ दिनों से परेशान चल रहा था।

मेरीगोल्ड गोदरेज हिल, खाड़कपाड़ा कल्याण वेस्ट मुंबई निवासी 40 वर्षीय अमित लोखंडे पिछले कुछ सालों से शिमला पिस्तौर स्थित एक कॉलोनी में किराए के मकान में रहता था। वहीं पर वह अपनी रामदास इंटरप्राइजेज नाम से कंपनी चलाता था। कंपनी में प्लास्टिक से संबंधित सामान बनाया जाता था। बुधवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि कॉलोनी में किराए के मकान में रहने वाले कारोबारी अमित लोखंडे काफी देर से दरवाजा नहीं खोल रहे हैं। सूचना पर दरोगा ललित जोशी घटनास्थल पहुंचे और दरवाजा तोड़ कर देखा कि कारोबारी ने पंखे की कुडी में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली है। पुलिस की प्रारंभिक पड़ताल में पता चला कि अमित लोखंडे कारोबार में घाटे को लेकर परेशान थे।

सिपाही भर्ती परीक्षा: पांच आरोपियों की रिमांड मंजूर, खुलेंगे कई राज

आरोपियों को लेकर रिजॉर्ट और अहमदाबाद जाएगी एसटीएफ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले मे पांच आरोपियों की कोर्ट ने रिमांड स्वीकार कर ली है। गुरुवार सुबह एसटीएफ पांचों को रिमांड पर ले लेगी। इसके बाद एसटीएफ आरोपियों को गुरुग्राम के रिजॉर्ट और अहमदाबाद की टीसीआई कम्पनी ली जाएगी। आरोपियों से सवालों की सूची मेरठ एसटीएफ ने तैयार कर ली है। आरोपियों से रवि अत्री और राजीव नयन के बारे में जानकारी की जाएगी। माना जा था है कि इस रिमांड से कई और चेहरे बेनकाब होंगे।

एसटीएफ मेरठ इकाई के एएसपी बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि जिन पांच आरोपियों का रिमांड मिली है, उनमें टीसीआई ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मचारी मिर्जापुर के शिवम गिरि, भदोही निवासी रोहित पांडेय, प्रयागराज निवासी अभिषेक शुक्ला, बिहार निवासी डॉ. शुभम मंडल और

मोनू हैं। कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड दी है। एसटीएफ गुरुवार सुबह जिला जेल मेरठ से पांचों को अपनी कस्टडी में ले लेगी।

एसटीएफ पांचों आरोपियों को गाड़ी से सुरक्षा में अहमदाबाद ले जाया जाएगा। किस तरह से पेपर लीक किया गया, इसका क्राइम सीन दोहराने के समय वीडियोग्राफी की जाएगी। इसके अलावा गुरुग्राम के जिस रिजॉर्ट में एक हजार के करीब अभ्यर्थियों को पेपर लीक कराया गया था, उसका भी निरीक्षण किया जाएगा। एएसपी ने बताया कि कंकरखेड़ा थाने में दर्ज रिपोर्ट में जेल गए आरोपियों की संपत्ति भी खंगाली जा रही है। इन सभी के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी की जाएगी।

ये है मामला

उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती की दो पाली की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था। इस मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी गई थी। जांच के बाद खुलासा हुआ कि अहमदाबाद स्थित टीसीआई ट्रांसपोर्ट कंपनी से पांच और आठ मार्च को पेपर लीक हुआ था। एसटीएफ इस मामले में 15 मुकदमे दर्ज कराकर 54 आरोपियों को जेल भेज चुकी है। गिरोह के मुख्य आरोपी रवि अत्री और राजीव नयन मिश्रा अभी फरार चल रहे हैं।

आरोपियों का दूसरे राज्यों के लोगों से कनेक्शन भी खंगाला जा रहा है। माना जा रहा है कि आरोपी दूसरे राज्यों में भी पहले कई परीक्षाओं के पेपर लीक करा चुके हैं। एएसपी ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ मजबूत साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं ताकि उन्हें जल्द जमानत न मिल सके। उनका कहना है कि लीक कांड का मुख्य आरोपी रवि अत्री और राजीव नयन मिश्रा हैं।

अमरमणि त्रिपाठी के मामले में फैसला सुरक्षित

विधि संवाददाता, प्रयागराज: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपहरण के एक मामले में पूर्व बसपा सांसद अमरमणि त्रिपाठी की याचिका पर सुनवाई करते हुए बुधवार को फैसला सुरक्षित करते हुए कहा कि वर्तमान मामले में याची ने अपना आपराधिक इतिहास का उल्लेख नहीं किया है, जबकि उसका एक लंबा आपराधिक इतिहास है। कोर्ट ने पूर्व में पारित अपने आदेश में ट्रायल कोर्ट को पूरी आर्डर शीट एक सील बंद लिफाफे में भेजने का निर्देश दिया था। कोर्ट के आदेश के अनुपालन में ट्रायल कोर्ट द्वारा भेजी गई 17 दिसंबर 2022 से 29 फरवरी 2024 तक चलने वाले पूरे मामले की आर्डर शीट को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया, साथ ही सरकारी अधिवक्ता ने प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली बस्ती द्वारा याची के खिलाफ 36 आपराधिक मुकदमों की सूची प्रस्तुत की। यह मामला न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकल पीठ के समक्ष चल रही है। याचिका में स्पेशल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। याची का कहना है कि वह मूल केस अपहरण मामले में जमानत पर है।

सुलतानपुर में दुष्कर्म के दोषी इमाम को 10 साल की कैद

- किशोरी को अरबी पढ़ाने के लिए बहला फुसलाकर रायबरेली ले गया

सुलतानपुर,एजेंसी : जिले की एक अदालत ने बुधवार को मस्जिद के इमाम को दुष्कर्म के मामले में दस साल कैद की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार इमाम एक किशोरी को अरबी पढ़ाने के लिए बहला फुसलाकर रायबरेली ले गया और वहां बंधक बनाकर कई दिनों तक दुष्कर्म करने व जान से मारने की धमकी भी दी। इस मामले में में पॉक्सो कोर्ट के न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा ने आरोपी इमाम पर तीस हजार का अर्थदंड भी लगाया है।

मामले में विशेष लोक अभियोजक रमेश चंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता की मां ने 6 सितम्बर 2022 की रात में सुलतानपुर के नगर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि उसकी दो नाबालिग बेटियां एक बजे घर से मौसा के यहां जाने के लिए निकली। रास्ते में 17 वर्षीय बड़ी बेटी ने अमहट में इश्तेखार से मिलने जाने की बात कही और छोटी बहन को छोड़ चली गई। शाम तक जब बेटी नहीं आई तो परिजन घर के पास मस्जिद में नमाज पढ़ाने तथा बेटियों को अरबी पढ़ाने वाले इश्तेखार के घर बिबिया करनपुर चिलबिला प्रतापगढ़ गए। इश्तेखार के पिता व भाई ने बताया कि वह शादीशुदा है और तीन महीने से घर नहीं गया था। एफआईआर लिखने के बाद पुलिस ने तलाश शुरू की तो पांच दिन बाद वह किशोरी के साथ पकड़ा गया। किशोरी ने बताया कि जब वह इश्तेखार से अमहट में मिली तो वह उसे बाइक से रायबरेली ले गया। वहां एक कमरे में पांच दिन बंद रखा और उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर जान से मार डालने की धमकी देता था। फिर वापस लाया तो दोनों पकड़े गए। अभियोजन ने 6 व बचाव पक्ष ने न्यायालय में एक गवाह परीक्षित कराया। जज पवन कुमार शर्मा ने साक्ष्यों के आधार इश्तेखार को सजा काटने के लिए जेल भेज दिया व अर्थदंड की आधी धनराशि पीड़िता को देने का आदेश दिया हैं।

सार-संक्षेप

भरण पोषण मामले में पति को देने होंगे ठोस साक्ष्य

विधि संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण- पोषण से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण आदेश देते हुए कहा कि एक सक्षम युवा व्यक्ति को पर्याप्त पैसा कमाने और अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए सामर्थ्यवान माना जाना चाहिए। यह कथन स्वीकार्य नहीं है कि वह पारिवारिक मानक के अनुसार उतना नहीं कमा सकता है, जिससे उसके परिवार का भरण-पोषण हो सके। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि व्यक्ति को कोर्ट के समक्ष ऐसे ठोस आधार प्रस्तुत करने होंगे जिससे यह सिद्ध हो सके कि वह अपनी पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण के कानूनी दायित्व को पूरा करने के लिए पर्याप्त कमाई करने में असमर्थ है। वर्तमान याचिका प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, ललितपुर द्वारा पारित निर्णय से व्यथित होकर दाखिल की गई है। साक्ष्य के आधार पर कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि याची को अतिरिक्त दहेज के लिए शारीरिक या मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया था। इसके बाद वर्ष 2015 में उसने अपना वैवाहिक घर छोड़ दिया और घरेलू काम करके अल्प कमाई द्वारा अपना भरण-पोषण कर रही थी। कोर्ट ने आदेश में कहा कि पति की मासिक आय का एक तिहाई हिस्सा पत्नी और दो बेटियों को भरण-पोषण के रूप में प्रदान करना आवश्यक है, क्योंकि पति कुशल श्रमिक के रूप में लगभग 12000 से 14000 रुपए प्रति माह कमा लेता है। अंत में कोर्ट ने विपक्षी को याची को 2 हजार रुपए और दोनों बेटियों को 1-1 हजार रुपए प्रतिमाह देने का निर्देश दिया। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह (प्रथम) की पीठ ने श्रीमती जमुना और दो अन्य की याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया।

बहराइच में बाघ के हमले में युवक की मौत

बहराइच, एजेंसी : जिले के कतर्नियाघाट में बाघ के हमले में युवक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक युवक पिछले दो दिनों से लापता था जिसका शव बुधवार की दोपहर को जंगल के किनारे बेंत की झाड़ियों से बरामद हुआ है। वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि थाना सुजौली क्षेत्र अंतर्गत सुजौली रेंज अंतर्गत जंगल में बेंत की झाड़ियों में बुधवार की दोपहर को ग्रामीणों ने युवक के शव को देखा जिसकी सूचना लोगों ने वन विभाग व पुलिस को दी। मौके पर पहुची पुलिस और वन विभाग की टीम ने जंगल के किनारे बेंत की झाड़ियों से युवक के शव को बरामद किया है। युवक की पहचान सुजौली गांव निवासी जुगुल (27) के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सौरभ सिंह व रेंजर सुजौली रोहित यादव ने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। वहीं ग्रामीणों के मुताबिक शव दो दिन पुराना बताया जा रहा है। लोगों का कहना है कि युवक पिछले दो दिनों से घर से लापता था।

कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे रामलला

लखनऊ, अमृत विचार : अवधपुरी के भव्य-दिव्य-नव्य मंदिर में विराज रहे श्रीरामलला इस बार कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे। विरासत को सम्मान देने के भाव के साथ सीएसआईआर-एनबीआरआई के वैज्ञानिकों ने कचनार के फूलों से बने गुलाल को खास तौर पर तैयार किया है। यही नहीं, वैज्ञानिकों ने गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर के चढ़ाए हुए फूलों से भी एक हर्बल गुलाल तैयार किया है। बुधवार को संस्थान के निदेशक ने दोनों खास गुलाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किए। मुख्यमंत्री ने इस विशेष पहल के लिए संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से प्रदेश के साथ-साथ देश के कई स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए अधिक अवसर एवं रोजगार प्रदान करेगा। निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अयोध्या में रामायणकालीन वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। विरासत को सम्मान और परंपरा के संरक्षण देने के यह प्रयास हमारे वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणास्पद है।

कृष्ण कूप मामले में ईदगाह कमेटी से मांगी आपत्ति

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने की मांग वाले वाद की पोषणीयता को चुनौती देने के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई बुधवार को एक अप्रैल तक के लिए टाल दी। मूल वाद में दावा किया गया है कि शाही ईदगाह मस्जिद, कटरा केशव देव मंदिर की 13.37 एकड़ भूमि पर बनाई गई है। इस मामले में बुधवार को दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने अगली तिथि तक के लिए सुनवाई टाल दी।

मुस्लिम पक्ष ने बुधवार को सुनवाई के दौरान वादी आशुतोष पांडेय द्वारा दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) की धारा 151 के तहत किए गए आवेदन पर आपत्ति जताई। ईदगाह कमेटी से इसे लेकर आपत्तियां मांगी गई है। वादी आशुतोष पांडेय ने अपने आवेदन में कहा है कि हर साल विवादित संपत्ति परिसर में हिंदू भक्तों द्वारा बासोड़ा पूजा की जाती है। इस वर्ष यह पूजा एक अप्रैल 2024 को माता शीतला सप्तमी और दो अप्रैल 2024 को माता शीतला अष्टमी को पड़ेगी। इन तिथियों पर पूर्व की तरह बासोड़ा पूजा की जानी है, जबकि प्रतिवादी कृष्ण कूप में यह पूजा करने से वादकारियों को रोक रहे हैं। इस पर, मुस्लिम पक्ष ने कहा कि वाद की पोषणीयता को लेकर दाखिल आवेदन पर सुनवाई लंबित रहने के दौरान ऐसे आवेदन पर कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं है। वहीं दूसरी ओर, हिंदू पक्ष की ओर से दलील दी गई कि हिंदुत्व में आस्था रखने वाले लोगों को पूजा अर्चना करने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। ऐसा आवेदन हमेशा से ही पोषणीय है और इस पर आदेश पारित करना कोर्ट के विवेकाधिकार पर निर्भर है।

एआई तकनीक से बढ़ेगी दक्षता: मुख्य सचिव

लखनऊ, अमृत विचार : मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि एआई तकनीकि से विभागों की दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के लिए परिवर्तनकारी परिणाम सुनिश्चित करने के लिए एआई को दैनिक कार्यों में शामिल करें। वह बुधवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आयोजित उच्च स्तरीय कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने सरकारी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, और निष्पक्षता सुनिश्चित करने में एआई प्रशासन के महत्व पर भी जोर दिया। इसके पहले इनमोबी में वैश्विक वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मुख्य कॉर्पोरेट मामले और सार्वजनिक नीति अधिकारी डॉ. सुबी चतुर्वेदी के नेतृत्व में कार्यशाला ने नीति निर्माताओं और अधिकारियों को एआई शासन ढांचे और सरकारी कार्यों में जिम्मेदार एआई तैनाती के प्रथाओं की जानकारी दी।

बच्चों की हत्या और एनकाउंटर के बाद बदायूं में गर्मायी राजनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव की चल रही प्रक्रिया के बीच उत्तर प्रदेश की राजनीति बदायूं में दो बच्चों की हत्या पर गरमा गई है। समाजवादी पार्टी ने बुधवार को जहां इस घटना का संज्ञान लेते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा सांप्रदायिक तनाव पैदा करवा रही है। भाजपा की तरफ से पलटवार करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री दानिश अली अंसारी ने सपा को ही कटघरे में खड़ा किया है।

भाजपा ने कहा कि सपा अपराधियों को संरक्षण देती है। पार्टी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने बदायूं की घटना पर कहा कि योगी सरकार में अपराधियों के खिलाफ कठोरता से कार्रवाई हो रही है। बदायूं कांड में भी अपराधी के साथ पूरी कठोरता बरती गई है। इससे पहले बदायूं कांड पर सपा मीडिया सेल के अकाउंट से लिखा गया- भाजपा उप्र. में दंगा फसाद सांप्रदायिक तनाव खड़ा करके चुनाव जीतना चाहती है। इसी कारण से ऐसी घटनाओं को खुद अंजाम दिलवा रही। इसी मुद्दे पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- सपा में नैतिकता नाम की कोई चीज़ बची है तो बदायूं मामले में राजनीति न करे। उधर सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भी बदायूं घटना को दुखद बताते हुए पुलिस-प्रशासन से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। शिवपाल ने कहा कि इस सरकार में कानून व्यवस्था फेल हो गई है।

जितनी तरजीह हिंदुओं को उतनी मुसलमानों को भी

वहीं, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी बुधवार को बेगुसराय में रहते हुए बयान दिया कि, अब अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी समझ रहे हैं कि उनका जनाधार खिसक रहा है इसलिए अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं। योगी की सरकार में जितनी तरजीह हिंदुओं को मिली उतनी ही मुसलमानों को भी मिली है। इसी बीच मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने घटना पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि प्रशासन से जो भी आवश्यक कार्रवाई होनी चाहिए वो की है।

करंसी चेस्ट में पहुंचे 5.91 लाख के जाली नोट

विनय शुक्ला, लखनऊ

अमृत विचार: जाली नोट बाजार में तो मिल ही रहे हैं। बाजार से होते हुए यह नोट आरबीआई के करंसी चेस्ट तक पहुंच गए हैं। जाली नोट की आपूर्ति करने वाले गिरोह देश को आर्थिक चोट पहुंचा रहे हैं। इसकी पुष्टि आरबीआई के करेंसी चेस्ट से मिले जाली नोटों के आंकड़े करते हैं। 14 माह में आरबीआई करेंसी चेस्ट से कुल 5.91 लाख रुपये के नकली नोट मिले हैं। नकली नोट मिलने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

हर माह 49 हजार रुपये हो रहा आर्थिक नुकसान : औसतन, आरबीआई के करेंसी चेस्ट से हर माह 49 हजार रुपये के जाली नोट निकल रहे है। एक्सपर्ट की मानें तो, बैंकों के एटीएम करेंसी चेस्ट से जाली नोट निकलने के बाद ग्राहक इन्हें बैंक शाखा को वापस कर देता है, जिसे

बैंक शाखाओं की ओर से आरबीआई को भेजा जाता है। आरबीआई की ओर से इतनी ही रकम की जाली नोटों के बदले असली नोटों को संबंधित बैंक को अदा करना पड़ता है। यही वजह है बैंकों की लापरवाही के कारण आरबीआई को हर माह आर्थिक नुकसान हो रहा है।

हर माह एक एफआईआर : एडीसीपी मध्य मनीषा सिंह ने बताया कि, हर माह आरबीआई के सहायक प्रबन्धक की तरफ से महानगर कोतवाली में जाली नोट मिलने की शिकायत दर्ज कराई जाती है। सभी मामलों की विवेचना की जा रही है, लेकिन अब तक पुलिस जाली करंसी का खेल करने वाले लोगों को चिन्हित नहीं कर सकती है। यही वजह है कि आरबीआई की तरफ से दर्ज कराए गए, जाली करेंसी के मामले लम्बित हैं।

- औसतन हर माह आरबीआई को 49 हजार रुपये का हो रहा आर्थिक नुकसान

कुछ मामलों में लगी अंतिम रिपोर्ट

एडीसीपी ने बताया कि पूर्व में भी आरबीआई की तरफ से जाली करेंसी में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में पुलिस ने कई पहलुओं में तफ्तीश की, लेकिन नतीजा शून्य रहा। मजबूरन पुलिस ने इन मामलों में एफआर (फाइनल रिपोर्ट) लगानी पड़ी। कहाकि, हांलाकि इस खेल के पीछे किसा हाथ है और जाली नोटों की सप्लाई कहां से हो रही है। पुलिस टीमें जांच में जुटी है।

सीएम डैशबोर्ड में बरेली को दूसरा स्थान, 11 जिले फिसड्डी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : सीएम-डैशबोर्ड में विभागों की प्रदर्शित फ्लैगशिप यानी महत्वाकांक्षी योजनाएं, परियोजनाएं व सेवाओं की मॉनीटरिंग की गई तो फरवरी में बेहतरी पर जालौन प्रथम, बरेली द्वितीय व कन्नौज को तीसरा स्थान मिला है। जबकि लखनऊ, गोरखपुर, रायबरेली, कानपुर नगर, औरैया, हापुड़, मेरठ, गाजियाबाद, प्रतापगढ़, फतेहपुर व प्रयागराज का सबसे खराब प्रदर्शन होने पर बॉटम में रखा गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने 11 जिलों की खराब प्रगति पर संज्ञान लेकर असंतोष जताया है और प्रगति सुधार के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि सीएम-डैश बोर्ड से विभागों के पोर्टल एकीकृत किए गए हैं। इससे जो विभागों की प्रगति होती है वह सीएम-डैश बोर्ड पर दर्शाती है। इसी आधार पर मानीटरिंग कर रैंकिंग दी जाती है। इसमें फर्जी आंकड़े दर्शाये नहीं जा सकते हैं, बल्कि पारदर्शिता आने से प्रगति सुधरने लगी है।

तकनीकी समस्या का मुख्यमंत्री कमांड सेंटर करेगा समाधान : शासन से सभी जिलाधिकारी को रैंकिंग की रिपोर्ट भेजी गई है। यह भी दर्शाया कि सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर आईडी से जिले की मासिक रैंकिंग, योजना, परियोजना व सेवाओं को मिले अंक भी देख सकते हैं। पोर्टल में किसी तरह की कठिनाई होने पर मुख्यमंत्री कमांड सेंटर की प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग यूनिट के अधिकारी से समाधान के लिए संपर्क किया जा सकता है।

वर्ग पहेली-16

बाएं से दाएं

2.1. वह सफ़ेद या हलका पीला तरल पदार्थ जो गाय भैंस से प्राप्त होता है
3.1. खुरखुर शब्द होना 2. छूने में ऊबड़-खाबड़ या खुरखुरा लगना।
4.1. गोश्तख़ोर, मांसाहारी 2. 'निरामिषभोजी' का विलोम।
8. दे. तलुवा।
10.1. पेंदी 2. हाथ और पैर का तल 3. तलवा 4. तलछट।
11.1. चिह्न लगाने वाला 2. हिसाब लिखने वाला, आंकने वाला, मूल्य निरूपक 3. गिनती करने वाला, गणक 4. चिह्न या निशान लगाने का यंत्र।

ऊपर से नीचे

1. गंगा, भागीरथी।
5.1. वधिक, ज़ल्लाद 2. बहेलिया, चिड़ीमार।
6.1. धनुष 2. रुई धुनने वाला यंत्र, धुनकी।
7.1. दोस्त, मित्र, साथी 2. प्रेमी 3. पति।
9.1. मिट्टी के बरतनों पर चमक लाने के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला एक चमकीला रोगन या वार्निश 2. आग की लपट, लौ, ज्वाला, चिनगारी।

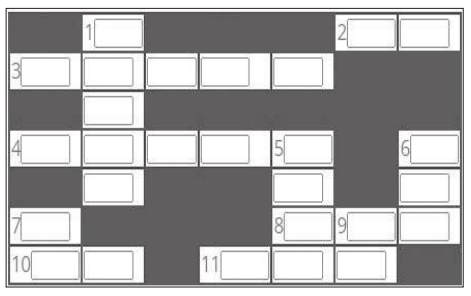

वर्ग पहेली -15 का हल

				1 सी	2 सा	
3 अ	4 भ	या		5 चं		र
	ड़		6 पं	च	को	सी
7 म	क	ड़	जा	ल		
	दा		बी			8 पु
9 फ़ि	र	क़ा				छा
			10 स	नी	च	र

सुडोकू-95

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8				2			6
		7				4		1
	6				5		9	
6			4					5
9								7
	3			7	9			
8			6				7	
		3				2		
4			9				8	

सुडोकू -94 का हल

1	6	5	9	4	2	7	3	8
4	3	7	8	6	5	1	2	9
9	2	8	1	3	7	5	4	6
6	5	2	4	8	9	3	7	1
8	7	1	5	2	3	9	6	4
3	9	4	6	7	1	8	5	2
5	8	6	7	1	4	2	9	3
7	4	3	2	9	8	6	1	5
2	1	9	3	5	6	4	8	7

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 मार्च, गुरुवार 2024 संवत-2080, शक संवत 1945 मास-फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-द्वादशी 22 मार्च 04.44 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

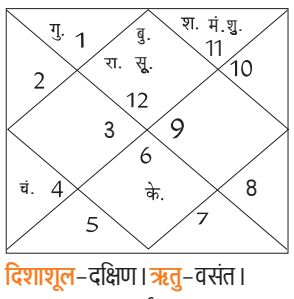

दिशाशूल-दक्षिण। ऋतु-वसंत। चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ। ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-अश्लेशा 22 मार्च 01.27 तक तत्पश्चात मघा।

मेष — आज आपको बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। उच्च अधिकारी आपकी निष्ठा की सराहना करेंगे। दोस्तों के साथ मौज-मस्ती भरा समय बितायेंगे। आपके विचारों को समाज में ख्याति मिलेगी। विपरीत परिस्थितियों का सामना मजबूती से करें।

वृष — आज धन-सम्मान और कीर्ति में वृद्धि होगी। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहेंगे। आपके मन में एक साथ कई सारे विचार जन्म लेंगे। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ सकती है।

मिथुन — आज अपनी जीवनशैली में बदलाव ला सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में आनंद बढ़ेगा। धन कमाने के नए स्रोत मिल सकते हैं। मित्रों के साथ बैठकर चर्चा करेंगे। पैतृक व्यवसाय में अच्छी उन्नति होने के योग बन रहे हैं।

कर्क — आज आप एकांत में रहने का प्रयास करेंगे। व्यापार की परिस्थितियों में सुधार होगा। किसी परिजन के स्वास्थ्य को लेकर परेशानी हो सकती है। मांसपेशियों में जकड़न होने की संभावना है। प्रेम संबंधों को विवाह की सहमति मिल सकती है।

सिंह — आज दिन की शुरुआत आपके लिए शुभ नहीं रहेगी। निजी रिश्तों को लेकर तनाव में आ सकते हैं। हिंसात्मक विचारों से आपको बचना चाहिए। जॉब में लक्ष्य को समय को तय समय पर पूर्ण कर लेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को नुकसान हो सकता है।

कन्या — आज क्रोध के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। वाहनों के प्रयोग में सावधानी रखें। परिवार के सदस्य आपसे काफी अपेक्षा रखेंगे। इसका दबाव भी आपके ऊपर काफी ज्यादा रहेगा। कारोबार को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

तुला — आज व्यापार में नए सौदे कर सकते हैं। जीवन में सकारात्मक बदलाव आयेंगे। करियर में आप बदलाव का विचार बना सकते हैं। लोग आपकी प्रतिभा के कायल रहेंगे। आपको कोई प्रपोज कर सकता है।

वृश्चिक — आज पिता आपके प्रति गर्व का अनुभव करेंगे। परिजनों के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। लव लाइफ का तनाव दूर होगा। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। बड़े अधिकारियों और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु — आज आपके मन में यह धारणा उत्पन्न हो सकती हैं कि लोग आपसे झूठ बोल रहे हैं। बेकार की बातों में अपना समय बर्बाद न करें। परिजनों से किसी कारण बहस हो सकती है। करियर में उतार-चढ़ाव की सम्भावना है।

मकर — आज आलस्य को अपने ऊपर हावी न होने दें। महत्वपूर्ण निर्णयों को लेकर दुविधा की स्थिति उभर सकती है। यदि आप कुछ नया सीखने के इच्छुक हैं तो समय बेहतरीन है। अप्रिय व्यक्तियों के कारण आपका मूड खराब हो सकता है।

कुंभ — आज कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। आपका आत्मविश्वास आपके लिए काफी सहयोगी रहेगा। नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से उत्तम है। आय के कई स्रोत बन सकते हैं।

मीन — आज अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर प्राप्त होगा। आप किसी सहयोगी कर्मचारी के ऊपर कुपित हो सकते हैं। अहंकार के कारण आपसे मित्र एवं संबंधी दूर हो सकते हैं। अनुभवी व्यक्ति आपका सही मार्गदर्शन कर सकते हैं।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
आखरी गुलाम — दोपहर : 12.00
जख्मी सिपाही — रात : 07.00

SONY MAX
सूरमा — सुबह : 09.52
पीकू — रात : 07.00

SONY PIX
रश ऑवर 3 — सुबह : 09.21
द वॉटर हॉर्स — रात : 09.00

ZEE CINEMA
सरफरोश — सुबह : 09.15
घायल : वन्स अगैन — रात : 08.55

colors CINEPLEX
आरक्षण — सुबह : 11.25
देवदास — रात : 07.04

आज की सुपरहिट फिल्म

सोनी मैक्स पर रात : 07.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

एक लड़का स्कूल से जल्दी घर आ गया।
दादा- क्या हुआ बेटा, तुम बहुत जल्दी घर आ गए।
लड़का- हां दादा, मैंने एक मच्छर को मारा तो टीचर ने भगा दिया।
दादा- तुम सच बोल रहे हो, एक मच्छर मारने के लिए स्कूल से भगा दिया।
लड़का- मच्छर टीचर के गाल पर बैठा हुआ था।

टीचर- क्लास में लड़ाई क्यों नहीं करनी चाहिए?
मोटू- क्योंकि पता नहीं एग्जाम में कब किसके पीछे बैठना पड़ जाए।
मोटू की बात सुनकर टीचर की बोलती हो गई बंद।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	72,101.69	21,839.10
बढ़त	89.64	21.65
प्रतिशत में	0.12	0.10

अमृत विचार
www.amritvichar.com
बरेली, गुरुवार, 21 मार्च 2024

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 1005 फ्लैग 1110 डीएमओ 885 बोल्ड 1175, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 1010 फ्लैग 1125 बोल्ड 1180 डीएमओ 905।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन-तुलसी 1910, राज श्री 1420, फ़ॉर्चून कि. 1850, रविन्द्रा 1880, फॉर्चुन ली0 1700, जय जवान 1495, सचिन 1640, सूरज 1520, अवसर 1680, राग गोल्ड 1715, गृहणी 1605, क्लासिक (किलो) 1790, मोर 1640, चक्र टिन 1725, ब्लू 1725, आशीर्वाद मस्टर्ड 1785, स्वास्तिक 1880, **किराना (प्रति कु.)**-हल्दी निजामाबाद 17500, जीरा 40000, लाल मिर्च 20000-24000, धनिया 9000-11000, अजवायान 16000-24000, मेथी 8600, सौंफ 12000-18000, सोंठ 45000, (प्रति कि.) लौंग 920-1000, बादाम 580-680, काजू 2 पीस 600, किसमिस पीली 140-180, मखाना 650-950, **चावल (प्रति कु.)**-डबल चाबी सेला 10200, स्पाइस 7700, शरबती कच्ची 5200, शर्बती स्टीम 5600, डायमंड मंसूरी 4300, महबूब सेला 4550, गौरी रॉयल 9500, राजभोग 7350, हरी पत्ती (1 किलो, 5 किलो) 10600, हरी पत्ति नेचुरल नया 10500, जेनिथ 10700, गलैक्सी 7400, सूमो 3900, पतंजलि गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4250, खजाना 4250, **दाल दलहन**-मूंग दाल इंदौर 10800, मूंग धोवा काला क्राउन 11100, राजमा चित्रा 13200-14100, राजमा भूटान नया 11500, मलका काली 6750-7100 मलका दाल 7150-7700, मलका छाँटी 7350, दाल उड़द बिलासपुर 9800-10500, मसूर दाल छोटी 9000-9600, दाल उड़द दिल्ली 12000, उड़द साबुत दिल्ली 11800, उड़द धोवा इंदौर 13500, उड़द धोवा 11500-12100, दाल चना 7250, लाल हिंदुस्तान 7350, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8100, चना अकोला 8200, डबरा 9000-11500, सच्चा हीरा 10700, मोटा हीरा 11700, अरहर गोला मोटा 12600, अरहर पटका मोटा 13000, अरहर कोरा मोटा 13300, अरहर पटका छोटा 13800-14300, अरहर कोरी छोटी 15000, **चीनी**-डालमियां 4040, पीलीभीत 4000, नवाबगंज (नई) 3980, बहेड़ी (नई) 4000 रुपये।

डायरेक्ट सेलिंग 21 हजार करोड़ रुपये के पार

आईडीएसए की सर्वेक्षण रिपोर्ट से हुआ खुलासा, भारत में कुल 86 लाख हैं विक्रेता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रत्यक्ष बिक्री (भारत में डायरेक्ट सेलिंग) उद्योग कोरोना महामारी के दौर की चुनौतियों से उबर कर फिर तेजी की राह पर है और इसका कारोबार वित्तीय वर्ष 2022-23 में लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 21282 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इंडियन डायरेक्ट सैलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) की सर्वेक्षण रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई। यह रिपोर्ट बाजार अनुसंधान फर्म कंतार द्वारा संकलित की गई है।

आईडीएसए के एक आयोजन में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी. कमला वर्धन राव ने यह रिपोर्ट जारी करते हुए इसके लिए आईडीएसए को बधाई दी। रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग की कुल बिक्री में वर्ष 2021-22 के मुकाबले वर्ष 2022-23 में 2252 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है। आईडीएसए के अध्यक्ष विवेक कटोच ने बताया कि इस उद्योग के कारोबार में वर्ष 2019-20 से लेकर 2022-23 तक के चार वर्षों के दौरान वर्ष-दर-वर्ष औसतन 8.3 प्रतिशत की संचयी वार्षिक दर (सीएजीआर) से वृद्धि की है। आईडीएसए अध्यक्ष को विश्वास है कि भारत अनुमानों से पूर्व ही प्रत्यक्ष बिक्री में विश्व के पांच शीर्ष बाजारों में जल्द अपनी जगह बना लेगा। वर्ष 2022 में भारत का स्थान 11वां था। वहीं भारत में इस कारोबार में कुल 86 लाख विक्रेता शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार कुल बिक्री में उत्तरी क्षेत्र ने सर्वाधिक 30 प्रतिशत का योगदान किया। पूर्वी, पश्चमी, दक्षिणी तथा पूर्वोतर क्षेत्र का योगदान क्रमशः 25, 22, 15 और नौ प्रतिशत है। राज्यों में महाराष्ट्र 12 प्रतिशत योगदान के साथ लगातार शीर्ष पर बना हुआ है जबकि उत्तर प्रदेश शानदार प्रदर्शन कर दस प्रतिशत की भागीदारी के साथ पश्चिम बंगाल के साथ दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार प्रत्यक्ष बिक्री बाजार में वेलनेस और न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद लगातार उपभोक्ताओं के पसंदीदा बने हुए हैं। सौंदर्य प्रसाधन और व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद इस वर्ग में दूसरे स्थान पर है। दोनों वर्गों का कुल कारोबार में क्रमशः 73.5 और 11.3 प्रतिशत योगदान रहा है। इस दौरान लगभग दो लाख और प्रत्यक्ष विक्रेता इस कारोबार से जुड़े और यह संख्या वर्ष 2021-22 के 84 लाख के मुकाबले बढ़ कर लगभग 86 लाख पहुंच गई है। इनमें लगभग 63 प्रतिशत पुरुष और 37 प्रतिशत महिलाएं हैं।

वैश्विक रैंकिंग में भारत 11वें स्थान पर पहुंचा

आईडीएसए के अध्यक्ष कटोच ने कहा-मुझे यह बताते हुए भी खुशी हो रही है कि मजबूत वृद्धि दर के बलबूते भारतीय प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग ने वैश्विक रैंकिंग में वर्ष 2022 में एक और पायदान का सुधार कर 11वां स्थान हासिल कर लिया है, जो 2019 में 15वां था।

गूगल के खिलाफ भारतीय ऐप कंपनियों की याचिका खारिज

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने ऐप के माध्यम से भुगतान पर 11 से 26 प्रतिशत शुल्क लगाने की गूगल की नई प्ले स्टोर बिलिंग नीति के खिलाफ दायर भारतीय ऐप कंपनियों की चार याचिकाओं को बुधवार को खारिज कर दिया। भारतीय ऐप कंपनियों ने आरोप लगाया कि गूगल की प्ले स्टोर नीतियां प्रतिस्पर्धा-रोधी हैं। हालांकि, सीसीआई ने स्पष्ट किया कि इस आदेश में कही गई कोई भी बात मामले के गुण-दोष पर राय की अंतिम अभिव्यक्ति के समान नहीं होगी और महानिदेशक यहां की गई टिप्पणियों से किसी भी तरह प्रभावित हुए बिना जांच करेंगे। सीसीआई ने अपने आदेश में कहा-आयोग का मानना है कि इस बारे में याचिका दायर करने वाले शीर्ष कोर्ट द्वारा प्रस्तावित अंतरिम राहत देने के लिए मानदंडों को पूरा करने में विफल रहे हैं।

नौकरियों के सृजन के लिए 8% की वार्षिक वृद्धि दर रखने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईएमएफ में भारत के कार्यकारी निदेशक सुब्रमण्यम ने कही बात

भारत को गरीबी और असमानता को कम करने तथा पर्याप्त संख्या में नौकरियों के सृजन के लिए निरंतर आधार पर आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने की जरूरत है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) में भारत के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति वेंकट सुब्रमण्यम ने यह बात कही है। भारतीय अर्थव्यवस्था 2023 की अंतिम तिमाही में उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह पिछले डेढ़ साल में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।

ओएमआई फाउंडेशन के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुब्रमण्यम ने कहा-भले ही हम सात प्रतिशत की दर से बढ़ें, हमें इससे संतुष्ट नहीं होना चाहिए। हमें आठ प्रतिशत और उससे अधिक की दर हासिल करने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि देश को बहुत सारा बुनियादी ढांचा बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आठ प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने से हमारे पास बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा करने की क्षमता होगी। इससे गरीबी और असमानता घटेगी। एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर में वृद्धि दर पिछले तीन वर्षों की 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर से अधिक है।

सर्राफा

कानपुर	
चॉदी 999 (प्रति किलो)	75,100
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	82,500
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	87,500
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	67,400
गिन्नी (प्रति नग)	50,200-50,400
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	66,050
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	65,900
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	75,000
चांदी तैयार	75,100
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	90, 500
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	65,850
सोना जेवरात गिन्नी	64,850
चांदी पक्की	740 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	65,800
चांदी आभूषण	74,900।

4जी यूजरों के मुकाबले 5जी यूजरों का औसतन डाटा उपभोग 3.6 गुना अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में 5जी सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले मोबाइल ग्राहक 4जी उपभोक्ताओं की तुलना में मोबाइल डेटा का इस्तेमाल 3.6 गुना अधिक कर रहे हैं। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी नोकिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

देश में 5जी सेवाओं की शुरुआत अक्टूबर, 2022 में हुई थी। नोकिया की बुधवार को जारी 'मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स' रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में कुल डेटा ट्रैफिक में 5जी का योगदान 15 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट कहती है, 5जी ग्राहक 4जी की तुलना में लगभग 3.6 गुना अधिक मोबाइल डेटा ट्रैफिक का उपयोग कर रहे हैं। 2023 में उपयोगकर्ताओं ने 17.4 एक्साबाइट प्रति माह की खपत की। पिछले पांच साल की तुलना में डेटा इस्तेमाल की सालाना वृद्धि 26 प्रतिशत रही है। एक एक्साबाइट एक अरब गीगाबाइट (जीबी) के बराबर होता है। 2023 में कुल डेटा ट्रैफिक में 5जी का हिस्सा 15 प्रतिशत रहा। नोकिया इंडिया के विपणन और कॉरपोरेट मामलों के प्रमुख अमित मारवाह ने कहा-भारत में डेटा की खपत साल-दर-साल आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 17.4 एक्साबाइट प्रतिमाह हो गई है।

खराब गुणवत्ता वाली चाय के आने से छोटे उत्पादक चिंतित

कोलकाता। छोटे चाय उत्पादकों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टी ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) ने बाजार में कथित तौर पर खराब गुणवत्ता वाली चाय की बाढ़ पर चिंता व्यक्त की है और इस संबंध में चाय बोर्ड के हस्तक्षेप का आग्रह किया है। चाय बोर्ड के चेयरमैन ए एस भाटिया को लिखे एक पत्र में सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने कहा कि चाय पीने के स्वास्थ्य लाभों पर केंद्रित एक सामान्य अभियान उन युवाओं के बीच खपत को बढ़ावा देने के लिए जरूर चलाया जाना चाहिए।

भारत में सबसे अमीर 1%आबादी के पास 40% संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2000 के दशक से लगातार बढ़ रही है आर्थिक असमानता

भारत में 2000 के दशक की शुरुआत से आर्थिक असमानता लगातार बढ़ रही है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022-23 में देश की सबसे अमीर एक प्रतिशत आबादी की आय में हिस्सेदारी बढ़कर 22.6 प्रतिशत हो गई है। वहीं संपत्ति में उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 40.1 प्रतिशत हो गई है।

'भारत में आमदनी और संपदा में असमानता, 1922-2023: अरबपति राज का उदय' शीर्षक वाली रिपोर्ट कहती है कि 2014-15 और 2022-23 के बीच शीर्ष स्तर की असमानता में वृद्धि विशेष रूप से धन के केंद्रित होने से पता चलती है। यह रिपोर्ट थॉमस पिकेटी (पेरिस स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स एंड वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब), लुकास चांसल (हार्वर्ड कैनेडी स्कूल एंड वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब) और नितिन कुमार भारती (न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी और वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब) द्वारा लिखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, "2022-23 तक सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का आय और संपदा में हिस्सा ऐतिहासिक उच्चस्तर क्रमशः 22.6 प्रतिशत और 40.1 प्रतिशत पर था। भारत की शीर्ष एक प्रतिशत आमदनी हिस्सेदारी दुनिया में सबसे अधिक है। यह दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और अमेरिका से भी अधिक है।" रिपोर्ट में कहा गया कि शुद्ध संपत्ति के नजरिये से भारतीय आयकर प्रणाली प्रतिगामी नजर आती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में आर्थिक आंकड़ों की गुणवत्ता काफी खराब है और हाल ही में इसमें गिरावट देखी गई है। इसमें कहा गया है कि भारत में सबसे अमीर एक प्रतिशत आबादी का आमदनी में हिस्सा ऊंचे स्तर पर है।

राजनीति में कुछ लोगों को बार-बार लॉन्च करने की पड़ती है जरूरत : नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में आयोजित स्टार्ट-अप महाकुंभ में राहुल गांधी पर कसा तंज

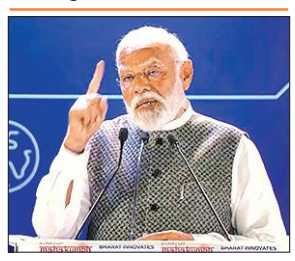

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीति में कुछ लोगों को बार-बार लॉन्च करने की जरूरत पड़ती है जबकि स्टार्ट-अप की दुनिया में जब कोई एक असफल होता है तो इस स्थिति में दूसरा रास्ता अख्तियार कर लेता है। मोदी ने यहां स्टार्ट-अप महाकुंभ में किसी का नाम लिए बिना स्टार्ट-अप और राजनीति की तुलना करते हुए कहा, ''स्टार्ट-अप लॉन्च तो बहुत लोग करते हैं, राजनीति में तो ज्यादा... और बार-बार लॉन्च करना पड़ता है। आप में और उनमें फर्क ये है कि आप लोग प्रयोगशील होते हैं, एक अगर एक बार लॉन्च नहीं हुआ तो तुरंत दूसरे पर चले जाते हैं।

मोदी ने लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने और एक अप्रैल, 2024 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए पूर्ण बजट पेश करने का विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि सामान्य स्थिति में कारोबारी चुनाव संपन्न होने तक बड़े आयोजनों को टाल देते हैं लेकिन आम चुनावों की घोषणा के कुछ दिन बाद तीन दिवसीय महाकुंभ में स्टार्ट-अप उद्यमियों और उस पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े लोगों का विशाल जमावड़ा आने वाली चीजों का संकेत है। उन्होंने 19 अप्रैल से चार जून तक होने वाले आम चुनावों के बाद भी शासन में बने रहने का विश्वास जताते हुए कहा-आप जानते हैं कि अगले पांच साल में क्या होने जा रहा है।

भारत एआई में दुनिया की अगुवाई करेगा: मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को युवा उद्यमियों और स्टार्टअप से दुनियाभर में आ रही चुनौतियों पर 'वैश्विक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय समाधान' पर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत कृत्रिम मेधा (एआई) क्षमता में दुनिया का नेतृत्व करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 'स्टार्टअप महाकुंभ' को संबोधित करते हुए कहा कि एआई, सेमीकंडक्टर और क्वॉन्टम पर पहले शुरू किए गए तीन मिशन युवाओं के लिए रोजगार और वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश के अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने कहा-हम एआई प्रौद्योगिकी के एक नए युग में हैं और दुनिया मानती है कि एआई में भारत का पलड़ा भारी रहेगा। अब यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है कि हम इस अवसर को जाने न दें। उन्होंने कहा कि एआई युवा नवप्रवर्तकों और वैश्विक निवेशकों के लिए असीमित संभावनाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा-एआई क्षमताओं का नेतृत्व भारत के हाथों में रहेगा और रहना चाहिए।

मोदी की गारंटी एक विश्वासघात है: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लद्दाख में पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि इस केंद्रशासित प्रदेश को लेकर दी गई 'मोदी की गारंटी' एक विश्वासघात है तथा यह 'चीनी गारंटी' है। पर्यावरणविद सोनम वांगचुक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा दिए जाने की मांग को लेकर पिछले दो सप्ताह से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी की चीनी गारंटी! लद्दाख में संविधान की छठी अनुसूची के तहत जनजातीय समुदायों की सुरक्षा की मांग के पक्ष में समर्थन की एक मजबूत लहर है।

पंजाब में जहरीली शराब पीने से पांच लोगों की गई जान

चंडीगढ़, एजेंसी

- संगरुर में पांच अन्य लोग भी अस्पताल में भर्ती, तीन गिरफ्तार

पंजाब के संगरूर जिले में बुधवार को कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को बुधवार को सूचना मिली कि संगरूर में दिरबा इलाके के गुर्जन गांव के तीन लोगों की जहरीली शराब पीने से मौत हो गई है। उनके अनुसार बाद में दो और लोगों की मौत के साथ ही मामले में मरने वालों की संख्या बढ़ कर पांच हो गई। उन्होंने बताया कि भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि जिला प्रशासन ने मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति भी गठित की है।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हताहत हुए लोगों ने कथित तौर पर सुखविंदर सिंह और मनप्रीत सिंह से शराब खरीदी थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में पकड़े गए लोगों की पहचान सुखविंदर सिंह और मनप्रीत सिंह तथा गुरलाल सिंह के तौर पर की गई है। साथ ही मामले में जांच-पड़ताल जारी है।

आयकर विभाग के अफसरों ने टीएमसी नेता के घर की ली तलाशी

कोलकाता। लोकसभा चुनाव से पहले बुधवार को आयकर विभाग के अधिकारी तृणमूल कांग्रेस नेता स्वरूप विश्वास के आवास की तलाशी ली है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। स्वरूप विश्वास के भाई अरूप विश्वास पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार में मंत्री हैं। अधिकारी ने बताया कि छापेमारी 12 घंटे से अधिक समय से चल रही है तथा यह कार्रवाई दो रियल एस्टेट कंपनियों द्वारा कथित रूप से कर चोरी किए जाने की जांच का हिस्सा है। आयकर विभाग के एक अधिकारी ने बताया-आयकर विभाग की जांच शाखा के अधिकारी शहर में स्वरूप विश्वास से संबंधित पांच ठिकानों की तलाशी कर रहे हैं। जिन ठिकानों की तलाशी की जा रही है उनमें से कुछ न्यू अलीपुर और बेहाला इलाके में हैं।

एक नजर

नीट-पीजी परीक्षा की तारीख सात जुलाई से बदलकर 23 जून की गई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने बुधवार को मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षा नीट-पीजी की तारीख सात जुलाई से बदलकर 23 जून कर दी। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के स्नातकोत्तर मेडिकल शिक्षा बोर्ड (पीजीएमईबी) ने चिकित्सा परामर्श समिति, स्वास्थ्य विज्ञान महानिदेशालय और राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड के साथ बैठक के दौरान यह निर्णय लिया। परीक्षा का परिणाम 15 जुलाई तक घोषित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की भूटान यात्रा स्थगित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूटान की प्रस्तावित राजकीय यात्रा खराब मौसम के कारण स्थगित कर दी गई है और दोनों पक्ष इस दौरे की नई तारीखों पर विचार कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया-भारत सरकार की 'पड़ोसी प्रथम नीति' के तहत मोदी 21-22 मार्च को भूटान जाने वाले थे। भारत और भूटान मोदी की दो दिवसीय प्रस्तावित राजकीय यात्रा के लिए नई तारीखों को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा-खराब मौसम की के कारण, भूटान की यात्रा स्थगित करने का निर्णय किया गया है।

सियासी गर्मी बढ़ी, एबीवीपी के विरुद्ध वाम दलों ने बनाया संयुक्त मोर्चा

नई दिल्ली, ब्यूरो

जेएनयू छात्र संघ चुनाव

- 22 मार्च होगा मतदान और मतगणना 24 मार्च को

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनाव में कई सियासी दिग्गज भी गहरी रुचि ले रहे हैं। भाजपा समर्थित छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने सभी पदों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। उनके शक्ति प्रदर्शन को देखते हुए वामपंथी दलों ने इस बार संयुक्त मोर्चा गठित कर अपने उम्मीदवारों का प्रचार शुरू किया है। मतदान 22 मार्च एवं मतगणना 24 मार्च को होगी।

जेएनयू छात्र संघ में शुरू से ही वाम दलों के छात्र संगठनों का कब्जा रहा है। लेकिन 2019 के चुनाव में जिस तरह से एबीवीपी ने छात्रों के बीच घुसपैठ बनाई थी और इस बार सभी पदों पर उम्मीदवार उतारकर चुनाव अभियान छेड़ा है। उसका मुकाबला करने के लिए वाम दलों के प्रमुख छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), डेमोक्रेटिक स्टूडेंट फेडरेशन (डीएसएफ), एवं ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन (एआईएसएफ) ने संयुक्त मोर्चा का गठन कर छात्र संघ में कब्जा करने के लिए साझा मंच तैयार किया है।

एबीवीपी ने उमेश चंद्र अजमीरा-अध्यक्ष, दीपिका शर्मा-उपाध्यक्ष, अर्जुन आनंद-महासचिव एवं गोविंद दांगी को संयुक्त सचिव के पद पर उम्मीदवार बनाया है। एबीवीपी नेता विकास पटेल के मुताबिक छात्र संघ में काउंसलर के 42 पदों के लिए भी उम्मीदवार घोषित किए गए हैं।

वहीं वाम दलों के संयुक्त मोर्चा ने धनंजय को अध्यक्ष, अभिजीत घोष को उपाध्यक्ष, स्वाति सिंह को महासचिव एवं साजिद को संयुक्त सचिव पद का उम्मीदवार बनाया है। अभी तक चुनाव प्रचार के दौरान दोनों गुटों के बीच कई बार तीखी नोक-झोंक भी हो चुकी हैं और मामला पुलिस तक पहुंच चुका है। कुछ लोगों ने प्रत्याशियों की आयु सीमा बढ़ाने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाया था। दोनों गुटों ने जवाबी शक्ति प्रदर्शन करते हुए मसाल जुलूस भी निकला है। जिसमें भारी संख्या में छात्रों की भीड़ देखने को मिली।

पशुपति कुमार पारस का इस्तीफा स्वीकार रिजिजु को मिला प्रभार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पशुपति कुमार पारस का केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और किरण रिजिजु को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभालने को कहा है। राष्ट्रपति सचिवालय ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 75 की धारा दो के तहत पारस का केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति ने रिजीजु को अपने मंत्रालय के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का कार्यभार संभालने का भी निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि पारस ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इस्तीफा दे दिया था।

कांग्रेस ने कर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही के खिलाफ न्यायालय का किया रुख

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उसके खिलाफ कर पुनर्मूल्यांकन की कार्यवाही किए जाने के विरोध में बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। इस मामले का उल्लेख राजनीतिक दल के वकील ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष किया, जो इसे बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमत हुए। पीठ में न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोरा भी शामिल हैं। वकील ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने चार साल का मूल्यांकन फिर से खोला है। साथ ही उन्होंने अदालत से याचिकाओं को बृहस्पतिवार के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तीन अलग-अलग वर्षों से संबंधित ऐसी तीन याचिकाएं आज सुनवाई के लिए पहले से ही सूचीबद्ध हैं।

राहुल गांधी को झारखंड उच्च न्यायालय से मिली राहत

रांची। झारखंड में मानहानि मामले में चाईबासा स्थित एमपी,एमएलए की विशेष अदालत द्वारा कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ 27 फरवरी 2024 को जारी गैर जमानती वारंट को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई आज झारखंड उच्च न्यायालय में हुई। मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने राहुल गांधी के खिलाफ चाईबासा की एमपी ,एमएलए कोर्ट द्वारा जारी गैर जमानती वारंट को एक माह के लिए शर्त के साथ स्थगित कर दिया। साथ ही गांधी को ट्रायल फेस करने के लिए कानून सम्मत उपयुक्त कदम उठाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही न्यायालय ने राहुल गांधी की याचिका को निष्पादित कर दिया।

बीआरएस नेता कविता को बेटों और मां से मिलने की मिली अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को अपने दो बेटों, मां और परिवार के सदस्यों से मुलाकात की अनुमति दे दी है। कविता फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में हैं। विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने कविता की ओर से पेश अधिवक्ता नीतेश राणा द्वारा दायर आवेदन पर यह आदेश पारित किया। वकील ने अनुरोध किया था कि पिछले आदेश के अनुसार आरोपी से मिलने की अनुमति पाने वालों की सूची में परिवार या संबंधियों के सात और नाम जोड़े जाएं।

मुफ्त सौगात संबंधी याचिका पर सुनवाई करने को कोर्ट सहमत

नई दिल्ली, एजेंसी

- जनहित याचिका में निर्वाचन आयोग को निर्देश देने का किया गया अनुरोध

उच्चतम न्यायालय ने चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त सौगातों और सुविधाओं का वादा करने के चलन के खिलाफ एक जनहित याचिका को बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। आगामी 19 अप्रैल से शुरू होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जनहित याचिका में निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वह ऐसे राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद करने और चुनाव चिह्न जब्त करने के अपने अधिकारों का उपयोग करे।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बुधवार को कहा-यह महत्वपूर्ण है। हम इसे कल लेंगे।

शीर्ष अदालत ने जनहित याचिका दायर करने वाले वकील अश्विनी उपाध्याय की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया की दलीलों पर संज्ञान लिया कि याचिका पर लोकसभा चुनाव से पहले सुनवाई की जरूरत है। याचिका में कहा गया कि मतदाताओं से अनुचित राजनीतिक लाभ पाने के लिए लोक-लुभावन घोषणाओं पर पूरी तरह प्रतिबंध होना चाहिए क्योंकि ये संविधान की अवहेलना करते हैं और इस मामले में निर्वाचन आयोग को उचित कदम उठाने चाहिए। इसमें अदालत से यह घोषित करने का भी अनुरोध किया गया है कि चुनाव से पहले सार्वजनिक धन से अतार्किक तरीके से मुफ्त सौगातों का वादा मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करता है, समान अवसर को अवरुद्ध करता है और चुनाव प्रक्रिया की शुचिता को नुकसान पहुंचाता है।

याचिका के अनुसार, याचिकाकर्ता का कहना है कि चुनावों को ध्यान में रखते हुए मुफ्त सुविधाएं देकर मतदाताओं को प्रभावित करने की राजनीतिक दलों की हालिया प्रवृत्ति न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा है, बल्कि संविधान की भावना को भी चोट पहुंचाती है। उसने कहा-यह अनैतिक प्रवृत्ति सत्ता में बने रहने के लिए सरकारी खजाने से मतदाताओं को रिश्वत देने के समान ही है और लोकतांत्रिक सिद्धांतों तथा परंपराओं के संरक्षण के लिए इससे बचना चाहिए।

सूर्यकुमार आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बरकरार

अफगानिस्तान के अनुभवी स्पिनर राशिद खान गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष दस में लौटे

दुबई, एजेंसी

पिछले तीन महीने से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहने के बावजूद सूर्यकुमार यादव आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि अफगानिस्तान के अनुभवी स्पिनर राशिद खान गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष दस में लौटे हैं। आईपीएल के आगामी सत्र में मुंबई इंडियंस के लिये वापसी करने जा रहे सूर्यकुमार के 861 अंक है जबकि दूसरे स्थान पर 802 अंक लेकर फिल साल्ट हैं। सूर्यकुमार ने दिसंबर में खेल हर्निया की सर्जरी के बाद से क्रिकेट नहीं खेला है।

वहीं आयरलैंड के खिलाफ 2-1 से मिली जीत में अहम भूमिका निभाने वाले राशिद खान ने शीर्ष दस में वापसी की है । वह चार पायदान की छलांग लगाकर नौवें से चौथे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने श्रृंखला में तीन मैचों में आठ विकेट लिये। अफगानिस्तान के नवीन उल हक दो पायदान चढकर 55वें स्थान पर है। आयरलैंड के जोश लिटिल सात पायदान चढकर 39वें, मार्क एडेयर दो पायदान चढकर 56वें और बैरी मैकार्थी 15 पायदान चढकर 77वें स्थान पर हैं। टी20 हरफनमौलाओं की रैंकिंग में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन शीर्ष पर बने हुए हैं।

राहुल के आईपीएल में अच्छे खेल से टी20 विश्व कप टीम में जगह होगी पक्की

नयी दिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का मानना है कि अगर केएल राहुल टीम को पहला आईपीएल खिताब दिला पाते हैं तो टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम में उनकी जगह तय होनी चाहिये। जांघ की मांसपेशियों की चोट से उबरकर वापसी कर रहे राहुल शायद आईपीएल में विकेटकीपिंग नहीं करेंगे। उनका भारत की टी20 टीम में चयन तय नहीं है लिहाजा उन्हें आईपीएल में बल्लेबाजी में और विकेट के पीछे अच्छा प्रदर्शन करना होगा। यह पूछने पर कि कप्तानी की निजी आकांक्षाओं और टीम के हितों में संतुलन कैसे बनायेंगे, लैंगर ने कहा कि यह मुश्किल नहीं है। उन्होंने कहा, ''अगर टीम अच्छा करती है तो हर किसी को ईनाम मिलता है। केएल अगर लखनऊ टीम को आईपीएल खिताब दिलाते हैं तो इसका मतलब होगा कि उन्होंने अच्छी कप्तानी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी विकेटकीपिंग की है।'' राहुल के अलावा लखनऊ के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी चयन की दौड़ में हैं। लैंगर ने कहा, ''केएल या बिश्नोई के लिये साफ संदेश है कि लखनऊ टीम के लिये अच्छा खेलने पर फोकस करें, टी20 विश्व कप टीम में जगह पाने के मौके बढेंगे।'' लखनऊ टीम के पूर्व मेंटोर गौतम गंभीर अब केकेआर से जुड़ गए हैं। यह पूछने पर कि क्या टूर्नामेंट के दौरान उनसे टक्कर देखने को मिल सकती है, लैंगर ने कहा कि वह टीम के लिये गंभीर के योगदान के प्रशंसक हैं।

भारतीय हॉकी टीमें एफआईएच हॉकी5 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर

लुसाने। भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीमें अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा पहली बार जारी हॉकी5 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है। भारतीय पुरूष टीम ओमान और मलेशिया के साथ दूसरे स्थान पर है। तीनों टीमों के 1400 अंक है। भारत ने एशियाई चैम्पियनशिप जीती और मस्कट में जनवरी में हुए विश्व कप में पांचवें स्थान पर रहा था। वहीं ओमान ने कांस्य पदक जीता था। नीदरलैंड 1750 अंक के साथ शीर्ष पर है जिसने पहला हॉकी5 विश्व कप और यूरोपीय चैम्पियनशिप जीती थी। पोलैंड और मिस्र संयुक्त पांचवें स्थान पर है। त्रिनिदाद और टोबैगो और कीनिया संयुक्त सातवें स्थान पर है जबकि पाकिस्तान नौवे स्थान पर है। महिला रैंकिंग में नीदरलैंड शीर्ष पर है जिसने विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। इसके साथ ही यूरोपीय चैम्पियनशिप भी अपने नाम की थी। रजत पदक विजेता भारत दूसरे स्थान पर है जबकि पोलैंड तीसरे स्थान पर है। उरूग्वे और दक्षिण अफ्रीका संयुक्त चौथे स्थान पर है ।

नया कलेवर बुधवार को चेन्नई में आईपीएल टीम की नई जर्सी के लांच के दौरान साथी खिलाड़ियों फाफ डु प्लेसिस, मोहम्मद सिराज, ग्लेन मैक्सवेल के साथ विराट कोहली। ● एजेंसी

गुजरात ने संदीप को टीम में रखा

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी टूर्नामेंट के लिए चोटिल भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की जगह पर केरल के मध्यम गति के गेंदबाज संदीप वारियर को अपनी टीम में शामिल किया है। शमी ने हाल में अपने दाहिनी एड़ी का ऑपरेशन करवाया था। इस कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भी नहीं खेल पाए थे। उन्होंने पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। जहां तक वारियर की बात है तो इस 32 वर्षीय खिलाड़ी में 2019 से लेकर अभी तक आईपीएल में पांच मैच खेले हैं जिनमें उन्होंने 7.88 के इकोनॉमी रेट से दो विकेट हासिल किए हैं। गुजरात ने उन्हें आधार मूल्य 50 लाख रुपए में अपनी टीम से जोड़ा है।

मुंबई इंडियंस ने क्वेना मफाका को टीम में शामिल किया

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए बुधवार को श्रीलंका के चोटिल तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की जगह दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को टीम में शामिल किया। श्रीलंका का 23 वर्षीय तेज गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ हाल में समाप्त हुई वनडे श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गया था। मुंबई इंडियंस ने उन्हें आईपीएल नीलामी में 4 .6 करोड रुपए में खरीदा था। दक्षिण अफ्रीका के मफाका ने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है लेकिन इस 17 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अंडर 19 विश्व कप में 9 .71 की औसत से 21 विकेट लिए थे और उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था।

खेल डायरी

जारा को क्वीन सिरिकिट कप में संयुक्त बढ़त

क्राइस्टचर्च। भारतीय गोल्फर जारा आनंद ने कड़ाके की सर्दी के बीच यहां खेले जा रहे 44वें क्वीन सिरिकिट कप के पहले दौर में एक ओवर 73 का स्कोर करके संयुक्त बढत बना ली। पंद्रह वर्ष की जारा को 2023 विजेता अवनि प्रशांत के नाम वापिस लेने के बाद भारतीय गोल्फ यूनियन ने टूर्नामेंट में जगह दी। वह चीनी ताइपै की चुन वेइ वू और जापान की ऐना फुजिमोतो के साथ शीर्ष पर है। भारत की विधात्री उर्स संयुक्त 20वें और हीना कांग संयुक्त 32वें स्थान पर है। टीम वर्ग में भारत छठे स्थान पर है जबकि चीनी ताइपै शीर्ष पर है।

त्रिसा-गायत्री की जोड़ी स्विस ओपन के दूसरे दौर में

बासेल (स्विटजरलैंड)। भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका के एनी शू और कैरी शू को सीधे गेम में हराकर स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गई। पिछले सप्ताह आल इंग्लैंड ओपन से पहले दौर में बाहर हुई भारतीय जोड़ी ने 39 मिनट में 21-15, 21-12 से जीत दर्ज की। महिला युगल में तीन अन्य भारतीय जोड़ियों को पहले दौर में पराजय का सामना करना पड़ा।

डोपिंग प्रतिबंध के बाद लौटी हालेप पहले दौर में हारीं

मियामी गार्डन्स। दो बार की ग्रैंड स्लैम चैम्पियन सिमोना हालेप अपील के बाद डोपिंग प्रतिबंध वापिस लिये जाने के साथ टेनिस कोर्ट पर लौटी लेकिन मियामी ओपन के पहले दौर में पाउला बाडोसा से 6-1, 4-6, 3-6 से हार गई। रोमानिया की 32 वर्ष की हालेप 2017 में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची थी। वह 2022 अमेरिकी ओपन में प्रतिबंधित दवा रोक्साडस्टेट के सेवन की दोषी पायी जाने के बाद से टूर पर नहीं खेली है। अमेरिकी ओपन के पहले दौर में उन्हें यूक्रेन की डारिया स्निगुर ने हराया था। उन पर 2023 में चार साल का प्रतिबंध लगाया गया था जिसे दो सप्ताह पहले खेल पंचाट ने घटाकर नौ महीने का कर दिया।

ओलंपिक के उद्घाटन में भाग नहीं लेंगे रूस-बेलारूस

जिनेवा। रूस और बेलारूस के खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में पारंपरिक परेड में भाग नहीं ले सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने यह जानकारी दी। ओलंपिक का उद्घाटन समारोह 26 जुलाई को है जिसमें हजारों खिलाड़ी सीन नदी से एफील टावर की तरफ नावों से आयेंगे जबकि आम तौर पर परेड स्टेडियम में होती है। आईओसी ने कहा कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ी नदी के किनारे समारोह देख सकेंगे। उन्हें तटस्थ खिलाड़ियों के तौर पर ओलंपिक में खेलने की अनुमति मिली है।

सीरीज स्थगित होने से अफगान बोर्ड निराश

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ तीसरी बार द्विपक्षीय श्रृंखला स्थगित करने पर निराशा व्यक्त करते हुए वैकल्पिक समाधान तलाशने का आग्रह किया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि एसीबी ऑस्ट्रेलियाई सरकार से आग्रह करता है कि वह अपनी नीतियों को क्रिकेट बोर्डों पर थोपे के बजाय सभी क्षेत्रों में क्रिकेट के विकास का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने कहा कि एसीबी का शीर्ष प्रबंधन पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ बातचीत में शामिल हुआ था और सार्वजनिक रूप से वापसी की घोषणा करने के बजाय वैकल्पिक समाधान तलाशने का प्रस्ताव रखा था। एसीबी के बयान में कहा गया है कि स्थगित टी-20 श्रृंखला को सीए प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति में आईसीसी द्वारा अनुमोदित किया गया था।

24 मार्च को मनेगा विश्व कबड्डी दिवस

चंडीगढ़। हरियाणा के पंचकूला में ताऊ देवी लाल इंडोर स्टेडियम में 24 मार्च को विश्व कबड्डी दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय होंगें। होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एचआईपीएसए) और विश्व कबड्डी संगठन इस वर्ष के आयोजन का संयुक्त रूप से आयोजन कर रहे हैं। एचआईपीएसए की अध्यक्ष सुश्री कॉथी डी सुरेश ने यह जानकारी बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व कबड्डी दिवस समारोह का लक्ष्य एक अनोखा आयोजन करना है।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी को तैयार

नयी दिल्ली, एजेंसी

खेल और युवा कार्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि भारत 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। एक न्यूज चैनल के सम्मेलन में ठाकुर ने कहा कि मेजबानी की दावेदारी के लिये आमंत्रण के साथ ही भारत इसकी मेजबानी के लिये तैयार होगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''भारत 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिये तैयार है।'' उन्होंने कहा, ''हम दुनिया की पांचवें सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और हमारे पास युवाशक्ति है।'' उन्होंने बताया कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट देखने ब्रिटेन से करीब 4000 क्रिकेटप्रेमी धर्मशाला पहुंचे थे और उन्होंने स्टेडियम की तारीफ भी की। पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद 2028 ओलंपिक लॉस एंजीलिस में और 2032 ओलंपिक ब्रिसबेन में खेले जायेंगे।

चुनाव में खेल संहिता का पालन सुनिश्चित करेगा डब्ल्यूएफआई

नयी दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) यह सुनिश्चित करेगा कि गुजरात, तेलंगाना और उत्तराखंड में आगामी राज्य संघ के चुनावों में खेल संहिता का पालन किया जाए। वह 27 मार्च से राष्ट्रीय शिविर बहाल करने के लिए भी तैयार है। राजस्थान जैसे कई राज्य संघों में 70 साल की निर्धारित आयु से अधिक उम्र के पदाधिकारी काम कर रहे थे। डब्ल्यूएफआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि चुनाव में उम्र और कार्यकाल से संबंधित दिशानिर्देशों का पालन किया जाए।

विराट कोहली से मिलना मेरे जीवन का सबसे अनमोल क्षण : श्रेयांका

बेंगलुरू, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की महिला प्रीमियर लीग में खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाली 'परपल कैप' विजेता श्रेयांका पाटिल के लिये सबसे बड़ा पल रहा जब उन्हें विराट कोहली से मिलने का मौका मिला। इक्कीस वर्ष की आफ स्पिनर श्रेयांका ने एलिमिनेटर और फाइनल में डैथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि बचपन से उनके पसंदीदा क्रिकेटर रहे कोहली उनका नाम जानते हैं। उन्होंने आरसीबी 'अनबॉक्स' कार्यक्रम में कोहली के साथ अपनी तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए लिखा, ''उनकी वजह से क्रिकेट देखना शुरू किया था। उनके जैसा बनने का सपना देखा करती थी। कल मेरे जीवन का सबसे अनमोल पल था।'' उन्होंने लिखा, ''विराट ने कहा, ''हाय श्रेयांका। अच्छी गेंदबाजी की।' उन्हें मेरा नाम पता था।'' श्रेयांका को आरसीबी ने पिछले साल डब्ल्यूपीएल की पहली नीलामी में उनके बेसप्राइज 10 लाख रूपये में लिया था।

सिंधु, श्रीकांत और लक्ष्य स्विस ओपन के दूसरे दौर में

बासेल। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, पूर्व चैंपियन किदांबी श्रीकांत और अच्छी फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते ही बुधवार को यहां स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। यहां 2022 में खिताब जीतने वाली सिंधु ने थाईलैंड की पोर्नपिचा चोइकेवोंग को 21-12, 21-13 से हराकर दूसरे दौर में जापान की तोमोका मियाज़ाकी से मुकाबला सुनिश्चित किया।

मुकाबले में भारत की नजरें तीन अंकों पर

आभा (सउदी अरब), एजेंसी

फीफा विश्व कप क्वालीफायर

जैकसन सिंह और अनवर अली की वापसी से उत्साहित भारतीय फुटबॉल टीम बृहस्पतिवार को जब फीफा विश्व कप क्वालीफायर के मुकाबले में अफगानिस्तान का सामना करेगी तो उसकी नजरें तीसरे दौर में जगह बनाने पर लगी होंगी। मिडफील्ड में जैकसन और सेंटर बैक में अनवर चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। दूसरे दौर के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन मैच में निचली रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी पर भारत का पलड़ा भारी रहने की उम्मीद है। हालांकि मिडफील्डर सहल अब्दुल समद इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। दो मैचों में एक जीत के तीन अंक के साथ भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर है ।

बॉलीवुड हलचल

विवादों में फंसी खेसारी लाल की फिल्म 'रंग दे बसंती'

मुंबई, एजेंसी। भोजपुरी सिनेमा के जाने-माने अभिनेता खेसारी लाल यादव की आगामी फिल्म 'रंग दे बसंती' रिलीज से पहले विवादों में फंसी हुई है। इसे 22 मार्च को होली के मौके पर रिलीज किया जाना था लेकिन अपने टाइटल की वजह से ये सर्टिफिकेशन बोर्ड में अटक गई। फिल्ममेकर रौशन सिंह ने बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ऐसे में अब कोर्ट की ओर से सीबीएफसी को आदेश दिया है कि वो मामले को 10 दिनों के अंदर ही निपटाएं। खेसारी लाल की फिल्म 'रंग दे बसंती' को पहले यूनिवर्सल सर्टिफिकेट दिया गया था और बाद में सीबीएफसी के अध्यक्ष प्रसून जोशी के रवैये के कारण फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई। ट्रेड पंडितों के अनुसार बताया जा रहा है कि रिलीज डेट टलने से इस फिल्म को करीब 10 करोड़ का नुकसान हुआ है। 'रंग दे बसंती' के निर्माता रौशन सिंह ने प्रसून जोशी पर आरोप लगाया था कि उन्होंने जानबूझकर सेंसर प्रक्रिया में देरी की।

लाल साड़ी और मांग में सिंदूर में दिखीं रश्मिका मंदाना

मुंबई, एजेंसी। साउथ सिनेमा के स्टार अल्लू अर्जुन और एनिमल फिल्म की फेम रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा 2' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसे इसी साल यानी कि 15 अगस्त, 2024 के मौके पर रिलीज किया जाना है। इसी बीच एक बार फिर से फिल्म सुर्खियों में आ गई है। इससे एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक लीक हो गया है। मूवी के सेट से एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सामने आया है। इसमें उन्हें देखते ही बन रहा है। रश्मिका से पहले अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया जा चुका है, जो काफी एक्साइटिंग कर देने वाला है। सोशल मीडिया पर सामने आए रश्मिका मंदाना के लुक में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस 'पुष्पा 2' के सेट पर लाल साड़ी और मांग में सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं। इसमें उनका लुक देखते ही बन रहा है। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि वो पुष्पराज के साथ शादी का सीक्वेंस शूट कर रही थीं। इसे देखने के बाद फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं।

कार्तिक आर्यन के साथ दिख सकती हैं माधुरी दीक्षित

मुंबई, एजेंसी। कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'भूल भुलैया-3' आजकल सुर्खियों में है। फिल्म में विद्या बालन और तृप्ति डिमरी के बाद अब एक और नाम सामने आया है। खबरों की मानें तो इस फिल्म में माधुरी दीक्षित की एंट्री भी हो सकती है। हालांकि अभी मेकर्स ने इस बात पर कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं दी है। 'भूल भुलैया-3' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में डायरेक्टर अनीस बज्मी से पूछा गया कि क्या 'भूल भुलैया-3' में माधुरी दीक्षित नजर आ सकती हैं? इस पर डायरेक्टर बोले- जो भी होने वाला है, हम खुद बताएंगे। तृप्ति और विद्या के बारे में बताया जा चुका है। लेकिन अभी और भी बहुत कुछ बाकी है। फिल्म की कुछ और कास्ट को लेकर बातचीत चल रही है। हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। कुछ दिन पहले कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया पर घर के मंदिर के सामने सिर झुकाए एक फोटो शेयर की थी। जिसमें उन्होंने कैप्शन लिखा था- आज मेरे करियर की सबसे बड़ी फिल्म शुरू हो रही है। 'भूल भुलैया-3' का शुभारंभ। 'भूल भुलैया 2' को अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया था। इसमें कार्तिक के अलावा कियारा आडवाणी, तब्बू, राजपाल यादव और संजय मिश्रा भी लीड रोल में थे। यह फिल्म 20 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म 2007 में आई 'भूल भुलैया' का सीक्वल थी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने,बरेली,पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, कार्यकारी संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल-amritvichar120@gmail.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

छात्रा ने विदेश जाने के लिए किया अपहरण का नाटक

कोटा, एजेंसी

- 18 मार्च को दोस्त के साथ रची साजिश, 30 लाख रूपये की मांगी थी फिरौती

राजस्थान के कोटा में अपहरण कर 30 लाख की फिरौती मांगने का मामला पूरा झूठा निकला। पुलिस अधीक्षक कोटा डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 18 मार्च को शाम को शिवपुरी पुलिस ने सूचना दी की कोटा की एक छात्रा का अपहरण हो गया है और 30 लाख की फिरौती मांगी गई है।

बता दें, पिता के मोबाइल नंबर पर छात्र के अपहरण कर हाथ पैर रस्सी से बंधे हुए फोटो भी शेयर किए गए थे। इस पूरे मामले का कोटा पुलिस ने खुलासा किया है। एसपी ने बताया कि यह पूरा मामला झूठा है। छात्रा दिव्या धाकड़ (20) और उसका एक दोस्त विदेश जाना चाहते थे जिसके चलते उन्होंने यह पूरी साजिश रची है। बता दें, छात्रा कोटा में किसी भी कोचिंग में नहीं पढ़ती थी, ना ही वह किसी हॉस्टल में रही है। पुलिस ने बातया है कि, विदेश जाने के लिए इन्हें पैसों की जरूरत थी, इसलिए यह पूरी घटना रची गई। छात्र के पिता ने एफआईआर में एक इंदौर की घटना का भी जिक्र किया है, जिसमें कुछ लड़के इसे परेशान करते थे। उसके बाद पिता ने उसे इंदौर से कोटा लाने का फैसला किया था। गौरतलब है कि कोटा में कथित रूप से नीट की कोचिंग कर रही छात्रा मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के बैराड़ की रहने वाली है। 18 मार्च को अपहरण का नाटक किया और परिजनों से फिरौती की मांग की एक बैंक खाता नंबर भी इस सूचना के साथ जारी किया गया था, जिसमें यह रकम जमा कराने की हिदायत दी गई थी।

आईएसआईएस के इंडिया प्रमुख हैरिस समेत दो लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी। आईएसआईएस इंडिया' के प्रमुख हैरिस फारूकी और उसके एक सहायक को बांग्लादेश से सीमा पार कर असम के धुबरी में पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक बयान में असम पुलिस के प्रमुख जनसंपर्क अधिकारी प्रणवज्योति गोस्वामी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ ने दोनों को धर्मशाला क्षेत्र से पकड़ा है और बाद में उन्हें गुवाहाटी में एसटीएफ कार्यालय लाया।

उन्होंने कहा, उन दोनों की पहचान पक्की है और यह पाया गया है कि आरोपी हैरिस फारूकी उर्फ हैरिस अजमल फारूकी (देहरादून के चकराता का निवासी) भारत में आईएसआईएस का प्रमुख है।'' उन्होंने कहा कि उसका साथी और पानीपत निवावी अनुराग सिंह उर्फ रेहान इस्लाम अपना चुका है।

चीन की चाल पर भारी पड़ रही भारत की नीति

जून, 2020 में लद्दाख के गलवान में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के बीच शुरू हुई तनातनी लगातार बढ़ती नजर आ रही है। अब हाल ही में पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश का दौरे के बाद चीन बौखला गया है। एक ओर चीन कभी इस राज्य के कई इलाकों के नाम बदलता है तो कभी केंद्रीय नेताओं के दौरे और जी 20 की बैठक पर आपत्ति जताता रहा है। अरुणाचल प्रदेश की 1,126 किमी लंबी सीमा चीन से लगी है। आईए जानते हैं क्या मामला...

1,126 किमी लंबी सीमा अरुणाचल प्रदेश की चीन से लगती है

सेला सुरंग के निर्माण से बौखलाया चीन

अरुणाचल प्रदेश में चीन सीमा के पास सेला सुरंग का निमार्ण हुआ है। सीमा पर सुरंग के निर्माण से चीन बौखलाया गया है। बता दें, इस सुरंग का निर्माण 825 करोड़ में हुआ है, जो तेजपुर से तवांग को जोड़ने वाली सड़क पर पश्चिम कामेंग जिले में 13,700 फीट की ऊंचाई पर है। इसकी आधारशिला फरवरी 2019 में रखी थी। सेला सुरंग भारत की सबसे ऊंची पहाड़ी सुरंग सड़क है जो भारतीय सेना को अरुणाचल प्रदेश में दोनों देशों के बीच विवादित सीमा तक हर मौसम में संपर्क बनाए रखने में मदद करेगी। इस सुरंग के प्रोजेक्ट को अंजाम सीमा सड़क संगठन ने दिया है, जिसमें दो सुरंगें और एक लिंक रोड शामिल है।

बकवास है चीन का अरुणाचल पर दावा

चीन बार-बार अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता आया है। वहीं, चीन के इस दावे को भारत ने हमेशा नकारा है। एक बार फिर ड्रैगन के इस दावे को भारत सरकार ने बकवास बताया है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से चीन के साथ अरुणाचल प्रदेश का कोई संबंध नहीं है। वहीं, यह राज्य भारत का अभिन्न अंग है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "ऐतिहासिक रूप से हमारा चीन के साथ कोई जुड़ाव या संबंध नहीं है। इसलिए अरुणाचल के चीन का हिस्सा होने का कोई सवाल ही नहीं है। राज्य के क्षेत्र पर दावा करने से जमीन पर स्थिति नहीं बदलेगी। हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है। अरुणाचल प्रदेश एक भारतीय क्षेत्र है। रिजिजू ने कहा, अपने क्षेत्र को विकसित करना हमारा संप्रभु अधिकार है और कोई भी हम पर आपत्ति नहीं कर सकता हाल ही में पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया था, जिसके बाद चीन बौखला उठा। चीन के विदेश मंत्रालय वांग वेनबिन ने कहा कि इससे भारत-चीन का सीमा विवाद और बढ़ेगा।

भारत का रुख

भारत ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावों को बार-बार खारिज किया है। भारत ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। भारत ने चीन की ओर से क्षेत्र नया नाम गढ़े जाने के कदम को खारिज किया है और कहा है कि इससे सच्चाई में कोई बदलाव नहीं आया है।

चीन क्यों करता है अरुणाचल पर दावा

अब सवाल ये है कि आखिर चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा क्यों करता है। अरुणाचल को 1987 में एक राज्य बनाया गया था। दरअसल अरुणाचल ने जब से तिब्बत पर कब्जा किया, उसके बाद से ही वो अरुणाचल पर अपना दावा पेश करता है और इसे साउथ तिब्बत बोलता है। तिब्बत पर चीन के कब्जे को लेकर दुनियाभर में बहस है। खुद दलाई लामा तिब्बत को चीन का हिस्सा बताने से इनकार करते हैं और इसे चीन की दादागीरी बताते हैं। ऐसे में चीन का तिब्बत के सहारे अरुणाचल पर दावा करना काफी खतरनाक माना जा रहा है।

तालिबानी फौज का चेकपोस्ट पर कब्जा, पाकिस्तानी सैनिक भागे

पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक का अफगानी जवाब, दोनों देशों में बढ़ा तनाव

काबुल, एजेंसी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में डूरंड लाइन पर तकरार और बढ़ गई है। पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक के बाद तालिबानी फौज ने मुंहतोड़ जवाब दिया। मंगलवार को तालिबान शासकों की फौज ने पाकिस्तान की सैन्य चौकी पर कब्जा कर लिया। पाकिस्तानी फौजी इस चौकी से पीछे हट गए हैं। यह पोस्ट पाक के उत्तर-पूर्वी बजीरिस्तान इलाके के कुर्रम में है।

मीडिया के मुताबिक, अफगानी फौज ने भारी मोर्टार से बमबारी की और सैनिक हमले से चेकपोस्ट पर कब्जा किया। बजीरिस्तान इलाके में पाकिस्तान की कई सैन्य चौकी हैं, स्थिति और न बिगड़े, इसलिए पाकिस्तानी सेना ने वहां से जवानों को हटा लिया। दो दिन पहले ही पाक के जेएफ- 17 लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान में खोस्त और पकटिका इलाकों में भारी बमबारी की थी। इसके बाद अफगान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पाक के हमले में 8 महिलाओं और कुछ बच्चों की मौत हुई है और हम पाक से बदला जरूर लेंगे। इसीलिए अफगान फौज ने मंगलवार तड़के डूरंड लाइन पर घातक हमला किया।

पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा: पीएम शहबाज

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि उनका देश अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ शांति से रहना चाहेगा। आपको बता दें कि पाकिस्तान में आतंकवाद से निपटने के लिए शीर्ष अधिकारियों की एक समिति का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इस समिति की पहली बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद के रूप में नए खतरे का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए उनका देश पड़ोसी देशों द्वारा सीमा पार आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। ऐसी किसी भी हरकत का जवाब कड़ी कार्रवाई से दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़े। हम अपने पड़ोसी भाइयों के साथ व्यापार करना चाहते हैं और अपने संबंधों का विस्तार करना चाहते हैं लेकिन दुर्भाग्य से, अगर किसी पड़ोसी की जमीन का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए किया जाता है, तो इसे सहन नहीं किया जायेगा।

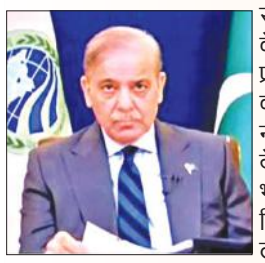

दोनों देशों के बीच कैसे शुरू हुआ संघर्ष

दोनों देशों के बीच ताजा संघर्ष की शुरुआत शनिवार (16 मार्च) को हुई। दरअसल, शनिवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मीर अली में एक आत्मघाती हमलावर ने अपने विस्फोटक से भरे ट्रक को एक सैन्य चौकी में घुसा दिया। यह इलाका अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। इस घटना में सात पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि उसकी जवाबी गोलीबारी में सभी छह हमलावरों को मार गिराया गया। हमले की जिम्मेदारी हाल ही बने आतंकी समूह जैश-ए-फुरसन-ए-मुहम्मद ने ली। कहा गया कि इस समूह को मुख्य रूप से पाकिस्तानी तालिबान टीटीपी के सदस्यों ने बनाया है। प्रतिबंधित टीटीपी के निशाने पर अक्सर पाकिस्तानी सैनिक और पुलिसकर्मी रहे हैं।

पाक सेना ने अफगानी अफसरों को निकाला

पाकिस्तान ने खुलासा किया कि सेना में दो ऑफिसर रैंक के अफगान नागरिक थे। इन्हें निकाल दिया गया है। ये अफसर अवैध अप्रवासियों के खिलाफ पाक के अभियान में शामिल थे। संघर्ष को लेकर अमेरिका ने नसीहत दी है कि, पाक धैर्य दिखाए। अफगानिस्तान भी अपनी धरती का इस्तेमाल आतंकी हमलों में करने से रोके।

अब कैबिनेट वेतन की कटौती से आर्थिक तंगी सुधारेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के बाद अब कैबिनेट मंत्रियों के वेतन की कटौती से पाकिस्तान आर्थिक हालात सुधारेगा।

दरअसल, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके कैबिनेट मंत्रियों ने देश की खस्ता आर्थिक स्थिति को देखते हुए वेतन न लेने की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान के मुताबिक सरकार ने अनावश्यक खर्चों पर अंकुश लगाने का फैसला लिया है। इस मकसद से सरकार की मितव्ययिता नीतियों के तहत मंत्रिमंडल की बैठक में वेतन और उससे जुड़े तमाम लाभ को छोड़ने का फैसला लिया गया। सरकारी निधि का उपयोग जरूरी होने पर शहबाज की मंजूरी लेनी होगी। बता दें कि पिछले हफ्ते, राष्ट्रपति जरदारी और गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भी अपने वेतन नहीं लेने का एलान किया था।

नेहरू काल को बेहतर मानने के विचार से निकलना होगा बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

- जयशंकर बोले- शुरुआती वर्षों में विदेश नीति बस नेहरूवादी विचारधारा का बुलबुला

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को नेहरू सरकार द्वारा लिए गए कुछ प्रमुख निर्णयों की आलोचना करते हुए कहा कि लोगों को इस मानसिकता से बाहर निकलने की जरूरत है कि 1946 से बाद की अवधि 'महान वर्ष' थे और तब देश ने 'शानदार' प्रदर्शन किया था।

आजादी के बाद शुरुआती वर्षों में सरकार की विदेश नीति के बारे में जयशंकर ने कहा- आपने पाकिस्तान को गलत पाया, आपने चीन को गलत पाया, आपने अमेरिका को सही पाया और कहा गया कि हमारी विदेश नीति बहुत अच्छी है। इसलिए, अब इस नजरिये को एक तरफ रख दीजिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शुरुआती वर्षों में जब विदेश नीति काफी हद तक नेहरूवादी विचारधारा का बुलबुला

था। इसके अवशेष आज भी मौजूद हैं। विदेश मंत्री बोले- 1948, 1949, 1950, 1951, 1952 में जब आप निर्णय ले रहे थे, तब ये लोग (श्यामा प्रसाद मुखर्जी और बीआर आंबेडकर) नेहरू के समकालीन थे, जो उस समय उनके द्वारा लिए जा रहे निर्णयों पर सवाल उठा रहे थे। बता दें, जयशंकर ने अपने दावे के समर्थन में नेहरू-लियाकत समझौते पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों और नेहरू के फैसलों पर बीआर आंबेडकर के विचारों का हवाला दिया।

पाकिस्तान के आम चुनाव में मानवाधिकारों को कुचला : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान आम चुनाव में हुई कथित धांधली की बात को माना है और इसे लेकर चिंता जाहिर की है। अमेरिका ने पाकिस्तान में लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने और आतंकवाद से निपटने में मदद देने का भी आश्वासन दिया।

दरअसल अमेरिका के राजनयिक और पाकिस्तान मामलों के जानकार डोनाल्ड लू ने पाकिस्तान चुनाव में हुई कथित धांधली को लेकर अपनी लिखित गवाही संसद की समिति के पास भेजी थी, जिसे अब सार्वजनिक किया गया है। डोनाल्ड लू ने अपनी गवाही में कई मुद्दों पर चिंता जाहिर की और दोनों देशों के भविष्य को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अमेरिका का विदेश विभाग पाकिस्तान में हुई चुनावी हिंसा, मानवाधिकारों पर प्रतिबंध, आजादी, मीडिया पर हमले और कम्युनिकेशन सेवाओं पर प्रतिबंधों की निंदा करता है। धांधली के आरोपों की विस्तृत जांच होनी चाहिए।

अमेरिका में भारतीय छात्र का अपहरण, हैदराबाद में बैठे परिवार से मांगी फिरौती

वाशिंगटन। अमेरिका में रहकर पढ़ाई करने वाले कई भारतीय छात्रों की मौत के बाद अब हैदराबाद के एक छात्र के अपहरण कर लिया। लापता छात्र के परिजनों ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मोहम्मद अब्दुल सात मार्च से लापता है और अब यहां फोन करके उनसे फिरौती मांगी गई है। अब्दुल के पिता मोहम्मद सलीम ने बताया कि उनके बेटे की आखिरी बार सात मार्च को उनसे फोन पर बात हुई थी। इसके बाद से अब्दुल से कोई संपर्क नहीं हुआ है। अब्दुल के परिजनों ने बताया कि 19 मार्च को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके उनसे फिरौती की रकम की मांग की है। फोन करने वाले व्यक्ति ने कथित तौर पर उसके अपहरण की बात बताते हुए छोड़ने के बदले में 1200 अमेरिकी डॉलर की मांग की। इतना ही नहीं फिरौती की रकम न देने पर अब्दुल की किडनी बेचने की भी धमकी दी। वहीं, अमेरिका में अब्दुल के रूममेट्स ने क्लीवलैंड पुलिस में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है।

अब्दुल के पिता ने बताया, 'कल, मुझे एक अज्ञात नंबर से फोन आया मुझे बताया कि मेरे बेटे का अपहरण कर लिया गया है और उसने पैसे की मांग की।

महिला सशक्तिकरण से 2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्र: रूचिरा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- संयुक्त राष्ट्र में बोलीं रुचिरा कंबोज, भारत में महिलाओं के लिए अहम कदम उठाए जा रहे

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने बताया कि देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह से समाज में लैंगिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। दरअसल भारतीय मिशन ने संयुक्त राष्ट्र में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें महिलाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। कंबोज ने कहा कि भारत महिला सशक्तिकरण से ही 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा।

कार्यक्रम के दौरान भारत की यूएन में स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि महिलाओं के लिए एक बहुमुखी रणनीति तैयार की जा रही है, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में सशक्त बनाने की दिशा में काम किया है। उन्होंने कहा कि इस पहल से लैंगिक न्याय, समानता और भारत के सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित है। बता दें, संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर 68वीं वार्षिक बैठक आयोजित हुई। यह बैठक 11 मार्च से शुरू हुई है, 22 मार्च तक चलेगी। इसी बैठक के दौरान भारतीय मिशन ने भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। रुचिरा कंबोज ने कहा कि महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता से भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा।

विज्ञान मिशिगन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एसएन 1987ए दुर्लभ सुपरनोवा नाम दिया

मोतियों की माला में घिरा नजर आया सुपरनोवा

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचार: ब्रह्मांड में एक रहस्यमयी सुपरनोवा मोती की माला में सुसज्जित नजर आ रहा है। इस दुर्लभ सुपरनोवा का नाम एसएन 1987ए है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह एक विशाल तारे के विस्फोट के अवशेषों को खुद मे समेट रहा है। यह घटना पृथ्वी से लगभग 160,000 प्रकाश वर्ष दूर है। जिसमें एक विशाल तारा (सुपरनोवा) टूटकर बिखर रहा है और टूटे हुए तारे की सामग्री से घिर रहा है। यह सुपरनोवा एक आकाशगंगा के उप आकाशगंगा में स्थित है। वैज्ञानिक इस घटना को लार्ज मैगेलैनिक क्लाउड या एलएमसी नाम से पुकारते हैं। एसएन 1987ए के बारे में विशेष रूप से उल्लेखनीय तथ्य यह सामने आया है कि यह चमकते हाइड्रोजन प्लाज्मा के गुच्छों से घिरा हुआ है । यह एक ऐसी संरचना है, जो खगोल भौतिकी में एक लंबे समय तक चलने वाली रहस्यमय प्रक्रिया है। जिसका अभी कोई सटीक जानकारी नही मिल पाई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सुपरनोवा अवशेष के आभूषण के रहस्य को पूरी तरह से समझने के लिये समय लगेगा। मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता वैज्ञानिकों के अनुसार मोतियों की माला की संरचना अद्भुत है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के जरिए इस सुपरनोवा मलबे की खोज हुई है। जिसके समीप एक छिपा हुआ न्यूट्रॉन तारा है।

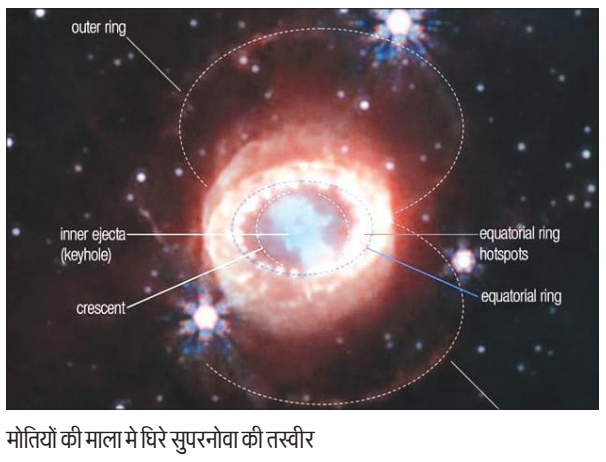

मोतियों की माला मे घिरे सुपरनोवा की तस्वीर

आंखों से भी देखा जा सकता है सुपरनोवा

इस सुपरनोवा को नग्न आंखों से देखा जा सकता है। यह सुपरनोवा अविश्वसनीय रूप से दुर्लभ खगोलीय घटना है। इस घटना से सितारों के विकास और अंतत: मृत्यु के बारे में हमारी समझ में कुछ अधिक वृद्धि हो सकती है। बहरहाल इस तरह की घटनाओं को लेकर नई समझ पैदा होगी । साथ ही खोज को नई दिशा मिलेगी।